दैनिक
सांध्य प्रकाश
भोपाल की धड़कन

वर्ष 53/ अंक 05/ पृष्ठ 8 / मूल्य ₹2.10

संस्थापक- स्व. सुरेंद्र पटेल

■आर.एन.आई 22296/71 ■डाक पंजीयन मप्र/भोपाल/125/12-14

भोपाल, बुधवार 19 जुलाई 2023 भोपाल से प्रकाशित

dainiksandhyaprakash.in

रिकॉर्ड हाई पर शेयर बाजार: सेंसेक्स ने 67,117 और निफ्टी ने 19,841 का स्तर छुआ, इंडसइंड बैंक के शेयर में 3% से ज्यादा की तेजी

सांध्यप्रकाश विशेष

पीएम मोदी ने 'चीता प्रोजेक्ट' को लेकर बुलाई उच्चस्तरीय बैठक: दिल्ली में कल होगी समीक्षा, केंद्र ने 5 वन्यजीव विशेषज्ञों की टीम भेजी कूनो

भोपाल। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दिल्ली में बुधवार को प्रोजेक्ट चीता को लेकर उच्च स्तरीय बैठक बुलाई है। मध्य प्रदेश के कूनो राष्ट्रीय उद्यान के अंदर चीतों की मौत के मामलों में वृद्धि के बीच पीएम मोदी प्रोजेक्ट चीता की प्रगति की समीक्षा करेंगे। केंद्र ने पांच वन्यजीव विशेषज्ञों की एक टीम कूनो भेजा है।

इस टीम में गुजरात से मोहन राम, ओडिशा से मनोज नायर, कर्नाटक से दीप कॉन्ट्रैक्टर और एन.एस. शामिल हैं। भारत सरकार से मुरली और वी. हरिनी कुनो में निरीक्षण करेंगे। केंद्र सरकार ने पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्री भूपेंद्र यादव को कूनो पर लगातार निगरानी रखने का काम सौंपा है।

करोड़ों लोगों के खातों में 10 दिन बाद आएंगे 2000 रुपए, पीएम मोदी करेंगे ट्रांसफर

मोदी सरकार द्वारा देश के करोड़ों किसानों को किसान सम्मान निधि के रूप में सालाना 6000 रुपए दिए जाते हैं, अब तक 13 किस्त किसानों के खाते में आ चुकी है। ऐसे में अब जल्द ही 14वीं किस्त भी आने वाली है। इसको लेकर किसान भी इंतजार कर रहे हैं। किसानों की आमदनी बढ़ाने को लेकर केंद्र सरकार लगातार प्रयास कर रही है। जानकारी के मुताबिक, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 28 जुलाई को लाभार्थियों के खाते में 14वीं किस्त का पैसा ट्रांसफर करेंगे। अब आने वाली 14वीं किस्त को लेकर एक बड़ी अपडेट सामने आई है। 14वीं किस्त तक किसानों के खाते में 28 जुलाई तक ट्रांसफर की जा सकती है। सरकार की ओर से देशभर के 8.5 किसानों के अकाउंट में 2000-2000 रुपये की रुपये की राशि ट्रांसफर की जाएगी।

मुलाकात

एनसीपी के राष्ट्रीय सचिव बृजमोहन श्रीवास्तव ने महाराष्ट्र के डिप्टी सीएम अजीत पवार और सांसद प्रफुल्ल पटेल और एनसीपी के अन्य नेताओं से मुलाकात की।

केंद्र में 30 जॉइंट सेक्रेटरी स्तर के अधिकारियों की नई पदस्थापना, एमपी के दो आईएएस को मिले महत्वपूर्ण प्रभार

नई दिल्ली। केंद्र सरकार द्वारा आज जॉइंट सेक्रेटरी और जॉइंट सेक्रेटरी इक्विवेलेंट स्तर के 30 अधिकारियों की नई पदस्थापना संबंधी आदेश जारी किए गए हैं। इन आदेशों में मध्यप्रदेश केडर के 2007 बैच के दो अधिकारियों संकेत भोंडवे और शशांक मिश्रा की भी नई पदस्थापना हुई है। संकेत भोंडवे को इलेक्ट्रॉनिक और इनफॉरमेशन टेक्नोलॉजी मंत्रालय में जॉइंट सेक्रेटरी बनाया गया है जबकि शशांक मिश्र को पावर मंत्रालय में जॉइंट सेक्रेटरी बनाया गया है। इस संबंध में डीओपीटी द्वारा आदेश जारी किए गए हैं।

विवादों के बीच रिलीज हुआ ओएमजी 2 का पहला गाना, भोले की भक्ति में लीन नजर आए पंकज त्रिपाठी

बॉलीवुड अभिनेता अक्षय कुमार इन दिनों अपने भोलेनाथ वाले किरदार को लेकर काफी ज्यादा चर्चाओं का विषय बने हुए हैं दरअसल अक्षय कुमार लंबे समय से एक हिट फिल्म का इंतजार कर रहे हैं ऐसे में उनकी फिल्म जो कि 11 अगस्त को सिनेमाघरों में दस्तक देने वाली है, जिसका पहला गाना 'ऊंची ऊंची वादी' यूट्यूब पर रिलीज हो चुका है। अक्षय कुमार अपनी आने वाली फिल्म ओएमजी 2 में नजर आने वाले हैं जिसको लेकर भी काफी ज्यादा चर्चाओं का विषय बने हुए हैं फिल्म का टीजर रिलीज हो चुका है। लेकिन सेंसर बोर्ड की रोक की वजह से फिल्म की रिलीज फिलहाल सस्पेंस में है लेकिन फिल्म प्रमोशन और फिल्म से जुड़े गाने पहुंचकर लोगों का भी ज्यादा पसंद आ रहे हैं।

संसद के मानसून सत्र से पहले आज सर्वदलीय बैठक

राहुल की सांसदी छिनने और दिल्ली अध्यादेश के चलते आप-कांग्रेस कर सकती हैं बायकॉट

नई दिल्ली। संसद का मानसून सत्र 20 जुलाई से शुरू होगा। इससे एक दिन पहले बुधवार को केंद्र सरकार ने सर्वदलीय बैठक बुलाई है। बैठक में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी समेत सरकार के मंत्री शामिल होंगे। संसदीय मामलों के मंत्रालय के मुताबिक, यह बैठक दोपहर बाद पुरानी संसद की लाइब्रेरी में होगी।

राहुल की सांसदी छिनने और अडाणी मामले में चर्चा नहीं होने से कांग्रेस समेत कई विपक्षी पार्टियां नाराज हैं। वहीं, आम आदमी पार्टी (आप) दिल्ली में अधिकारियों के ट्रांसफर-पोस्टिंग पर लाए अध्यादेश की वजह से केंद्र सरकार के विरोध में है। इसके चलते आप और कांग्रेस समेत कई विपक्षी पार्टियां इस बैठक का बायकॉट कर सकती हैं। संसद का मानसून सत्र 11 अगस्त तक चलेगा। दोनों सदनों की कुल 17 बैठकें प्रस्तावित हैं। सरकारी सूत्रों का कहना है कि सत्र में कई जरूरी विधेयक पेश किए जाने हैं, ऐसे में सभी दलों को सत्र चलाने में सहयोग करना चाहिए, क्योंकि सरकार नियम व प्रक्रिया के तहत किसी भी विषय पर चर्चा कराने से पीछे नहीं हट रही है।

लोकसभा सचिवालय के एक बुलेटिन के मुताबिक, सत्र में दिल्ली अध्यादेश समेत 21 नए बिलों को पेश किया जा सकता है। राज्यसभा के सभापति जगदीप धनखड़ ने पहले सर्वदलीय बैठक 18 जुलाई को बुलाई थी, लेकिन एनडीए और विपक्षी पार्टियों की बैठक के चलते इसे टालना पड़ा था।

कांग्रेस सांसद जयराम रमेश ने कहा कि हम मणिपुर मुद्दे पर चर्चा करना चाहते हैं। लोकतांत्रिक तरीकों से चुनी गई राज्य सरकारों पर राज्यपाल और उपराज्यपाल के जरिए होने वाले हमलों पर भी बात होगी। मंहगाई और अडाणी मामले में जॉइंट पार्लियामेंट्री कमेटी को लेकर भी चर्चा होगी।

भाजपा चुनाव प्रबंधन समिति की बैठक अब 22 को, नड्डा शामिल होंगे

भोपाल। 19 जुलाई को होने वाली मध्यप्रदेश भाजपा की चुनाव प्रबंधन समिति की बैठक केंद्रीय नेताओं के दिल्ली में व्यस्त होने के चलते टल गई। अब यह बैठक 22 जुलाई को होगी। इलेक्शन मैनेजमेंट कमेटी की मीटिंग में भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा शामिल होंगे। बैठक में मप्र के चुनाव प्रबंधन समिति के संयोजक नरेंद्र सिंह तोमर, मप्र के चुनाव प्रभारी भूपेंद्र यादव, सह प्रभारी अश्विनी वैष्णव, कैलाश विजयवर्गीय, प्रहलाद पटेल, फग्गन सिंह कुलस्ते सहित सीएम शिवराज सिंह चौहान, प्रदेश अध्यक्ष वीडी शर्मा, संगठन महामंत्री हितानंद शर्मा सहित करीब 13-14 नेता मौजूद रहेंगे।

जदयू का पहला बयान- सूत्रधार कभी नाराज नहीं होते, नाम पर भी आपत्ति नहीं

पटना। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र की भारतीय जनता पार्टी सरकार के खिलाफ अगुआ बने बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार बेंगलुरु में विपक्षी एकता की बैठक से नाराज बताए जा रहे हैं। लेकिन, जनता दल यूनाईटेड के राष्ट्रीय अध्यक्ष राजीव रंजन सिंह उर्फ ललन सिंह के अनुसार यह अफवाह है। एयरपोर्ट पर ललन सिंह ने कहा- नीतीश कुमार विपक्षी एकता के सूत्रधार हैं। सूत्रधार कभी नाराज नहीं होता। यह अफवाह मीडिया द्वारा फैलाई जा रही है।

स्कूल शिक्षा विभाग ने शिक्षकों के तबादलों को लेकर जारी किया नया आदेश

1 से 10 अगस्त तक हो सकेंगे ट्रांसफर

भोपाल। मध्य प्रदेश में स्कूल शिक्षा विभाग ने शिक्षकों के तबादलों को लेकर नया आदेश जारी किया है। इस आदेश के अनुसार अब प्रदेश के शिक्षकों के तबादले एक से 10 अगस्त के बीच हो सकेंगे।

प्राप्त जानकारी के अनुसार नई तबादला नीति में चुनावी साल के दौरान विभागीय मंत्री से अधिकार छीन कर प्रभारी मंत्री को दे दिए गए हैं। इतना ही नहीं नवनियुक्त शिक्षकों के भी अब तबादले हो सकेंगे। स्कूल शिक्षा विभाग के उपसचिव ओ एल मंडलोई ने नवीन स्थांतरण नीति में संशोधन आदेश जारी करते हुए कहा कि अब एक अगस्त से 10 अगस्त के बीच शिक्षकों के तबादले हो सकेंगे। एजुकेशन पोर्टल पर ऑनलाइन खाली रिक्त स्थान की संख्या प्रदर्शित की जाएगी।

सिवनी में बस पलटी, 15 यात्री घायल

सिवनी। संवाददाता। नियम को ताक में रखकर जिले में अनेक अनफिट बसें व क्षमता से अधिक सवारी भरकर बसों का संचालन बदस्तूर जारी है। इस मामले में आरटीओ विभाग व यातायात विभाग भी कार्यवाही के नाम पर मुंह फेर लेता है। सिवनी जिला जहां प्रदेश के मुख्यमंत्री के स्वागत के लिए पलक पावडे बिछा कर तैयार है वही उनके आने के दिन बुधवार को ही बस पलट गई। पलारी से कलारबाकी होते सिवनी आ रही बस बुधवार को सुबह लगभग 10 बजे गांव भाजीपानी के पास अनियंत्रित होकर पलट गई। बस में सवार लगभग 15 यात्रियों को चोटें आई हैं, जिसमें कुछ महिलाएं-पुरुष के सिर व हाथ में चोट पहुंची है।

बंडोल थाना से मिली जानकारी के अनुसार बस में लगभग 20-25 यात्री सवार थे, घायलों को उपचार के लिए जिला अस्पताल भर्ती कराया गया है, जहां उनका उपचार जारी है। घायलों में कलारबाकी निवासी 11 वीं कक्षा की छात्रा निशा यादव पिता सुखलाल यादव जो बंडोल स्कूल जा रही थी उसे भी गहरी चोट आई है। साथ ही अन्य घायलों में मदन सिंह सिंगौर (40) खुर्सीपार, प्रिंस पिता मदन सिंह सिंगोर (12) खुर्सीपार, योगेश (35) खुर्सीपार, रेवती परते पति जगदीश (35) निवासी कांचना सहित अन्य लोग घायल हुए हैं।

चमोली में नमामि गंगे प्रोजेक्ट की साइट पर अचानक करंट फैलने से 17 की मौत

चमोली। उत्तराखंड के चमोली में बुधवार सुबह बड़ा हादसा हुआ है। चमोली बाजार के पास नमामि गंगे प्रोजेक्ट की साइट पर अचानक करंट फैल गया। दर्दनाक हादसे में 17 लोगों की मौत हो गई है। कई लोग बुरी तरह झुलसे हैं। हादसे में पीपलकोटी चौकी प्रभारी प्रदीप रावत और होमगार्ड मुकंदीलाल भी शामिल हैं। चमोली आपदा प्रबंधन अधिकारी नंद किशोर जोशी ने बताया कि अब तक 16 लोगों की मौत की पुष्टि हो चुकी है। वहीं सात लोग झुलसे हैं। हादसे में मरने वालों की संख्या में इजाफा हो सकता है।

चमोली के ऊर्जा निगम के अधिशासी अभियंता अमित सक्सेना ने बताया कि बीती रात को बिजली का तीसरा फेस डाउन हो गया था। बुधवार को सुबह तीसरे फेज को जोड़ा गया, जिसके बाद सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट परिसर में करंट दौड़ गया। ट्रांसफार्मर से लेकर मीटर तक कहीं एलटी और एसटी के तार नहीं टूटे हैं, मीटर के बाद तारों में करंट दौड़ा है।

जम्मू-कश्मीर में लैंडस्लाइड, बाढ़ से 8 लोगों की मौत

इधर जम्मू-कश्मीर के कठुआ जिले में बुधवार को बाढ़ और लैंडस्लाइड के कारण आठ लोगों की मौत हो गई। वहीं महाराष्ट्र में सुबह से तेज बारिश हो रही है। महाराष्ट के रत्नागिरी में

चिपलून के कुंभार्ली घाट में चट्टान खिसक गई। कुछ मार्केट में पानी भर गया। वहीं सातारा में पहाड टूटकर गिरा है। मौसम विभाग ने पालघर और रायगढ़ में रेड अलर्ट जारी किया। वहीं ठाणे, मुंबई और रत्नागिरी में ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है। देश में मानसून को 50 दिन पूरे हो चुके हैं। 1 जून से 18 जुलाई तक 321.8 मिमी बारिश हुई, जबकि औसत 323.1 मिमी है। हालांकि, जिन दक्षिणी राज्यों से मानसून ने एंट्री ली, वहां बारिश का आंकड़ा सबसे कम है।

नवजीवन सेवा समिति की स्पर्श भवन में दिव्यांग बच्चों का जन्मदिन मनाने की अनूठी पहल

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

शासकीय मूक- बधिर एवं दृष्टिबाधित आवासीय विद्यालय स्पर्श भवन में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं दिव्यांग बच्चों का जन्मदिन प्रत्येक 15 दिन में मनाने की अनूठी पहल नवजीवन सेवा समिति ने प्रारंभ की समिति अध्यक्ष सत्येंद्र अग्रवाल ने बताया कि विगत 1 वर्ष से अधिक समय से स्पर्श भवन में दिव्यांग बच्चों को आवश्यक सामग्री का वितरण किया जा रहा है इसी कड़ी में अब प्रत्येक 15 दिन में जिन बच्चों का जन्मदिन है उन बच्चों का सामूहिक जन्मदिन एक साथ मनाने की अनूठी पहल आज से प्रारंभ की समिति प्रवक्ता भगवान दास ढालिया ने बताया की बच्चों को केक काटकर जन्मदिन गीत गाकर इसके साथ ही मनोरंजक खेल खिलाकर और उपहार बांटकर दिव्यांग बच्चों का जन्मदिन नवजीवन सेवा समिति की विनीता दिवाकर, झलक अग्रवाल ,ऋषिका दिवाकर , मणि सुभाष जैन, उत्कर्ष अग्रवाल , आदि कार्यकर्ता उपस्थित थे।

रामानंद संगीत महाविद्यालय में मनाया हरियाली तीज पर्व

संत हिरदाराम नगर। लालघाटी स्थित रामानंद संगीत महाविद्यालय में हरियाली तीज पर्व मनाया गया। महिलाओं ने पति की लंबी आयु और युवतियों ने अच्छे वर की प्राप्ति के लिए देवों के देव महादेव और माता पार्वती की पूजा अर्चना की। योग्यता शर्मा ने बताया कि हर वर्ष सावन मास के शुक्ल पक्ष की तृतीया तिथि को हरियाली तीज मनाई जाती है। इस प्रकार इस साल 19 अगस्त यानी आज हरियाली तीज का पर्व मनाया जाएगा। इस दिन देवों के देव महादेव और माता पार्वती की पूजा-अर्चना की जाएगी। रामानंद संगीत महाविद्यालय में एक दिन पहले पूजन कार्यक्रम आयोजित किया गया। जहां पर बड़ी संख्या में महिलाओं ने पहुंचकर पूजा अर्चना की। महिलाओं

महिलाओं और युवतियों ने की शिव-पार्वती की पूजा

ने बताया कि भगवान शिव और माता पार्वती के निमित्त व्रत उपवास भी रखा गया। हरियाली तीज का व्रत विवाहित महिलाएं और अविवाहित लड़कियां करती हैं। धार्मिक मान्यता है कि हरियाली तीज का व्रत करने से विवाहित महिलाओं को सुख और सौभाग्य की प्राप्ति होती है। साथ ही पति की आयु लंबी होती है। वहीं, अविवाहित लड़कियों की शीघ्र शादी के योग बनते हैं।

लायंस क्लब भोपाल मजेस्टिक के पद की शपथ ली

भोपाल । लायंस क्लब भोपाल मजेस्टिक का पद ग्रहण समारोह अरेरा क्लब मे सम्पन्न हुआ इस वर्ष लायन अलका त्रिपाठी क्लब अध्यक्ष, सचिव लायन रचना चौबे, कोषाध्यक्ष लायन संध्या शर्मा ने अपने पद की शपथ ली, कार्यक्रम के मुख्य अतिथि एवं विधि अधिकारी लायन मनीष शाह सभी को अपने पद की शपथ दिलाई, पास्ट डिस्टिक गवर्नर लायन डॉ प्रकाश सेठ ने नये सदस्यों को शपथ दिलाई, सभी ने समाज सेवा की शपथ ली, क्लब की सबसे वरिष्ठ सदस्य लायन रीता दलेला ने बताया कि यह क्लब शिक्षा स्वास्थ्य बाल विकास महिला सशक्तिकरण एवं घर पर सेवा कार्य करता है इस अवसर पर लायन रंजना देशमुख ने ?25000 निशुल्क भोजन के लिए प्रदान किए, इस अवसर पर माइंड डॉक्टर चौरसिया लाइन एमके जैन.लायन रवि सक्सेना नाइन कमल भंडारी व क्लब के कई सदस्य उपस्थित थे।

संत हिरदाराम कन्या महाविद्यालय में निबंध प्रतियोगिता एवं बुक डोनेशन ड्राईव का आयोजन

संत हिरदाराम नगर। संत हिरदाराम कन्या महाविद्यालय के भाषा विभाग द्वारा केन्द्रीय पुस्तकालय एवं राष्ट्रीय सेवा योजना के संयुक्त तत्वावधान में निबंध प्रतियोगिता एवं बुक डोनेशन ड्राईव का आयोजन किया गया। केरल सरकार एवं पी.एन. पणिकर फाउण्डेशन द्वारा उच्च शिक्षा संस्थानों में रीडिंग स्किल्स के प्रति जागरूकता लाने हेतु रीडिंग डे-मंथ के अंतर्गत विभिन्न प्रेरणादायक गतिविधियों के आयोजन का सुझाव दिया गया था। महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. डालिमा पारवानी ने कहा कि केरल में लाईब्रेरी मूवमेंट के जनक कहे जाने वाले स्वर्गीय पी.एन. पणिकर के सम्मान में प्रतिवर्ष 19 जून से 18 जुलाई तक रीडिंग मंथ मनाया जाता है। इसी क्रम में विद्यार्थियों में एकाग्रता एवं विचारों की सृजनशीलता को बढ़ावा देने के लिए यह गतिविधियां आयोजित की जा रहीं हैं। इस निबंध प्रतियोगिता का विषय रीडिंग एंड डेवेलपमेंट था, जिसमें हीबा मरियम ने प्रथम, श्रेया चोपड़ा ने द्वितीय, कशिश सोनी ने तृतीय एवं कृतिका पंजवानी ने सांत्वना पुरस्कार प्राप्त किया। इस कार्यक्रम में बुक डोनेशन ड्राइव के अंतर्गत महाविद्यालयीन सदस्यों द्वारा विभिन्न उपयोगी पुस्तकों का दान दिया गया, जिसे रासेयो इकाई के सहयोग से जरूरतमंदों को प्रदान किया जाएगा।

संस्कार विद्यालय में बच्चों के लिए स्वास्थ्य जाँच शिविर का आयोजन

संत हिरदाराम नगर। दीपमाला पागारानी संस्कार पब्लिक स्कूल में स्वास्थ्य जाँच शिविर का आयोजन का शुभारंभ किया गया। जिसमें सेवा सदन चिकित्सालय, संत हिरदाराम नगर के चिकित्सक डॉ. कोमल दासवानी, डॉ. रोशनी ज्ञानचन्दानी, डॉ. अजय सिंह, डॉ. राजू चक्रधारी एवं हेल्पर पुष्पा चन्दानी ने सेवाएं प्रदान की। जिनके द्वारा विद्यालय में अध्ययनरत लगभग 1800 विद्यार्थियों का चेकअप किया जाएगा और बच्चों को डॉ. द्वारा शरीर को स्वस्थ रखने के लिये क्या करना चाहिए, इसकी जानकारी दी जाएगी। विद्यालय प्रबंधन द्वारा सेवा सदन चिकित्सालय के ट्रस्टी लोकचन्द जनयानी का आभार प्रकट किया गया। इस अवसर पर संस्था के अध्यक्ष सुशील वासवानी ने आए हुए डाक्टरों को संबोधित करते हुए कहा कि डाक्टरों का पेशा वैसे ही एक सेवा है और आप यहाँ पर पूर्ण रूप से सेवा की भावना से आए हैं। संस्था के सचिव बसंत चेलानी ने कहा कि विद्यालय में हमेशा ही विद्यार्थियों के अच्छे स्वास्थ्य के लिए समय-समय पर ऐसे शिविरों का आयोजन किया जाता है क्योंकि स्वस्थ तन में ही स्वस्थ दिमाग का विकास होता है।

चालीहा साहब मंदिर में चंद्र दर्शन पर विशेष आरती का आयोजन होगा

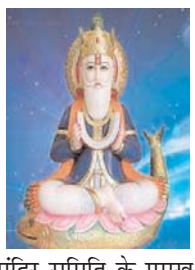

संत हिरदाराम नगर। झूलेलाल चालीहा मंदिर समिति संत हिरदाराम नगर द्वारा न्यू बी 10 स्थित मन्दिर में 19 जुलाई को चंद्र दर्शन के शुभ दिन पर रात 7:30 बजे विशेष आरती, भजन, पल्लव, सिंधियत के डांडिया नृत्य का आयोजन किया गया है। जिसमें भाजपा के प्रदेश महामंत्री भगवानदास सबनानी मुख्य अतिथि रहेंगे। मंदिर समिति के प्रमुख साबुमल रिझवानी ने बताया कि सिंधी समाज के इतिहास में चन्द्रदर्शन का विशेष महत्व होता हैं इस दिन सिंध में विशेष जल देवता की पूजा की जाती हैं मिठास के लिए तहिरी मीठे चांवल बनाए जाते है और इस दिन शाम के समय परिवार के सदस्य बड़ों के पैर छूकर आशीर्वाद लेते हैं। भगवानदास सबनानी इस पर प्रेरणादायी उद्बोधन देंगे ताकि परंपरा बनी रहे।

बालिका छात्रावास की अधीक्षिका पर सहायिका ने लगाए प्रताड़ित कर बर्खास्त करने के आरोप

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

राजगढ़ के भा.ज.पा. जिला अध्यक्ष ज्ञान सिंह गुर्जर के संरक्षण में कार्य कर रही जीरूपुर बालिका छात्रावास की वार्डन कल्पना गुर्जर मुझे पिछले 3 वर्ष से मानसिक रूप से प्रताड़ित कर रही हैं। मेरे खिलाफ भाजपा जिला अध्यक्ष के कहने पर तानाशाही रवैया अपनाकर निर्णय ले रही हैं। असंवैधानिक कार्यवाही कर रही है, जिसकी शिकायत मैंने कलेक्टर राजगढ़ एवं आयुक्त शिक्षा विभाग से करी तो मुझे बिना गलती के अकारण नोटिस थमा दिया और बिना सुनवाई करे ही 30/6/2023 को कार्यमुक्त कर दिया और 5 दिन बाद ही मेरी जगह दूसरे को सहायिका के रूप में नौकरी में रखने की विज्ञप्ति भी जारी कर दी है। पूरे प्रकरण की जांच की मांग एवं पुन: सेवा में रखने की मांग मैंने प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान, शिक्षा मंत्री, आयुक्त लोक शिक्षण एवं संचालक राज्य शिक्षा केंद्र से की है। बालिका छात्रावास जीरापुर जिला राजगढ़ की पूर्व सहायिका निर्मला खींची ने जारी प्रेस विज्ञप्ति में बताया है कि मुख्यमंत्री प्रदेश में लाडली बहना बना रहे हैं और भाजपा के ही जिला अध्यक्ष राजगढ़ लाडली बहन को प्रताड़ित कर रहे हैं। राजगढ़ भाजपा पार्टी के जिला अध्यक्ष ज्ञान सिंह गुर्जर और उनकी सहयोगी बालिका छात्रावास की वार्डन कल्पना गुर्जर सांठगांठ करके योजनाबद्ध तरीके से मुझे अत्यधिक रूप से मानसिक प्रताड़ित कर रहे हैं। मुझे नौकरी नहीं करने दे रहे हैं जिस की गुहार मैंने जिला राजगढ़ के अधिकारियों से लगाई है तो मेरी नौकरी भी भाजपा जिला अध्यक्ष राजगढ़ के संरक्षण में कल्पना गुर्जर ने समाप्त कर दी है। जबकि बालिका छात्रावास जीरापुर की वार्डन कल्पना गुर्जर खुद नियमों के विपरीत 3 वर्ष से ज्यादा अवधि से कार्यरत हैं । जबकि शिक्षा विभाग के नियमानुसार एवं महिला आयोग की अनुशंसाओं के अनुरूप कोई भी बालिका छात्रावास की वार्डन 3 वर्ष से ज्यादा समय छात्रावास में पदस्थ नहीं रह सकती हैं। मैं भाजपा जिला अध्यक्ष की शिकायत भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष प्रदेश प्रभारी और संगठन महामंत्री से करूंगी क्योंकि मैं एक परित्याग महिला हूँ, मेरे छोटे छोटे बच्चे हैं। मैं काफी परेशान हो चुकी हूँ।

संविदा की तरह हिंदी विश्वविद्यालय का स्टाफ भी हो स्थाई : प्रज्ञा ठाकुर

भोपाल। अटल बिहारी वाजपेई हिंदी विश्वविद्यालय मैं स्थापना से कार्यरत अतिथि शिक्षक और कर्मचारी को स्थाई किया जाए। यह घोषणा तत्कालीन गवर्नर स्वर्गीय लालजी टंडन ने हिंदी समारोह के दौरान की थी। राज्यपाल की घोषणा के आधार पर हिंदी विश्वविद्यालय के कर्मचारियों ने भोपाल सांसद साध्वी प्रज्ञा सिंह ठाकुर को ज्ञापन सौंपा जिसमें प्रदेश के मुख्यमंत्री द्वारा संविदा कर्मचारियों के लिए स्थायीकरण की नीति लाने का उल्लेख करते हुए विश्वविद्यालय के कर्मचारियों के स्थायीकरण की मांग की। सांसद साध्वी ने भी कर्मचारियों की समस्याओं और उनकी मांग को देखते हुए मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान को पत्र लिखकर अटल बिहारी वाजपेई हिंदी विश्वविद्यालय में स्थापना से कार्यरत अतिथि विद्वान और निश्चित वेतनमान कर्मचारियों को स्थायीकरण नीति का लाभ देने के लिए पत्र लिखा है।

सहायक ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारी एवं कृषि सेवा विस्तार अधिकारी संवाद सम्मेलन आयोजित

भोपाल। राजधानी में सहायक ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारी एवं कृषि सेवा विस्तार अधिकारी समाज सम्मेलन एवं सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। इस समारोह में मुख्य अतिथि कृषि मंत्री कमल पटेल ने कहा कि अधिकारी कृषि अधिकारियों एवं कर्मचारियों की मेहनत का परिणाम ही रहा कि आज प्रदेश कृषि के क्षेत्र में पूरे देश में नंबर एक है सहायक कृषि ग्रामीण सेवा विस्तार अधिकारी संघ के अध्यक्ष मनोहर गिरी ने बताया कि मंत्री कमल पटेल द्वारा सभी मांगों पर विचार कर पूरा करने का आश्वासन दिया।

एलएनसीटी ग्रुप के पंकज कुमार जैन को बीएसएफआई का सीनियर संयुक्त सचिव चुना

भोपाल। बेसबॉल सॉफ्ट बॉल फेडरेशन ऑफ इंडिया के चुनाव रोहतक हरियाणा में संपन्न हुए जिसमें एलएनसीटी विश्वविद्यालय के खेल निदेशक पंकज कुमार जैन को फेडरेशन का सीनियर ज्वाइंट सेक्रेट्री चुना गया वही प्रदेश के सचिव सत्येंद्र सिंह सिवाच को एग्जीक्यूटिव कमेटी का सदस्य चुना गया है। उक्त चुनाव अप्सरा होटल के सभागार में आयोजित असाधारण आम सभा की बैठक में संपन्न हुआ। जिसमें देशभर के 25 प्रदेशों से आए पदाधिकारियों ने भाग लिया। नवनिर्वाचित पदाधिकारियों की घोषणा करते हुए सुप्रीम कोर्ट के अधिवक्ता एसएस सांगवान ने बताया कि डॉक्टर जोगिंदर सिंह को निर्विरोध राष्ट्रीय अध्यक्ष चुना गया है इसके अतिरिक्त राजस्थान के डॉ अनूप अस्थाना को वरिष्ठ उपाध्यक्ष चुना गया जबकि हिमाचल प्रदेश के मनोज कोहली को महासचिव बनाया गया।

बैतूल में जोनस्तरीय निरंकारी इंग्लिश मीडियम सत्संग संपन्न

भोपाल। सतगुरु माता सुदीक्षा जी महाराज के आशीर्वाद एवं जोनल इंचार्ज आदरणीय अशोक जुनेजा जी के मार्गदर्शन में ब्रांच बेतूल मैं विशाल निरंकारी जोनस्तरीय इंग्लिश मीडियम सन्त समागम रीवा से पधारी आदरणीय युवा संत बहन नेहा नागवानी जी की पावन हुजूरी में संपन्न हुआ बहन जी ने अंग्रेजी भाषा का सहारा लेते हुए सतगुरु का संदेश देते हुए कहा कि शुकराना सतगुरु का जो हम इस सत्य निराकार परमपिता परमात्मा से जुड़े हुए हैं और जिन्होंने भी इस सच का संग किया है उनके जीवन में खुशियां एवं आनंद की अवस्था सतगुरु की कृपा से बनी हुई है भाषा कोई भी हो लेकिन प्यार वाली भाषा सर्वोत्तम भाषा होती है हम जब सत्संग का सहारा लेते हैं तो हमारे जीवन में वह प्यार,प्रीत,नम्रता, भाईचारे वाले गुण अपने आप आ जाता है बहन के प्रवचन काफी प्रभावशाली थे जिन्होंने भी श्रवण किये उन्होंने अपने जीवन मे उतारने का संकल्प लिया। सत्संग की शुरुआत अवतारवाणी गायन से हुई, बच्चो एवम युवाओ द्वारा गीत कविता,डांस, स्किट आदि द्वारा आध्यात्मिक प्रस्तुतिया प्रस्तुत दी। इस सन्त समागम का सुंदर संचालन बहन जिया,मेघा,प्रिंसी एवम जिया जी द्वारा किया गया। इस सन्त समागम(सत्संग) में बेतूल के अलावा भोपाल, बैरागढ़,गांधीनगर बागसेवनिया इटारसी,आमला, सुल्तानपुर,ब्यावरा, एवं अन्य जोन 24 ए के अंतर्गत आने वाली ब्रांचों से सैकड़ों श्रद्धालुगणो ने इस सत्संग का आनंद प्राप्त किया।

नीरज की पाती पढ़ कर अनेक नौजवानों के नाम आज नीरज हैं

नीरज जी के जन्म दिन पर विशेष

कुर्सी पर बैठे तीन महारथी पद्म भूषण गोपाल दास नीरज , कन्हैया लाल नंदन पद्मश्री और दादा उदय प्रताप सिंह उदयप्रताप ।

नीरज दादा (गीतकार गोपालदास नीरज) से मेरे बेहद अनन्य, अन्तरंग, स्नेहिल सम्बन्ध रहे हैं। ये सम्बन्ध प्राय: अनेक स्तर पर रहे। बचपन में उनको सुनते हुए मैं बड़ा हुआ मेरे जैसे असंख्य नौजवान एक शाम नीरज के नाम सुनकर बड़े हुए होंगे। यहाँ तक की नीरज की पाती पढ़ कर अनेक नौजवानों के नाम आज नीरज हैं फिर एक दौर ऐसा आया जब दिल्ली के प्रख्यात उद्योगपति और संगीतविद् विनय भरतराम द्वारा आयोजित दिल्ली और देश के सबसे प्रसिद्ध अखिल भारतीय श्रीराम कवि सम्मेलन में उनके साथ कविता-पाठ करने का सौभाग्य मिला, 1980-90, 1990 से 2000 के दशक में, फिर एक अद्भूत ही सौभाग्य मिला जिसे मुझे भी विनयावनत हो कर स्वीकारना ही पड़ा। विनय भरतराम जी के आग्रह पर एवं पद्मभूषण सुश्री उमा शर्मा के विशेष आग्रह पर इसी अखिल भारतीय श्रीराम कवि सम्मेलन के 34वें कवि सम्मेलन से मुझे इसकी अध्यक्षता का भी सौभाग्य मिलने लगा मगर नीरज दादा से मेरा सम्बन्ध ऐसा था कि वे मुझ नौजवान की अध्यक्षता में भी कभी असहज नहीं होते थे, वो ज़्यादा दिलचस्प था। वो मंच के पीछे वाला प्रसंग था, वो यह था, प्राय: लोग समझते हैं कि वे मंच के पीछे कवि-गण मदिरा-पान करने जाते थे, हाँ, यह भी सच है पर उससे ज़्यादा मंच के पीछे बैठ कर वे मेरे साथ बैठकर ज्योतिष-चर्चा करने में आनंद लेते थे। यह भी सच है। बहुत कम लोग जानते हैं कि नीरज जी एक बहुत अच्छे भविष्य दृष्टा भी थे। अपने जीवन के उत्तरार्ध में उन्होंने 2-3 ज्योतिष संग्रह तो ज्योतिष, मुहूर्त, नक्षत्रों पर ही दोहों में रच डाले!, नक्षत्रों की गति का उनको बेहद सूक्ष्म अध्ययन था। मृत्यु से उन्हें बेहद मोह था, वे अक्सर मुझे अपनी कुण्डली दिखाकर पूछते थे- राजा!

मेरी मृत्यु कब होगी? मुझे मोक्ष कब मिलेगा मैं अक्सर उन्हें एक ही जवाब देता था कि दादा, आपको इच्छा मृत्यु का योग है, जब चाहोगे तब ही होगी! उन्हें भी इस बात का आत्म-ज्ञान था। एक और दिलचस्प जानकारी देदूं! उनकी जन्म कुंडली श्री अटल बिहारी वाजपेयी जी से बहुत मिलती थी। वह अक्सर कहते भी थे कि अगर अटल जी ने राजनीति में एक मिसाल कायम की है, मैं साहित्य में एक मिसाल बन कर जाऊंगा। जो बड़ी बात है वह, यह है, उन्होंने मुझसे स्पष्ट तौर पर कहा- देख लेना राजा! अटल बिहारी वाजपेयी और मुझमे एक अद्भूत साम्य है, अगर मैं पहले गया तो तीस दिन के अन्दर अटल जी भी चले जायेंगे और अगर अटल जी पहले गए तो तीस दिन के अन्दर मैं भी चला जाऊंगा, और ठीक वैसा ही हुआ। दोनों की मृत्यु में लगभग तीस दिन का ही अंतराल रहा।

नीरज की सबसे बड़ी विडम्बना यह रही उन्हें लोग सिर्फ श्रृंगार का कवि समझते थे जबकी वे मानते थे कवि वे दर्शन के और आध्यात्मिक के कवि थे । उनके अन्दर तुलसी और कबीर दोनों थे । सन् 1941 से उन्होंने लिखना शुरू किया था । शुरू-शुरू में उन्होंने गीत लिखे, मुक्तक लिखे, गज़ल लिखी पर जीवन के उत्तरार्ध में आते-आते अन्त में उन्होंने ज्योतिष विज्ञान का दोहों में खूब अनुवाद किया। मुझे अच्छी तरह याद है एक समारोह में उन्होंने आमंत्रण-पत्र पर ही अपनी जन्म-कुण्डली बना कर (इस समय बहुत खोजने पर यह लिफ़ाफा मेरे संग्रहालय में मिल नहीं रहा कभी-कभी, कोई चीज बहुत सहेज कर रखने पर भी समय पर मिलती नहीं है) उसमें एक दोहा लिखा था जहां तक मुझे याद पड़ता है जिसका आशय करीब-करीब यह था-

'हमसे कोई पूछे क्या है ज्योतिष विज्ञान ? आरम्भ में धर्म है, अध्यात्म है, अन्त में विज्ञान !'

ऐसा कुछ स्पष्ट दोहा था वे खुद को सधुक्कड़ी, फ़कीरी, परवेशी परम्परा का नजुमी (ज्योतिषी) मानते थे। मुझसे उन्होने कहा था मेरे पूज्य पिताजी ''पद्मभूषण'' पंडित सूर्य नारायण व्यास और पंडित ईला चन्द्र जोशी से उनको ज्योतिष की प्रेरणा मिली थी। वे कहते भी थे मैं तन से रोगी, मन से वियोगी और आत्मा से योगी हूं।

वे बहुत बड़े दार्शनिक, ऋषि परम्परा के मंत्र दृष्टा कवि थे, अंग्रेज़ी के प्रोफेसर थे, अंग्रेज़ी के कारण पाश्चात्य दर्शन भी खूब पढ़ा, तो संस्कारों में संस्कृत-हिंदी, बंगला, गुजराती भी रची-बसी थी। स्वभावत: फक्कड़ थे, अन्दर से कबीर, बाहर से- सूर तुलसी- मन बच्चों की तरह निर्मल था और भावुक भी, उनकी साधारण से साधारण कविता में भी, यहां तक की फिल्मी गीतों में भी दर्शन बिखरा पड़ा है- एक गीत ऐसा ही बेहद सतही सा लगता है। चूड़ी नहीं मेरा दिल, देखो-देखो टूटे ना, लगता है, क्या चालू गीत है? पर अगली पंक्ति देखें, 'मेरा प्यार है चूड़ी जैसा जिसका और न छौर' प्यार कहाँ से शुरू हुआ- कहाँ खत्म कौन बता सकता है? -में बसाना चाहता हूँ स्वर्ग धरती पर आदमी जिसमें रहे बस। आदमी बन कर। देश की ज्वलन्त समस्या हो राजनीति, धर्म, मजहब किसी पर भी कटाक्ष करने में वे चूकते नहीं थे। अब तो मज़हब कोई ऐसा चलाया जाए जिसमें इन्सान को इन्सान बनाया जाये' पंजाब समस्या जब अपने चरम पर थी तो 'नीरज' ने मंच से सारे देश में सुनाया था-जब भी इस शहर में बाहर निकला

मेरे स्वागत को हर द्वार से

एक खंजर निकला, तितलिओं फूलों का लगता था जहाँ मेला प्यार का मेरा वो घर बारूद का दफ्तर निकला

एक भविष्य दृष्टा कवि जिसे प्राय: हिन्दी की मुख्य-धारा के कोर्स- बुकीय 'कवि अपने व्हीस्की के ग्लास में बर्फ़ डालते हुए यह कहकर नकार देते है- अरे वे तो मंचीय कवि थे'।

जिन्हें खुद अपनी कविता याद नहीं जो अपनी डायरी देख कर कविता याद नहीं कह कर सुनाते है, वे कवि कभी कल्पना भी कर पायेंगे की 'नीरज' को अपनी सारी कविताऐं कण्ठस्थ थी, इसलिये वे और उनकी कविता आज भी और आगे भी लाखों लोगों के दिलों में रची-बसी रहेगी-इतने बदनाम हुए हम तो जमाने में सदियों लग जायेगी आपको हमें भूलाने में।

राजशेखर व्यास

राजस्व विभाग की उपलब्धि पर कैबिनेट में मुख्यमंत्री ने की राजस्व मंत्री की तारीफ

लैंड रिकॉर्ड मॉर्डनाइजेशन प्रोग्राम में बेस्ट परफॉर्मेंस के लिए सम्मानित हुए प्रदेश के 15 जिलों के कलेक्टरों और राजस्व अमले को राजपूत ने दी बधाई

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

राष्ट्रपति द्रौपदी मुरमू द्वारा मध्यप्रदेश के 15 जिलों के कलेक्टरों को डिजिटल इंडिया लैंड रिकॉर्ड मॉर्डनाइजेशन प्रोग्राम में बेस्ट परफॉर्मेंस के लिए सम्मानित किए जाने पर मंगलवार को संपन्न हुई राज्य कैबिनेट की बैठक में प्रदेश के मुखिया शिवराज सिंह चौहान ने राजस्व एवं परिवहन मंत्री गोविंद सिंह राजपूत को बधाई देते हुए उनके कार्यकाल में मिली इस उपलब्धि के लिए उनकी तारीफ की। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह राजस्व विभाग के अफसरों मैदानी अमले और राजस्व मंत्री की देखरेख में किए गए कार्यों का परिणाम है । इस उपलब्धि पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए प्रदेश के राजस्व एवं परिवहन मंत्री गोविंद सिंह राजपूत ने कहा कि 15 जिले के कलेक्टर का सम्मानित होना मध्यप्रदेश के राजस्व विभाग के लिए बड़ी उपलब्धि है । अभी तक राजस्व प्रकरणों के निराकरण तथा मॉर्डनाइजेशन प्रोग्राम में बेहतर कार्य के लिए इतनी बड़ी संख्या में सम्मानित होने वाले राजस्व विभाग के अफसरों को बधाई देते हुए राजस्व मंत्री श्री राजपूत ने कहा कि मेरे द्वारा विभाग में किए गए नवाचार और अफसरों की सतत लगनशीलता और मेहनत का परिणाम है कि हमारे प्रदेश के 15 जिलों को राष्ट्रपति महोदय ने राष्ट्रीय स्तर पर सम्मानित किया है। श्री राजपूत ने हरदा, खरगोन, अलीराजपुर, गुना, आगर-मालवा, उमरिया, नीमच, टीकमगढ़, उज्जैन, इंदौर, विदिशा, सिंगरौली, सीधी, भोपाल और अनूपपुर जिलों के कलेक्टरों को बधाई देते हुए अपेक्षा जताई है कि आने वाले समय में भी राजस्व प्रकरणों को लेकर इसी तरह से अपनी सजगता दिखाएंगे और जनता से जुड़े कार्यों को संपादित करने में सरकार का सहयोग प्रदान करेंगे । श्री राजपूत ने कहा कि राजस्व विभाग में स्वामित्व योजना को लेकर भी मध्यप्रदेश देश में टॉप पर है । उन्होंने कहा कि सीमांकन हेतु कोर्स नेटवर्क की स्थापना, पटवारियों को ई-बस्ता हेतु उन्नत किस्म के लैपटॉप प्रदान किये गए, सभी पुराने भू-अभिलेखों का कंप्यूटरीकरण करने, रिवेन्यू केस मैनेजमेंट सिस्टम (आरसीएमएस) का निर्माण, भूमि डायवर्सन की योजना, सायबर तहसील, सारा मोबाइल एप्प जैसे नवाचार से राजस्व विभाग में कागजी खानापूर्ति कम हुई है तथा कार्यों को लेकर प्रदेश की जनता की राह आसान हो गई है ।

यूपीए की एक पांव की सरकार थी, नाम बदलने से कुछ नहीं होता: राजस्व एवं परिवहन मंत्री गोविंद सिंह राजपूत ने मंगलवार को विपक्षी दलों के गठबंधन पर सियासी निशाना साधा। भोपाल स्थित आवास पर मीडिया से बातचीत में उन्होंने कहा, पुरानी कहावत है कि कहीं का ईंट और कहीं का रोड़ा, भानुमति ने लहंगा जोड़ा।% नाम बदलने से कुछ नहीं होता है।

राजपूत ने कहा कि ये पहले यूपीए की सरकार थी। तब 2जी, 3जी, 4जी जैसे अनेक घोटाले हुए। 10 वर्ष एक पांव की सरकार चली। अब एनडीए के सामने इनका मुकाबला है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में आज एनडीए की सरकार बेहतर ढंग से चल रही है। आज तक इस सरकार पर कोई दाग नहीं है। विपक्ष के इस प्रकार के गठबंधनों से कुछ होने वाला नहीं है। 2024 में फिर पूर्ण बहुमत से सरकार बनेगी।

चिकित्सा शिक्षा मंत्री सारंग ने सभी सरकारी मेडिकल कॉलेजों के हिंदी प्रकोष्ठ सदस्यों से किया वर्चुअल संवाद

मेडिकल की पुस्तकों का हिंदी लिप्यंतरण समय-सीमा में करने के निर्देश

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान की मंशानुरूप चिकित्सा शिक्षा विभाग मध्यप्रदेश द्वारा रिकॉर्ड समय में एमबीबीएस प्रथम वर्ष की पुस्तकों का हिंदी में लिप्यंतरण का कार्य किया है। देश में पहली बार हिंदी में मेडिकल की पढ़ाई प्रारंभ कर मध्यप्रदेश ने इतिहास रचा है। चिकित्सा शिक्षा मंत्री श्री विश्वास कैलाश सारंग मंगलवार को मंत्रालय में सभी शासकीय मेडिकल कॉलेजों के चिकित्सा हिंदी प्रकोष्ठ के सदस्यों से वर्चुअल संवाद कर रहे थे। संवाद के दौरान मंत्री श्री सारंग ने हिंदी में एमबीबीएस द्वितीय, तृतीय एवं चतुर्थ वर्ष की मेडिकल पुस्तकों के लिप्यंतरण के कार्य को तय समय-सीमा में पूर्ण करने के लिये निर्देशित किया। उन्होंने सभी से मिशन मोड पर कार्य करते हुए आगामी सितंबर माह तक प्रक्रिया पूर्ण करने पर विशेष जोर दिया। वर्चुअल संवाद के दौरान आयुक्त चिकित्सा शिक्षा श्री गोपाल चंद्र डाड, संचालक चिकित्सा शिक्षा डॉ. अरूण कुमार श्रीवास्तव, सभी 13 शासकीय मेडिकल कॉलेजों के डीन, स्टेट नोडल अधिकारी हिंदी प्रकोष्ठ डॉ. लोकेंद्र दवे, हिंदी प्रकोष्ठ के सदस्य एवं लिप्यांतरण करने वाले 200 से अधिक चिकित्सा शिक्षक उपस्थित थे।

हिंदी में मेडिकल की पढ़ाई एक क्रांतिकारी कदम: मंत्री श्री सारंग ने कहा कि देहरादून में आयोजित स्वास्थ्य चिंतन शिविर में देश के सभी राज्यों एवं केंद्र शासित प्रदेशों ने मध्यप्रदेश द्वारा देश में पहली बार हिंदी में मेडिकल की पढ़ाई प्रारंभ करने की सराहना की। उन्होंने कहा कि हिंदी में मेडिकल की पढ़ाई एक क्रांतिकारी कदम हैं। आजादी के 75 वर्षों तक मातृभाषा में पढ़ाई को लेकर केवल विचार किया जाता रहा, लेकिन यह पहली बार है कि मध्यप्रदेश ने इस असंभव दिखने वाले कार्य को संभव कर दिखाया। भविष्य में इसके दूरगामी परिणाम देखने को मिलेंगे।

हर 10 दिन में सारंग करेंगे कार्य प्रगति की समीक्षा: मंत्री श्री सारंग ने बताया कि लिप्यंतरण करने वाली टीम को सॉफ्टवेयर आधारित एआई के माध्यम से तैयार तकनीकी शब्दों का शब्दकोष उपलब्ध कराया जायेगा, जिससे लिप्यंतरण कार्य की सहूलियत होगी। सभी 12 विषयों के लिये चिन्हित टीम में ट्रांसलिट्रेशन के लिये चैप्टर आवंटित किये जायेंगे, जिसकी कार्य प्रगति को डेशबोर्ड पर दर्ज किया जायेगा। उन्होंने संचालक को हर 3 दिन में एवं आयुक्त को हर 7 दिन में इसकी समीक्षा करने के निर्देश दिये। वहीं मंत्री श्री सारंग हर 10 दिन में कार्य प्रगति की समीक्षा करेंगे।

सितंबर तक की टाइमलाइन की तय: एमबीबीएस द्वितीय, तृतीय एवं चतुर्थ वर्ष की मेडिकल पुस्तकों के हिंदी लिप्यंतरण के लिये सितंबर माह तक की टाइमलाइन तैयार की गई है। प्रत्येक 13 मेडिकल कॉलेजों में हिंदी चिकित्सा प्रकोष्ठ को सॉफ्टवेयर आधारित एआई के उपयोग के लिये विशेष प्रशिक्षण दिया जायेगा। सत्यापित शब्दावली को सॉफ्टवेयर में समाहित कर पुस्तकों के एआई द्वारा हिंदी रूपांतरण किया जायेगा। संपूर्ण प्रक्रिया के दौरान प्रथम सत्यापन संबंधित विभागाध्यक्षों द्वारा किया जायेगा। विषय नोडल अधिकारी द्वारा निर्धारित टीम द्वितीय सत्यापन का कार्य करेगी। वहीं अंत में पाठ्य-पुस्तकों के डिजीटल प्रिंट की प्रूफ रीडिंग के पश्चात सभी शेष वर्षों की

भोपाल। प्रसिद्ध कथाकार निलिम्प त्रिपाठी को छत्तीसगढ़ में छत्तीसगढ़ सरकार की ओर से राष्ट्रीय महर्षि वेद व्यास सम्मान से सम्मानित किया गया।

8 नए महाविद्यालयों की स्थापना , 2 महाविद्यालयों में नवीन संकाय

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

उच्च शिक्षा मंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति की नई संरचना के तहत प्रदेश में 8 नवीन शासकीय महाविद्यालयों की स्थापना, पूर्व में संचालित 2 शासकीय महाविद्यालयों में स्नातक स्तर पर नवीन संकाय प्रारंभ करने तथा 3 शासकीय महाविद्यालयों में स्नातक/ स्नातकोत्तर स्तर पर नवीन विषय प्रारंभ करने की स्वीकृति दी गई है। इन महाविद्यालयों में 274 शैक्षणिक एवं तृतीय एवं चतुर्थ श्रेणी के 215 पद, कुल 489 पद सृजित किये गये हैं। इस संबंध में आदेश जारी किया गया है। मंत्री डॉ. यादव ने बताया कि कुल स्वीकृत शैक्षणिक पद में प्राचार्य (स्नातक स्तर) के 8, सहायक प्राध्यापक के 250, क्रीड़ा अधिकारी एवं ग्रंथपाल के 8-8 पद स्वीकृत किये गये हैं। तृतीय एवं चतुर्थ श्रेणी में मुख्य लिपिक, लेखापाल, सहायक ग्रेड-2 सभी के 8-8 पद, सहायक ग्रेड-3 के 8, प्रयोगशाला तकनीशियन के 67, प्रयोगशाला परिचारक के 67 और बुक लिफ्टर, भृत्य, स्वीपर सभी के 8-8 पद, चौकीदार के 24 और तबला संगतकार का एक पद (सभी आउटसोर्स) शामिल हैं। शासन द्वारा 8 नवीन शासकीय महाविद्यालयों की स्थापना के तहत नवीन शासकीय महाविद्यालय खालवा जिला खण्डवा में 25 शैक्षणिक पद तथा तृतीय एवं चतुर्थ श्रेणी के 22 पद कुल 47 पद स्वीकृत किये गये हैं।

समान नागरिकता संहिता दूरगामी राष्ट्रीय हित में

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

समूचे देश में समान नागरिकता संहिता को लेकर समर्थन, विरोध, राय, सुझाव, प्रस्ताव और विचारों की बाढ़ सी आई है। एक विशेष संप्रदाय इसके विरोध में लगातार मुखर है। लोकतांत्रित मूल्यों का हवाला देकर वे इसे गैर जरूरी, गैर कानूनी बता रहे है। विविधतायें और अनेकता हमारे देश की पहचान है लोकतंत्र हमारी विरासत है, किन्तु लोकतंत्र का अर्थ स्वछंदता या मनमानी नही हो सकता/लोकतंत्र स्वतंत्रता और आत्मसम्मान के साथ राष्ट्रीय स्वाभिमान और पारस्परिक सद्भाव का एक महान मंत्र है। सुविधानुसार इसके अर्थ नहीं निकालने चाहिये। भारत, आज एक वैष्विक महाषक्ति है। विज्ञान तकनीक, अंतरिक्ष, कृषि, उद्योग, कारपोरेट, दूरसंचार, रक्षा जैसे क्षेत्रों में हम अग्रणी है। 143 करोड़ आबादी की एकजुटता और सामूहित शक्ति भारत को एक महानतम विकसति राष्ट्र के रूप में पहुँचा सकती है। देश की आबादी को वर्गों, धर्मों, जातियों, नस्लों में बाँटकर हम एकता के सूत्र को कमजोर ही करते है। समान नागरिक संहिता, भारत के विकास, भविष्य और दीर्द्यकालिन कल्याण का ऐसा उपक्रम है जिसे लागू करन अनिवार्य है।

मानवाधिकार सुरक्षा एवं संरक्षण आर्गनाइजेशन की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की भोपाल में आयोजित बैठक में इसके समर्थन में अनेक महत्वपूर्ण मुद्दों पर विमर्श हुआ और सर्वसम्मति से इसे तत्काल लागू करने विषयक कानून बनाने का आग्रह किया गया। बैठक में राष्ट्रीय संरक्षक डॉ. कृपाषंकर तिवारी, राष्ट्रीय महामंत्री डॉ. तपन अग्निहोत्री, राष्ट्रीय सचिव डॉ. श्रीकांत अवस्थी की उपस्थिति उल्लेखनीय रही। तत्पक्षात हुई बैठक मैं प्रदेश अध्यक्ष अरूण कुमार द्विवेदी, प्रदेश संरक्षक राकेश चतुर्वेदी, प्रदेश महामंत्री अरूण वागद्रे, प्रबंध सचिव कृष्णकांत अग्निहोत्री, जिला उपाध्यक्ष देवेन्द्र गुबरेले, जिला महामंत्री संतोष सिंह, जिला सचिव विकास लोधी, जिला संरक्षक दीपा शुक्ला आदि मौजूद रहे।

प्रदेश के सचिव राजस्व एवं आयुक्त भू-अभिलेख और 15 जिलों के कलेक्टर्स को मिला भूमि सम्मान 2023

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मु ने भूमि प्रबंधन और प्रशासन के क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिये मध्यप्रदेश के सचिव राजस्व एवं आयुक्त भू-अभिलेख डॉ. संजय गोयल और 15 जिलों के कलेक्टर्स को भूमि सम्मान, 2023 प्रदान किया। विज्ञान भवन में केन्द्रीय विकास मंत्रालय द्वारा आयोजित सम्मान समारोह में 9 राज्यों के सचिवों और 68 कलेक्टर्स को पुरस्कार दिए गये। राज्य शासन की ओर से सचिव राजस्व एवं आयुक्त भू-अभिलेख डॉ. संजय गोयल एवं अपर सचिव चंद्रशेखर वालिम्बे ने अपनी टीम के साथ पुरस्कार ग्रहण किया। कार्यक्रम में केन्द्रीय पंचायतराज राज्य मंत्री कपिल मोरेश्वर पाटिल और ग्रामीण विकास राज्य मंत्री फग्गन सिंह कुलस्ते उपस्थित रहे। डिजिटल इंडिया लैंड रिकॉर्डस आधुनिकीकरण के क्षेत्र में मध्यप्रदेश ने राज्य व जिला दोनों ही श्रेणियों में देश भर में प्रथम स्थान प्राप्त किया। यह राज्य व केन्द्र सरकार के समन्वय का उत्कृष्ट उदाहरण है जहाँ शत-प्रतिशत राशि केन्द्र सरकार द्वारा प्रदाय की जाती है, वहीं राज्य सरकारों द्वारा कार्यक्रम का क्रियान्वयन किया जाता है। प्रदेश के राजस्व एवं परिवहन मंत्री गोविंद सिंह राजपूत ने पुरस्कृत अधिकारियों को इस उपलब्धि पर बधाई दी। उन्होंने कहा कि टीम के रूप में किये गये कार्य के परिणाम भी सुखद ही होते हैं। टीम में सुनमिता खरे, बृजेश नामदेव, मुजीब उद्दीन खिलजी एवं दिगपाल सिंह भी शामिल थे।

कार्यक्रम में आगर मालवा, अलीराजपुर, अनूपपुर, भोपाल, गुना, हरदा, इंदौर, खरगोन, नीमच, सीधी, सिंगरौली, टीकमगढ़, उज्जैन, उमरिया और विदिशा जिलों को सम्मानित किया गया। आगर-मालवा का पुरस्कार संयुक्त कलेक्टर राजेन्द्र सिंह रघुवंशी, अलीराजपुर का अपर कलेक्टर श्रीमती अनुपमा निनामा, अनूपपुर का कलेक्टर आशीष वशिष्ठ, भोपाल का अपर कलेक्टर श्रीमती माया अवस्थी, गुना का कलेक्टर फ्रेंक नोबल ए, हरदा का कलेक्टर ऋषि गर्ग, इंदौर का कलेक्टर डॉ. इलैयाराजा टी, खरगोन का डिप्टी कलेक्टर प्रताप कुमार अगासिया, नीमच का अपर कलेक्टर सुनेहा मीणा, सीधी का कलेक्टर साकेत मालवीया, सिंगरौली का डिप्टी कलेक्टर ऋषि पवार, टीकमगढ़ का संयुक्त कलेक्टर संजय कुमार जैन, उज्जैन का कलेक्टर कुमार पुरषोत्तम, उमरिया का भू-अभिलेख अधीक्षक सतीश सोनी और विदिशा का पुरस्कार कलेक्टर उमा शंकर भार्गव ने ग्रहण किया। विजेता जिलों ने डिजिटल इंडिया भू-अभिलेख आधुनिकीकरण कार्यक्रम (डीआइएलआरएमपी) के मुख्य घटकों में संतृप्ति हासिल कर शत-प्रतिशत लक्ष्य पूरा किया है।

संकल्प शक्ति से ही भौतिक एवं आध्यात्मिक उन्नति सम्भवः योग गुरु महेश अग्रवाल

भोपाल। सवारी डिब्बा पुर्ननिर्माण कारखाना निशातपुरा, भोपाल पश्चिम मध्य रेल द्वारा आयोजित प्रसन्नता सप्ताह के अंतर्गत जीवन शैली में सुधार के लिए योग का महत्व पर प्रशिक्षण एवं व्याख्यान योग गुरु महेश अग्रवाल द्वारा दिया गया। आयोजन श्री आशीष कुल्हाड़ा मुख्य कारखाना प्रबंधक तथा कुमार आशीष उप मुख्य यांत्रिक इंजीनियर के मार्गदर्शन से सम्पन्न हुआ । इस अवसर पर संस्थान के प्रशिक्षण अधिकारी संतोष कुमार, मुख्य अनुदेशक मनीष गौतम, सुरेंद्र शिवहरे, ए.के.सोनी, शिवेंद्र यादव , राजीव कुमार, विजय देशमुख सहित समस्त अधिकारी, कर्मचारी एवं प्रशिक्षणार्थी उपस्थित रहे।

योग गुरु महेश अग्रवाल ने इस अवसर पर योग प्राणायाम एवं आसनों का महत्व के साथ बताया कि योग शब्द अत्यन्त महत्त्वपूर्ण है। यह संस्कृत की युज् धातु से बना है, जिसका अर्थ होता है जोड़ना या एक करने की क्रिया । योग का अर्थ है जुड़ना, एकात्मता। सबके सुख-दु:ख से जुड़ें। अपने हृदय को उदार बनायें और जीवन की क्षुद्रताओं से ऊपर उठें। योग को यदि इस अर्थ में लें तो यह व्यक्तिपरक नहीं रह जाता।

तंबाकू नियंत्रण राष्ट्रीय कार्यक्रम में शामिल हुए एम्स के कार्यपालक निदेशक

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

भारत में तंबाकू नियंत्रण के भविष्य को आकार देने के लिए एक राष्ट्रीय परामर्श, तंबाकू नियंत्रण संसाधन केंद्र आरसीटीसी पीजीआईएमईआर चंडीगढ़, द यूनियन साउथ ईस्ट एशिया और नेशनल एकेडमी ऑफ मेडिकल साइंसेज भारत नई दिल्ली द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित किया गया ।जिसमें एम्स भोपाल के कार्यपालक निदेशक प्रो. डॉ. अजय सिंह के अतिरिक्त अन्य 15 अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थानों के निदेशकों ने भी भाग लिया। कार्यक्रम में विश्व स्वास्थ्य संगठन दक्षिण पूर्व एशिया के क्षेत्रीय कार्यालय एवं जिनेवा स्थित मुख्यालय के प्रतिनिधियों के अलावा, देश के दो महत्वपूर्ण थिंक टैंक- एनएआरसी और एनआईएचएफडब्ल्यू के निदेशक, प्रतिष्ठित संगठनों पीएचएफआई, आईआईएचएमआर के अध्यक्ष और निदेशक; गैर सरकारी संगठनों और विकासात्मक संगठनों के निदेशक और अन्य वरिष्ठ प्रतिनिधि, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय के प्रतिनिधि और भारतीय सार्वजनिक स्वास्थ्य संघ और भारतीय निवारक और सामाजिक चिकित्सा संघ के अध्यक्ष भी उपस्थित थे। परामर्श का उद्देश्य तंबाकू के उपयोग और सार्वजनिक स्वास्थ्य पर इसके हानिकारक प्रभावों के खिलाफ लड़ाई में प्रभावी रणनीतियों पर चर्चा करना और उन्हें साझा करना, भारत में तंबाकू नियंत्रण के लिए प्राथमिकताएं स्थापित करना और भारत में तम्बाकू नियंत्रण के लिए अच्छी अनुकरणीय और अभिनव प्रथाओं जीआरआईपी के दूसरे संग्रह का शुभारंभ करना था।

इस संबंध में एम्स भोपाल के कार्यपालक निदेशक प्रो. डॉ. अजय सिंह ने संस्थान की प्रतिबद्धता व्यक्त करते हुए कहा, एम्स भोपाल तंबाकू महामारी से निपटने और समुदाय की भलाई सुनिश्चित करने के लिए पूरी तरह से प्रतिबद्ध है। हम समाज के सहयोगी प्रयासों के माध्यम से तंबाकू मुक्त वातावरण बनाने और आने वाली पीढ़ियों के स्वास्थ्य की रक्षा करने में सक्षम होगें।

नीति आयोग के राष्ट्रीय का राष्ट्रीय सर्वे

पांच सालों में मप्र में दूर हुई गरीबी

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

नीति आयोग के राष्ट्रीय बहुआयामी गरीबी सूचकांक - एक प्रगति सम्बन्धी समीक्षा 2023 के अनुसार विगत पाँच वर्षों यानि वर्ष 2015-16 से वर्ष 2019-21 की अवधि के दौरान देश में रिकार्ड 13.50 करोड़ लोग और मध्यप्रदेश में 1 करोड़ 36 लाख लोग गरीबी से मुक्त हुए हैं। नीति आयोग द्वारा 17 जुलाई को जारी की गई यह सूचना देश के साथ आगे बढ़ते मध्यप्रदेश की प्रगति का एक जीवंत प्रमाण है। नीति आयोग के माध्यम से देश और प्रदेशवासियों को मिली जानकारियाँ निश्चित ही एक नई ऊर्जा का संचार करने वाली खबर है। नवीनतम राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण एनएफएचएस-5 (2019-21) के हालिया आंकड़े देश के साथ कदम बढ़ाते और तेजी से विकसित होते मध्यप्रदेश की इस विकास यात्रा का वर्तमान परिदृश्य और इसकी गति को स्पष्ट दर्शा रहे हैं। विगत कई वर्षों से लगातार किये जा रहे प्रयासों का फल है कि जन-सामान्य का जीवन स्तर ऊँचा उठा है। इस सर्वेक्षण को भारत सरकार द्वारा जारी किए गए एमपीआई, मल्टीडायमेंशनल पावर्टी इंडेक्स, की बेसलाइन रिपोर्ट के आधार पर तैयार किया गया है जो वैश्विक स्तर पर अपनाई जाने वाली एक कार्य पद्धति है।

राष्ट्रीय एमपीआई द्वारा जीवन स्तर निर्धारण के लिए 12 प्रमुख संकेतक मापदंडों को आधार बनाकर सर्वेक्षण किया जाता है। ये संकेतक हैं - पोषण, बाल और किशोर मृत्यु दर, मातृ स्वास्थ्य, स्कूली शिक्षा के वर्ष, स्कूल में उपस्थिति, रसोई गैस, स्वच्छता, पेयजल, बिजली, आवास, परिसंपत्ति और बैंक खाते जैसे बुनियादी पहल जिनका अध्ययन कर सामान्य जनमानस को प्राप्त-अप्राप्त सुविधाओं के आधार पर इस सर्वेक्षण में जीवन स्तर और गरीबी को मापा जाता है। ताजा सर्वेक्षण में इन सभी पहलुओं में उल्लेखनीय सुधार देखे गए हैं। रिपोर्ट के अनुसार भारत में बहुआयामी गरीबों की संख्या, जो वर्ष 2015-16 के सर्वेक्षण के समय 24.85 प्रतिशत थी, वह वर्ष 2019-2021 में घटकर 14.96 प्रतिशत रह गई है। इस तरह 9.89 प्रतिशत अंकों की सकारात्मक गिरावट देखी गई। देश में शहरी क्षेत्रों में गरीबी 8.65 प्रतिशत से गिरकर 5.27 प्रतिशत रह गई और ग्रामीण क्षेत्रों में गरीबी 32.59 प्रतिशत से घटकर 19.28 प्रतिशत रह गई। इस सर्वेक्षण में मध्यप्रदेश, उत्तर प्रदेश और बिहार समेत देश के उन राज्यों में शामिल हो गया है, जहाँ बहुआयामी गरीबों के अनुपात में सबसे तीव्रता से कमी आई और जहाँ गरीबी में एक उल्लेखनीय गिरावट दर्ज की गई। इन सब कार्यों के परिणामस्वरूप प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत वर्ष 2030 की तय समय-सीमा से पहले ही एसडीजी लक्ष्य यानि सस्टेनेबल डेवलपमेंट गोल के अपने लक्ष्य को प्राप्त करने की दिशा में आगे बढ़ गया है। इससे सभी का विकास सुनिश्चित करने और गरीबी हटाने के लक्ष्यों को बल मिला है और सरकार और शासन की इस लक्ष्य के लिए प्रतिबद्धता भी दिखी है। स्वच्छता, पोषण, रसोई गैस उपलब्धता, वित्तीय समावेशन, पेयजल सुविधा और बिजली उपलब्धता जैसे लक्षित क्षेत्रों में महत्वपूर्ण प्रगति हुई है। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के नेतृत्व में मध्यप्रदेश देश के यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के आत्मनिर्भर और समृद्ध भारत के लक्ष्य को पूरा करने की दिशा में अपना योगदान देकर लगातार बेहतर प्रदर्शन कर रहा है। केंद्र सरकार की विभिन्न योजनाओं में मध्यप्रदेश अग्रणी है। देश के स्वच?छतम शहर इंदौर से लेकर, जल-जीवन मिशन और प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना के क्रियान्वयन में भी मध्यप्रदेश आगे है। केंद्र सरकार और राज्य सरकार की जन-हितैषी और लोक-कल्याणकारी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन का ही परिणाम है कि प्रदेश भी देश के लक्ष्य में अपना महत्वपूर्ण योगदान देने में अग्रणी साबित हुआ है।

नीति आयोग की इस विस्तृत और महत्वपूर्ण रिपोर्ट के मायने बड़े गहरे हैं, जो प्रगति को सामान्य जन-जीवन के स्तर से मापती है। नई रिपोर्ट में राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में बहुआयामी गरीबी सूचकांक यानि मल्टी डायमेंशनल पॉवर्टी इंडेक्स के समग्र सुधार का आंकलन और सर्वेक्षण किया गया है। राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वे एनएफएचएस-4 (2015-16) में मध्यप्रदेश में बहुआयामी गरीबों का अनुपात 36.57 प्रतिशत था, जो वर्तमान एनएफएचएस-5 (2019- 21) में घटकर 20.63 प्रतिशत रह गया है। इसका सीधा अर्थ यह है कि मध्यप्रदेश में गरीबी में 15.94 प्रतिशत यानि लगभग 16 प्रतिशत की सकारात्मक गिरावट बीते पाँच वर्षों में आई है।मध्यप्रदेश जिस प्रकार से समय-समय पर नित नए कीर्तिमान स्थापित कर रहा है, उसका पूरा श्रेय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व, विकासशील दृष्टिकोण और मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के समर्पण और परिश्रम को जाता है।

स म्पा द की य

पहले गहन शोध हो, फिर प्रोजेक्ट लागू हो

कूनो अभ्यारण्य में धूमधाम के साथ चीते लाये गये थे। कुल बीस चीते लाये गये थे, दूसरे देश से। अपने नाम पर टाइगर स्टेट का टैग भी लग गया। लेकिन अचानक चीतों की मौतों ने मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान तक को तनाव में ला दिया है। विशेषज्ञों ने पहले क्या कहा और अब क्या कह रहे हैं, दोनों में अंतर है। वन विभाग के प्रमुख को इन चीतों के चक्कर में हटा दिया गया, लेकिन क्या वास्तव में समस्या हल हो गई? असल समस्या कालर आईडी से इन्फेक्शन बताया जा रहा है, लेकिन कुछ पर्यावरणविद और वन्य प्राणी विशेषज्ञ शुरू से ही कहते आ रहे हैं कि बाहर से लाये गये इन चीतों का सर्वाइव करना मुश्किल ही है।

श्योपुर के कूनो-पालपुर अभयारण्य में लगातार हो रही चीतों की मौतों को लेकर आखिरकार सीएम शिवराज सिंह चौहान को चीता प्रोजेक्ट से जुड़े अफसरों की बैठक बुलानी पड़ी। वनमंत्री विजय शाह वर्चुअल जुडे। बैठक में सीएम शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि चीता पुनर्वास प्रोजेक्ट में कूनो राष्ट्रीय उद्यान में लाए गए चीतों में से कुछ चीतों की मृत्यु चिंता का विषय है। उनके स्वास्थ्य और देखभाल के लिए केन्द्र सरकार द्वारा गठित चीता टास्क फोर्स को राज्य शासन की ओर से हरसंभव सहयोग मुहैया कराया जाए। चीता पुनर्वास प्रोजेक्ट ही इनके लिए अलग से बनाया गया था। करोड़ों खर्च होने के बाद भी चीतों की मौत का सिलसिला जारी है।

असल में चीता परियोजना का क्रियान्वयन केन्द्र सरकार द्वारा गठित चीता टास्क फोर्स के निर्णयों के अनुसार किया जाता है। कूनो नेशनल पार्क में नामीबिया से 8 और दक्षिण अफ्रीका से 12 इस प्रकार कुल 20 चीते लाए गए। वर्तमान में 10 चीते खुले जंगल में घूम रहे हैं। 5 चीतों को बाड़ों में रखा गया है। सभी चीतों की 24 घंटे मॉनीटरिंग की जा रही है। भारतीय वन्य जीवन संस्थान, देहरादून का एक शोध दल पूरी तरह से परियोजना के क्रियान्वयन के लिए पालपुर में मौजूद है। इसके बावजूद एक सप्ताह में दो चीतों की मौत के बाद अब कूनो में तीन चीते और संक्रमित मिले है। चीते ओबान का कॉलर आईडी हटाया तो गहरा घाव मिला, कीड़ों के अंडे तक में घाव हो चुके है। दोनों संक्रमित चीतों एल्टन और फ्रेडी को बेहोश करने की कोशिश जारी है। दो चीतों की बीते एक सप्ताह में मौतें हो चुकीं हैं। तेजस और सूरज की भी संक्रमण से मौत हुई थी।

अब साउथ अफ्रीका के वाइल्ड लाइफ एक्सपर्ट माइक टॉफ्ट भी चीतों की जांच के लिए कूनो पहुंचेंगे। उनके द्वारा जो जांच की जाएगी, जो निष्कर्ष निकाले जाएंगे, यदि इस प्रोजेक्ट के खिलाफ होंगे, तो हो सकता है कि उसे सार्वजनिक भी न किया जाए। लेकिन उसके आधार पर आगे के प्रोजेक्ट यदि बनाए जाते हैं तो बेहतर होगा। यहां सवाल तो और भी कई खड़े हैं। वातावरण को लेकर ये तो कहा गया कि भारत और नामीबिया के वातावरण में बहुत ज्यादा अंतर नहीं है, वहां के चीते यहां आसानी से अपने आप को ढाल लेंगे। लेकिन पर्यावरण विशेषज्ञ इस बात से सहमत नहीं हैं। उनका कहना है कि वायुमंडल में केवल तापमान का ही महत्व नहीं होता। किस प्रकार की कितनी गैसें कितनी मात्रा में मौजूद हैं? कौन-कौन से कण वायुमंडल में मौजूद हैं? तापमान कितना है, इसके साथ ही तापमान और मौसम में परिवर्तन वहां और हमारे प्रदेश के अभ्यारण्य में कितना मिलता-जुलता है?

इनका गहन अध्ययन न तो हुआ है और न ही इसकी मेरे ख्याल से जरूरत महसूस की गई। मनुष्य तो एक बार को अनुकूलनता के लिए तरीके तलाश लेता है, बीमार हो जाता है तो उसके पास इलाज के उपाय भी अधिक हैं, लेकिन जानवरों में ऐसा कम हो पाता है। हालांकि उनकी अनुकूलन क्षमता हम से अधिक होती है, ऐसा दावा किया जाता है, लेकिन असलियत तो कूनो में ही सामने आ रही है। चीतों में इन्फेक्शन होने का कुछ तो कारण होगा? इसे तलाशना होगा। और हां, यदि केवल ईवेंट करने के लिए हम अभ्यारण्यों में वन्य प्राणियों को लाएंगे, बिना अनुसंधान, शोध और अध्ययन के, तो हमें आगे भी समस्याओं का सामना करना पड़ेगा। हो सकता है कोई छोटा अधिकारी इस बारे में अधिक जानता हो, उसके ज्ञान का उपयोग करना बेहतर होगा, न कि कम ज्ञान वाले अधिकारियों का। भविष्य में प्रोजेक्ट बनाते समय यदि ध्यान रखेंगे तो हो सकता है, इन चीतों की तरह बड़ा नुकसान न हो।

एमपी की सियासत के दल बदलू चेहरे

इन नेताओं का काम ही है हर चुनाव में दलबदल करना

मध्यप्रदेश के आने वाले विधानसभा चुनाव में एक बार फिर सबसे दिलचस्प लड़ाई दलबदलू घोषित नेताओं की देखने को मिलने वाली है. ऐसे दर्जन भर से ज्यादा नेता हैं, जो चुनाव से पहले अपना दल बदल करने के लिए पहचाने जाते हैं. इन नेताओं का मकसद सिर्फ सत्ता का सुख बरकरार रखना है. जिनकी फितरत ही टिकट न मिलने पर तत्काल बदल जाती है।

दलबदलू का यह चलन सबसे ज्यादा ग्वालियर-चंबल अंचल देखने को मिलता है. चुनाव के दौरान टिकट न मिलने पर दूसरे दल की नाव पर सवार हो जाना यहां के नेताओं की फितरत में शामिल है. दलबदलू नेता अगर एक पार्टी से टिकट नहीं मिली तो छलांग लगाकर दूसरी पार्टी में चले जाते हैं. ऐसा अभी तक के मध्य प्रदेश के इतिहास में हुए कई चुनावों में देखने को मिला है. एक बार फिर ऐसे उम्मीदवार सियासी मैदान में अपना भाग्य आजमाते नजर आएंगे, जो तीन से चार राजनीतिक दलों का स्वाद चखकर फिर नई पार्टी से चुनावी नैया पार लगाने में जुटे है. दलबदलू के संख्या बल की बात की जाए तो एक दर्जन से नेता जिन्होंने सबसे ज्यादा दलबदल किया उनमें से आधे ग्वालियर चम्बल से आते हैं।

अखण्ड प्रताप सिंह

मध्यप्रदेश में सबसे ज्यादा बार दलबदल करने का चेहरे के रूप में पूर्व मंत्री अखंड प्रताप सिंह के रूप में पहचान जाता है. 80 साल के सिंह कांग्रेस और बीजेपी दोनों से ही चुनाव लड़ मंत्री रह चुके हैं. इसके अलावा बीएसपी, निर्दलीय और अब आम आदमी पार्टी के बैनर तले चुनाव लड़ने की तैयारी में उनके नाम मध्य प्रदेश में सबसे ज्यादा दलबदल ओर सर्वाधिक पार्टी में रहने का रिकॉर्ड है।

हरिवल्लभ शुक्ला

शिवपुरी जिले के हरिवल्लभ शुक्ला पहले कांग्रेस में थे. टिकट नहीं मिली तो 2003 में राष्ट्रीय समानता दल के टिकट पर पोहरी से चुनाव लड़े और जीते. 2004 में उन्हें भाजपा ने लोकसभा के लिए गुना से प्रत्याशी बनाया. 2008 के विधानसभा चुनाव में वे बसपा के टिकट पर पोहरी से लड़े, लेकिन हार गए. शुक्ला ने 2013 में कांग्रेस के टिकट पर पोहरी से चुनाव लड़ा और भाजपा के प्रहलाद भारती से हार गए. शुक्ला फिर से चुनावी मैदान में भाग्य आजमाने जा रहे।

फूल सिंह बरैया

फूल सिंह बरैया इस बार उपचुनाव में उम्मीदवार हैं. दतिया जिले की भांडेर विधानसभा सीट से बसपा के विधायक रह चुके फूलसिंह बरैया ने चार दलों की सवारी की है. बसपा से नाराज होकर उन्होंने समता समाज पार्टी का दामन थामा. कुछ दिनों बाद उन्होंने भाजपा की भी संगत कर ली. बाद में उनका मन भाजपा से ऊब गया तो उन्होंने बहुजन संघर्ष दल बना लिया. अब बहुजन संघर्ष दल से वे कांग्रेस में शामिल हो गए हैं।

एंदल सिंह कंसाना

मुरैना जिले की सुमावली सीट से भाजपा उम्मीदवार एंदल सिंह कंसाना ने पहले टिकट न मिलने पर कांग्रेस छोड़ी थी. अब मंत्री की कुर्सी न मिलने पर पार्टी को अलविदा कह दिया. 1993 में कंसाना को कांग्रेस से टिकट नहीं मिली तो वे बसपा से चुनाव लड़ गए और जीते. कंसाना फिर बीजेपी से उम्मीदवारी के लिए प्रयासरत हैं उधर कांग्रेस के भी संपर्क में है।

अजब सिंह कुशवाहा

सुमावली से कांग्रेस उम्मीदवार अजब सिंह कुशवाहा ने 2003 में बसपा से चुनाव लड़ा, लेकिन हार गए. 2008 में भी वे बसपा के टिकट पर उम्मीदवार बने, लेकिन फिर हार गए. 2018 का चुनाव अजब सिंह ने भाजपा की ओर से लड़ा, लेकिन फिर हार का मुंह देखना पड़ा. अब कुशवाह फिर दल-बदलकर मैदान में आये. उपचुनाव में अजब सिंह कुशवाहा कांग्रेस में शामिल होकर सुमावली से ही उम्मीदवार बने हैं. फिर चुनाव लड़ने की तेयारी में है।

रामप्रकाश राजौरिया

मुरैना से बसपा उम्मीदवार रामप्रकाश राजौरिया भी दूसरे दलों की सवारी कर चुके हैं. 2013 में बसपा से चुनाव लड़ा था. लेकिन वे चुनाव हार गए थे. 2018 में उनको बसपा ने टिकट नहीं दी तो वे आम आदमी पार्टी के बैनर तले चुनाव में उतर गए. इस बार भी उनको हार मिली. इसके बाद वे भाजपा में शामिल हो गए लेकिन फिर बसपा में वापस आ गए. उपचुनाव में वे फिर से बसपा के उम्मीदवार हैं. फिर चुनाव लड़ने की तैयारी में है।

मुन्नालाल गोयल

मुन्नालाल गोयल उपचुनाव में भाजपा से उम्मीदवार हैं. मुन्नालाल गोयल ने बसपा से चुनाव लड़ा. बसपा के बाद कांग्रेस पार्टी से चुनाव लड़ा और फिर कांग्रेस पार्टी छोड़ भाजपा के चुनाव चिह्न से सियासी मैदान में उतरे अब फिर मैदान में है।

नारायण त्रिपाठी

समाजवादी पार्टी से अपने करियर की शुरुआत करने वाले अलग विंध्य प्रदेश की मांग करने वाले नारायण त्रिपाठी बीजेपी विधायक के रूप में पहचाने जाते हैं इसके पहले वह कांग्रेस में रहे फिर निर्दलीय रहे इसके बाद उन्होंने अलग बिंद प्रदेश की मांग को लेकर अपने पॉलिटिकल पार्टी खड़ी कर ली है और फिर वह मैदान में हैं।

जागिए! बहुत ज़रूरी है डिजिटल डिटॉक्स डाइट

-राकेश दुबे

डायलॉग्स इन क्लिनिकल न्यूरोसाइंस में प्रकाशित एक समीक्षा में कहा गया है कि लगातार प्रौद्योगिकी का उपयोग, बढ़े हुए ध्यान-कमी के लक्षणों, बिगड़ी हुई भावनात्मक और सामाजिक बुद्धिमत्ता, प्रौद्योगिकी की लत, सामाजिक अलगाव, बिगड़ा हुआ मस्तिष्क विकास और कुछ मामलों में बाधित नींद से जुड़ा हुआ है। यह बात हम सब जानते हैं, पर खुद केलिए स्वीकार नहीं कर पाते हैं।

हम बच्चों से कहते हैं ये नहीं करो, वो नहीं करो, मोबाइल को छोड़ दो। लेकिन खुद कितना अपनाते हैं, बच्चों को देने वालीयह सीख? शायद इन हिदायतों में से एक भी नहीं। आपका ही नहीं बल्कि अधिकांश हर बड़े का यही हाल है। घर का काम हो या ऑफिस का, हर पल गैजेट्स से घिरे रहते हैं। सोशल मीडिया में तो जैसे आपकी जान बसी हो। फिर बच्चों को बोलते हैं कि मोबाइल छोड़ दो। लैपटॉप से दूर रहो। आंखें खराब हो जाएंगी। बच्चों को सोशल मीडिया के हर प्लैटफॉर्म से आप ने ही तो दोस्ती करवाई है। अपनी सहूलियत के लिए उसके हाथों में मोबाइल थमाया है, जब आपको कुछ और काम करना होना था। असल में, बच्चे तो आपसे ही सीखते हैं। आज से ही खुद और पूरे परिवार को हर दिन कम से कम दो घंटे डिजिटल डिटॉक्स डाइट दें। आपके और परिवार के लिए ये

बेहद जरूरी है। इसे आप रिलेशनशिप का बूस्टर भी मान सकते हैं।

यूँ तो हर गैजेट के भरपूर फायदे हैं, लेकिन इसकी अति आप और आपके परिवार के लिए घातक है। अब बताएं जब आप हर पल टकटकी लगाकर फोन देखते रहेंगे, तो कहां मिलेगा अपनी पहचान, अपने सपने और ज्ञान को बढ़ाने का समय। आपकी इन आदतों से आपके अपने भी दूर होते जाएंगे। फिर डिजिटल ही ढूंढ़िएगा परिवार वालों, बच्चों और दोस्तों को। आपकी इन आदतों से कब आपको बीमारियां लग जाएंगी, आपको पता भी नहीं चलेगा। और तो और, इन गैजेट्स से निकलने वाली नीली रोशनी त्वचा से बहुत कुछ चुरा लेगी। सब नोटिफिकेशन्स बंद कर दें। अगली बार बच्चों को खाने के साथ यूट्यूब देखने को नहीं कहना। वो देखें तो प्यार से मोबाइल छुपाकर उसके साथ समय बिताना। डिजिटल गैजेट्स बुरे नहीं हैं। बस रोज कम से कम दो घंटे इनके बिना रहें। फिर देखें कैसे परिवार आपके पास आएगा।

सबसे पहले तो देखें कि आप और घर के लोग दिन के कितने घंटे स्क्रीन पर बिताते हैं। आप खुशियों को महसूस करना और जीना चाहते हैं, तो परिवार को रोज़ाना डिजिटल डाइट से फ्री करें। इसके लिए बस इतना करें, जब आप सब शाम को घर पर हों, तो ये गैजेट्स बंद कर दें। इसका मतलब यह नहीं कि वर्चुअल गेम्ख खेलें या गाना सुनें। अब सब खुलकर बातें करें। अपने शौक को समय दें। किताबें पढ़ें। दोस्तों से गपियाएं। अंताक्षरी खेलें। सब मिलकर डिनर बनाएं। साथ में घूमने जाएं। पार्क में जाएं। वो सब काम करें जो फोन के चक्कर में छूटते जा रहे थे।

सच तो यह है कि इस फोन ने अपनों को दूर ही कर दिया है। इस डिजिटल डिटॉक्स डाइट के लिए अनुशासन और दृढ़ संकल्प चाहिए। इसके लिए सिर्फ बच्चों को डांटने से काम नहीं चलेगा। दरअसल अच्छे परिणाम तभी आएंगे जब शाम को सब परिजन घर आ जाएं तो टीवी और सारे गैजेट्स बंद करें। फोन चार्जिंग पहले कर लें। अन्यथा जहां आप सब एक साथ बैठे हैं वहां से दूसरे कमरे में चार्जिंग करें। सामने देखेंगे, तो फोन को हाथ लगा लेंगे। फिर फेसबुक,स्नैपचैट, इंस्टाग्राम व अन्य ऐप्स में ही उलझे रहेंगे। कुछ समय के लिए गैजेट्स बंद करने में शुरू-शुरू में मुश्किल आएगी, लेकिन जब परिणाम आएंगे तो आपको अच्छा लगेगा।

मानव इतिहास में सबसे जुड़े हुए युग के दौरान जीवन में कई चीजें सकारात्मक तो हैं, लेकिन कभी आपने सोचा है कि परिवार के सदस्य केवल एक फेसटाइम सत्र दूर हैं। आपके दिमाग में आने वाले लगभग किसी भी प्रश्न का उत्तर आपकी उंगलियों पर है,लेकिन बहुत अधिक तकनीक ङ्क चाहे वह स्मार्टफोन, सोशल मीडिया, या अन्य डिजिटल स्क्रीन के सामने बिताया गया समय हो ङ्क इसके अनपेक्षित परिणाम हो सकते हैं। आजकल के बच्चों में स्मरण शक्ति कम हो रही है, क्योंकि वो डिजिटल गैजेट्स और गूगल जैसे सर्च इंजन पर अधिक निर्भर हो गए हैं। डिजिटल डिटॉक्स डाइट शब्द नया ज़रूर है, पर शक्तिशाली है और आपका जीवन सुधारता है।

राजवाड़ा 2-रेसीडेंसी

योजना दिल्ली वाले बनाएंगे, क्रियान्वयन मध्यप्रदेश के नेता करेंगे

अरविंद तिवारी

भाजपा में इस साल के अंत में होने वाले विधानसभा चुनाव को लेकर परिदृश्य साफ हो गया। चुनाव कैसे लड़ा जाएगा, कौन किस भूमिका में रहेगा, किसको टिकट देना है, किसका टिकट काटना है, यह सब अब दिल्ली से तय होगा। दिल्ली यानि मोदी, शाह और नड्डा के साथ ही शिवप्रकाश जायसवाल, अजय जामवाल, मुरलीधर राव, भूपेन्द्र यादव और अश्विनी वैष्णव।

दिल्ली जो तय करेगी उसे मैदान में अमल में लाने की जिम्मेदारी मध्यप्रदेश के नेताओं की रहेगी। इसमें भी एक बात साफ है, इस बार मध्यप्रदेश में पार्टी सिर्फ शिवराज सिंह चौहान और वीडी शर्मा के भरोसे रहने वाली नहीं है। नरेंद्र सिंह तोमर तो अहम भूमिका में आ ही गए हैं, ज्योतिरादित्य सिंधिया, कैलाश विजयवर्गीय, प्रहलाद पटेल, राकेश सिंह और फग्गनसिंह कुलस्ते की भी इस बार के चुनाव में बड़ी भूमिका रहना है।

मीडिया मैनेजमेंट और प्लानिंग रहेगा वैष्णव के जिम्मे

नवंबर में होने वाले विधानसभा चुनाव में किसकी क्या भूमिका रहेगी, यह दो-चार दिन में तय हो जाएगा। लेकिन यह तय सा है कि दिल्ली से भोपाल भेजे गए केंद्रीय रेल एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव के जिम्मे मीडिया मैनेजमेंट और प्लानिंग का काम रहेगा।

वैष्णव प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रियपात्र हैं और उन्हें यह जिम्मेदारी दिए जाने से यह स्पष्ट है कि इस काम में और किसी की चलने वाली नहीं है। चर्चा तो यह है कि जल्दी ही गुजरात की एक बड़ी टीम भोपाल आकर इस काम को हाथ में ले लेगी। यह टीम सीधे वैष्णव को रिपोर्ट करेगी। मध्यप्रदेश से इस टीम के साथ समन्वय कौन करेगा यह भी वैष्णव की पसंद पर ही तय हो पाएगा।

अभी तो बाकी है शिवराज का मास्टर स्ट्रोक

अब इंतजार मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के मास्टर स्ट्रोक का है। कांग्रेस की लोक लुभावन घोषणाओं से शिवराज बेफिक्र हैं। अपने भरोसेमंद लोगों के बीच वे यह कहने से परहेज नहीं करते हैं कि थोड़ा रुको, इंतजार करो, कांग्रेस जितने भी भी लॉलीपॉप दे रही है, उन्हें मेरा मास्टर स्ट्रोक धराशायी कर देगा।

शिवराज का यह मास्टर स्ट्रोक क्या होगा, इसका अंदाज भाजपा के नेता भी नहीं लगा पा रहे हैं। माना यह जा रहा है कि 500 रुपए में गैस सिलेंडर देने, बिजली बिल में बड़ी छूट, ओल्ड पेंशन स्कीम लागू करने तथा किसानों की कर्जमाफी जैसे कमलनाथ के वचन से लोगों का ध्यान हटाने के लिए शिवराज कोई बड़ा खेल खेलेंगे। बसज् थोड़ा इंतजार कीजिए।

बदले-बदले से हैं कमलनाथ इन दिनों

कमलनाथ और दिग्विजय सिंह के तालमेल की चर्चा तो इन दिनों हर कांग्रेसी की जुबां पर है। इस गठबंधन से तालमेल जमाना सुरेश पचौरी, कांतिलाल भूरिया और अरुण यादव के साथ ही डॉ. गोविंद सिंह तथा अजय सिंह राहुल की मजबूरी-सा हो गया है। चर्चा एक और है और वह है कमलनाथ के बदले अंदाज की।

इन दिनों वे पार्टी नेताओं और कार्यकर्ताओं को बहुत समय दे रहे हैं। उनकी बातें सुन रहे हैं और जहां ठीक लग रहा है, उस पर तुरंत निर्णय भी ले रहे हैं। यही कारण है कि उनके सिविल लाइंस स्थित बंगले पर भी रोज कार्यकर्ताओं की भारी भीड़ उमडने लगी है। अभी तो स्थिति यह है कि कमलनाथ के सामने कार्यकर्ता नेताओं पर भारी पडने लगे हैं।

जावद में तीसरे की तलाश और समंदर पटेल की सक्रियता

मध्यप्रदेश का एक बड़ा चर्चित विधानसभा क्षेत्र है जावद। नीमच जिले के इस विधानसभा क्षेत्र से सालों तक पूर्व मुख्यमंत्री वीरेंद्र कुमार सकलेचा विधायक रहे और इन दिनों मंत्री ओमप्रकाश सकलेचा विधायक हैं। उनके सामने कांग्रेस से चुनाव लडने के लिए राजकुमार अहीर और सत्यनारायण पाटीदार का दावा है। अहीर जावद से ही तीन चुनाव हार चुके हैं और पाटीदार नीमच से पिछला चुनाव हारे। कमलनाथ के सर्वे में दोनों में जीत की संभावना नहीं दिख रही है। इसका फायदा किसे मिलेगा, यह तो वक्त ही बताएगा, लेकिन इस क्षेत्र में समंदर सिंह पटेल की सक्रियता ने अहीर और पाटीदार दोनों की नींद उड़ा रखी है। कारण आपको कुछ दिन बाद समझ आ जाएगा।

अरुण मामा दुबई में डिटेन, इंदौर में कइयों की सांसें ऊपर-नीचे

यारी, दोस्ती के साथ ही अपनी पार्टियों के लिए अलग पहचान रखने वाले इंदौर के बड़े रियल इस्टेट और अगरबत्ती कारोबारी अरुण गोयल उर्फ अरुण मामा सालों पहले के एक कारोबारी लेन-देन के चक्कर में पिछले दिनों दुबई में डिटेन कर लिए गए। उन पर यह एक्शन वहां के अपने एक व्यवसायिक भागीदार के साथ कथित धोखाधड़ी के चलते हुआ है। उन्हें दुबई में डिटेन करने की खबर जैसे ही वायरल हुई, इंदौर में कइयों की सांसें ऊपर नीचे होने लगी। ये सब वे लोग हैं, जिनका मामा के साथ बड़ा लेन-देन था। जिन लोगों ने मामा के साथ यह लेन-देन किया था, उनमें रियल इस्टेट के कुछ बड़े कारोबारियों के साथ ही कुछ नेता और तीन-चार अफसर भी शामिल हैं। इन्हें अब मामा के वापस लौटने का इंतजार है। इनमें से कुछ तो दुबई जाकर मामा से मिल भी आए हैं।

दिल बेकरार और साहब का प्यार

इसी साल सेवानिवृत्त होने जा रहे एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी के प्यार की इन दिनों पुलिस मुख्यालय में बड़ी चर्चा हैं। ?चर्चा इस बात की है कि आखिर साहब इतना मैनेजमेंट कैसे कर लेते हैं। अब प्यार और मैनेजमेंट का क्या संबंध यह भी समझ लीजिए। ?साहब का दिल 1-2 नहीं आधा दर्जन से ज्यादा प्रेमिकाओं से लगा हुआ है। यह सब उन पर बराबरी का अधिकार जताने लगी है। ऐसे में मैनेजमेंट तो जरूरी है ना।

चलते-चलते

एक दूसरे को फूटी आंख भी नहीं देखने वाले बुंदेलखंड के दो मंत्री इन दिनों एक-दूसरे को निपटाने के लिए जिस स्तर पर उतर आए हैं, उससे भाजपा के बड़े-बड़े दिग्गज भी भौंचक्क हैं। इनमें से एक मंत्री के बेटे पर बेहद संगीन आरोप है और दूसरे मंत्री एक समय में 'सरकार' की नाक का बाल होने के बाद इस वक्त लोकायुक्त जांच में फंसे हुए हैं।

पटवारी चयन परीक्षा के नतीजों के बाद जो हालात बने उसके बाद सरकार को बैकफुट पर आना पड़ा। उनके इस कदम से फौरी तौर पर तो सरकार को राहत मिल गई, क्योंकि छात्रों का आंदोलन गति नहीं पकड़ पाया। लेकिन इन नतीजों के बाद इस परीक्षा को लेकर जो बातें सामने आ रही हैं, वह आने वाले समय में बड़ी परेशानी का कारण बन सकती हैं। देखना यह है कि किसको कितना नुकसान होता है।

पुछल्ला

बुंदेलखंड के एक जिले में कलेक्टर रहते हुए वहां के एक विधायक के साथ कारोबार करने वाले अफसर को आखिरकार दूसरे जिले की कलेक्टरी मिल ही गई। ये कलेक्टर जहां भी पदस्थ रहते हैं, वहां के वजनदार नेता के साथ व्यवसायिक भागीदारी कर लेते हैं और फिर माल बटोरने में कोई कसर बाकी नहीं रखते।

बात मीडिया की

दैनिक भास्कर में लंबी पारी खेलने के बाद सुनील सिंह बघेल अब बंसल न्यूज में एक्जीक्यूटिव एडिटर की भूमिका में आ गए हैं।

राजधानी भोपाल के दो वरिष्ठ पत्रकार दिनेश गुप्ता और राजेश चतुर्वेदी इन दिनों अपने यूट्यूब चैनल के कारण बहुत चर्चा में हैं। गुप्ता पॉवर गैलरी विद दिनेश गुप्ता और चतुर्वेदी एक बात कही चैनल के माध्यम से बेहद सक्रिय हैं। इनके शो बहुत पसंद किए जा रहे हैं और इन्हें अच्छा रिस्पांस मिल रहा है।

इलेक्ट्रॉनिक मीडिया का एक और स्थापित नाम, बेहद शांत सौम्य और शालीन दीपक यादव अब पत्रकारिता को अलविदा कह रिलायंस जिओ में मध्य प्रदेश छत्तीसगढ़ के कॉरपोरेट कम्युनिकेशन हेड की भूमिका में आ गए हैं। दीपक अभी इंदौर में आईबीसी 24 के ब्यूरो चीफ थे।

पत्रिका इंदौर की रिपोर्टिंग टीम में दो नए रिपोर्टरों ने आमद दे दी है। लंबे समय तक नईदुनिया में सेवाएं देने वाले अश्विनी बक्षी और पत्रिका के धार ब्यूरो में प्रभारी रहे अमित मंडलोई अब इंदौर में पत्रिका की रिपोर्टिंग टीम में काम करेंगे।

इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के तेजतर्रार रिपोर्टर राकेश चतुर्वेदी एक बार फिर बंसल न्यूज की टीम का हिस्सा हो गए हैं। राकेश अभी न्यूज 24 में सेवाएं दे रहे थे। वे पहले बंसल न्यूज में लंबे समय तक रहे हैं।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक भरत पटेल द्वारा इंडिपेंडेंट प्रेस 11, प्रेस काम्प्लेक्स, एमपी नगर, जोन-1, भोपाल से मुद्रित तथा 226, एमपी नगर जोन-2, भोपाल से प्रकाशित। संपादक — भरत पटेल, प्रबंध सलाहकार — भारती पटेल, संपादकीय सलाहकार — विष्णु कौशिक, सलाहकार संपादक - स्मिता पटेल, स्थानीय संपादक —संजय सक्सेना,
प्रकाशन से संबंधित समस्त समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार। समस्त न्यायिक कार्यवाहियों के लिए क्षेत्राधिकार भोपाल न्यायालय का रहेगा। रजि. नं. भोपाल डिवी. 48 म.प्र.। ई-मेल : dspbpl67@gmail.com, वेबसाईट: dainiksandhyaprakash.in

शिक्षा सत्र प्रारम्भ होते ही शिक्षक हुए नदारद, पहली बार में ही 5 हुए निलंबित, 3 को शोकॉज जारी

खरगोन । नया शिक्षा सत्र शुरू होते ही शिक्षकों पर कार्रवाई का दौर भी प्रारम्भ हो गया है। गत गुरुवार को जब कलेक्टर श्री शिवराज सिंह वर्मा मुख्यालय के पास के स्कूलों में जायजा लेने निकले तो स्कूल में अनुपस्थिति पायी गई थी। इसके बाद समय समय पर बीईओ और बीआरसी तथा अन्य अधिकारियों द्वारा भी मॉनिटरिंग की गई। इसके बाद उन पर कार्रवाई की गई। जनजाति कार्य विभाग के सहायक आयुक्त श्री प्रशांत आर्य ने जानकारी देते हुए बताया कि स्कूल चले अभियान के तहत कलेक्टर महोदय के निर्देशन में विभाग अन्तर्गत समस्त विकासखण्ड शिक्षा अधिकारी द्वारा अपने विकासखण्ड अन्तर्गत शालाओं का आकस्मिक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान बंद संस्थाओं एवं अनुपस्थित शिक्षकों के विरुद्ध अनुशासनात्मक कार्यवाही की गई है। अनुपस्थित पाए जाने वाले शिक्षकों में शा.एकीकृत मावि राजपुरा गोगांवा की प्रधान पाठक श्रीमती रानी गुप्ता, रसगांव शा. हाईस्कूल मा. शिक्षक श्रीमती केशर आर्से, शाप्रावि सहायक शिक्षक श्री आपसिंह पटेल, शाप्रावि आगरबाई सहायक शिक्षक श्री परसराम चौहान, सहायक शिक्षक और शाप्रावि देवला फाल्या की शिक्षक श्रीमती स्मृति पटोदे शामिल है। जबकि बिना वैध अनुमति के अवकाश आवेदन देकर अवकाश पर जाने वाले शिक्षकों को कारण बताओं सूचना पत्र जारी किये गए। इनमें शा. एकीकृत मावि राजपुरा सहायक शिक्षक श्री महेन्द्र सोहनी, सहायक शिक्षक श्री सुरेशचन्द्र मण्डलोई,श्रीमती मनीषा चौधरी, और श्रीमती हर्षिता वास्कले शामिल है। राजपुरा स्कूल के निरीक्षण के दौरान ताला पाया गया था।

जनसुनवाई में आए कुल 75 आवेदन

धार, । जिला पंचायत सीईओ श्रृंगार श्रीवास्तव ने जिला पंचायत सभाकक्ष में मंगलवार को आयोजित जनसुनवाई में आवेदकों की समस्याओं को सुना और सम्बंधित अधिकारियों को समस्याओं के निराकरण के लिए निर्देश दिए। इस जनसुनवाई में सीमांकन कराने, अवैध कब्जा हटवाने, अतिक्रमण हटाने, पीएम आवास की राशि दिलवाने, पुनः पेंशन चालू करवाने, पट्टा दिलवाने, नाली निर्माण, मुआवजा राशि दिलवाने, अनुकम्पा नियुक्ति इत्यादि से संबंधित कुल 75 आवेदन प्राप्त हुए।

जनसुनवाई में मिले 174 आवेदन

छतरपुर। कलेक्टर संदीप जी.आर. ने मंगलवार को जिला पंचायत सभाकक्ष में जिला स्तरीय जनसुनवाई में लोगों से प्राप्त आवेदनों की सुनवाई की। जनसुनवाई में प्राप्त 174 शिकायती आवेदनों का परीक्षण करते हुये संबंधित विभाग को आवेदन निराकरण हेतु सौंपे गये। उन्होंने अधिकारियों को सीएम हेल्पलाइन शिकायतों को संतुष्टि से निराकृत करने के निर्देश दिए। जनसुनवाई में जिला पंचायत सीईओ श्रीमती तपस्या परिहार, एडीएम नमः शिवाय अरजरिया सहित जिला स्तरीय विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे। साथ ही दिव्यांगों की अलग से समस्याएं सुनी। जनसुनवाई में शिक्षा, राजस्व, पुलिस, नगरीय निकाय, ग्रामीण विकास, विद्युत मण्डल, स्वास्थ्य, खाद्य, श्रम, सामाजिक न्याय, महिला एवं बाल विकास सहित विभिन्न शिकायती आवेदन प्राप्त हुये।

न भय न भ्रष्टाचार , क्षेत्रीय जनता के बेटा हैं नीरज दीक्षितः सीपी मित्तल

छतरपुर। महाराजपुर विधायक नीरज दीक्षित के नेतृत्व में संपूर्ण महाराजपुर विधानसभा क्षेत्र के किसानों, नौजवानों, बुजुर्गों की समस्याओं के समाधान की मांग को लेकर ग्राम गौरारी से किसान पदयात्रा का शुभारंभ किया गया। महाराजपुर में आमसभा के दौरान कांग्रेस संगठन के प्रदेश पदाधिकारियों ने उन विपक्षी नेताओं को करारा जवाब दिया जो खिलाफत करते नजर आए। संगठन पदाधिकारियों ने कहा कि महाराजपुर अंचल में न भय रहा और न भ्रष्टाचार। विधायक नीरज दीक्षित ने इस क्षेत्र में सिर्फ बेटा बनकर विकास कार्यों को अंजाम दिया है।

जिला चिकित्सालय में दस्तक अभियान का शुभारंभ

रायसेन। जिला चिकित्सालय में दस्तक अभियान का शुभारंभ कार्यक्रम संपन्न हुआ कार्यक्रम का शुभारंभ नगर पालिका की अध्यक्ष श्रीमती सविता जमना सेन ने विधिवत पूजा अर्चना कर किया । दस्तक अभियान जिले में 18 जुलाई से 31 अगस्त तक घर घर जाकर बच्चों का स्वास्थ्य परीक्षण एवं विटामिन ए दवा पिलाई जाएगी। इस अभियान के लिए जिले में 213 बूथ बनाए हैं। जिसमें आंगनवाड़ी कार्यकर्ता एएनएम कार्यकर्ता घर घर जाकर बच्चों का स्वास्थ्य परीक्षण कर दवा पिलाएंगे। नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती सविता जमना सेन संबोधित करते हुए कहा कि दस्तक अभियान के तहत स्वास्थ्य एवं आंगनबाड़ी कार्यकर्ता घर-घर जाकर बच्चों का स्वास्थ्य परीक्षण कर का उपचार करेंगे। तथा अगर बच्चों में कोई भी बीमारी निकली तो उसका उपचार करेंगे। उन्होंने कहा कि समस्त माता-पिता निवेदन है कि इस अभियान में स्वास्थ्य कर्मचारियों का सहयोग करें एवं बच्चों का परीक्षण कराकर उन्हें दवा पिलाकर दस्तक अभियान में सहयोग करें। टीकाकरण अधिकारी डॉ सोमन दास ने बताया कि डॉ दास ने बताया कि विटामिन ए निमोनिया फेस एस एन सी यू मैं भारती मरीज विकृति को बाल मृत्यु में कमी लाने के लिए दस्तक अभियान चलाया जा रहा है ?। साथ एनीमिया कुपोषण जन्मजात विकृति बच्चों की जानकारी ली जा रही है। इस अवसर पर नगर पालिका अध्यक्ष सविता जमुना सेन मुख्य विषय एवं स्वास्थ्य अधिकारी दिनेश खत्री विधायक प्रतिनिधि जमना सेन सिविल सर्जन अनिल ओड टीकाकरण अधिकारी डॉक्टर सोमन दास पत्रकार अशोक सोनी महेश लोधी सहित स्टाफ के कई कर्मचारी उपस्थित थे।

सीएम हेल्पलाइन में शिकायतों को बताया धंधा एवं खबरें छपने से बौखलाए सरपंच, सचिव, सहा .सचिव

दमोह। मुख्यमंत्री की गरीब कल्याण हितेषी योजना 181 सीएम हेल्पलाइन को बताया धंधा बंद कराने तख्ती लेकर जनसुनवाई में पहुंचे हटा जनपद के सरपंच सचिव सहायक सचिव संघ जनपद पंचायत हटा की समस्त ग्राम पंचायतों के विकास कार्यों में अवरोध उत्पन्न करने हेतु कुछ तथाकथित पत्रकारो द्वारा अनावश्यक रूप से परेशान करने के संबंध में सचिव सहायक सचिव सरपंच संघ ने आवेदन सोपा ।

जनपद हटा सरपंच संघ,सचिव संघ, सहा सचिव संघ द्वारा दिनांक 18/07/2023 को जनपद में आयोजित संघ की बैठक में निर्णय लिया गया।

जनपद हटा एवं आस पास के कुछ तथाकथित पत्रकारों द्वारा अनावश्यक रूप से पंचायतों के विकास कार्यों में दबाव बनाकर अवैध रूप से बसूली की मांग की जाती है। जिन तथाकथित पत्रकारो मे सूर्या उपाध्याय मडियादो,यूसिफ पठान मडियादो, हरगोविंद दिवेदी मड़ियादो मोनू पाठक,मड़ियादो जितेन्द्र विश्वकर्मा काईखेड़ा,रहीस खांन मड़ियादो अभिषेक छिरोल्या मड़ियादो शत्रुधन चौरसिया हटा, दीपक पटेल हटा, सौरभ अग्रवाल हटा मोहन पटेल पटेरा, नितिन कडेरा स्नेह, हरिशंकर प्रजापति रसीलपुर।

इस दौरान सरपंच, सचिव ,सहा सचिव द्वारा मना करने पर अखबार में झूठी खबर प्रकाशन एवं सी एम हेल्पलाईन लगाये जाने की धमकी दी जाती है.साथ ही प्रशासनिक अधिकारियों द्वारा इनके द्वारा दी गई गलत जानकारी तथा अखबारो में प्रसारित झूठी खबर की कटिंग पर जांच दल गठित किया जाता है. जिससे इनके मनोबल को और बडाकर पंचायतों में पैसों की मांग की जाती एवं धमकी के साथ-साथ पंचायतों द्वारा पैसे न देने पर जांच करवाने की बात कही जाती है. साथ ही जिले में शोसल मीडिया एवं यूटूबर द्वारा पत्रकारिता के नाम पर गलत जानकारी एवं ब्लेकमेलिंग की जाती जिन पर प्रतिबंध लगाते हुए कार्यवाही की जाना चाहिए। अतः आपसे अनुरोध है कि उपरोक्तानुसार दिये गये बिन्दुओं को गंभीरता से लेते हुए जब तक किसी कार्य की लिखित शिकायत न की जावे तब तक ऐसी खबरों के प्रकाशन के आधार पर जांच न कराई जावे साथ ही सम्बंधित प्रिंट मीडिया के पत्रकारो को उनके अखबार के संपादक द्वारा जारी प्रेस कार्ड की जांच की जावे एवं जनसम्पर्क विभाग में इनके नामों का अवलोकन कराते हुए तथा झूठी खबर प्रकाशन पर कार्यवाही की जावें अन्यथा की स्थिती में हम सभी पंचायतें ग्रामपंचायतों के समस्त कार्यों को बंद करने हेतु बाध्य होगें जिसकी सम्पूर्ण जिम्मेदारी प्रशासन की होगी।

साफ़ सफाई के बहाने एक लाख पचपन हजार के सोने के जेवरों पर किया हाथ साफ

पिपरिया- शहर के सीमेंट रोड स्थित जाकिर हुसैन वार्ड में 18 जुलाई मंगलवार दोपहर के समय सोने के जेवरों का धोखाधड़ी संबंधी मामला प्रकाश में आया है जिसका शिकायती लिखित आवेदन मंगलवारा पुलिस थाने में थाना प्रभारी उमेंश तिवारी के नाम दे धोखाधडी करने वाले अज्ञात व्यक्तियों को सीसीटीवी फुटेज के माध्यम से खोज उनके खिलाफ़ कड़ी कार्यवाही कर जेवर दिलाए जाने संबंधी आवेदन दिया गया है। शिकायतकर्ता ज्योति पति स्वर्गीय संतोष शर्मा उम्र 60 वर्ष द्वारा आवेदन के माध्यम से बताया गया कि - वह एक ग्रहणी हैं वह घर पर अकेली थीं 18 जुलाई मंगलवार को दोपहर तकरीबन 3-30 बजे दो अज्ञात व्यक्ति आए और उनसे कहा कि हम सोने के जेवरों की उजरवाई सस्ते व अच्छे से करते हैं जेवरों को भी कोई नुकसान नहीं होता मैं इनकी बातों में आ गई और सोने का मंगलसूत्र , कान की सोने की कंछड़ी, सोने की चैन इनको सफाई हेतु दे दिए। जेवरों की साफ सफ़ाई के लिए इन्होंने हल्दी व पावडर मांगा और अन्य कोई पावडर मिलाकर इन जेवरों को एक कटोरी में रख दिया फिर पीतांबरी के पाउच में जेवरों को रख कर कहा कि- अब इनको फ्रिज में रख दो 20 मिनिट बाद निकाल लेना, मुझसे रहा नहीं गया जब मैने 10 मिनिट बाद ही फ्रिज को खोल पाउच निकालकर देखा तो उसमें 4 या 5 पत्थर टुकड़े निकले और मौके का फायदा उठा उक्त

मान्यता निरस्त होने के डर से बायोमेट्रिक पंचिंग शुरु

रतलाम। डा. लक्ष्मीनारायण पांडेय शासकीय मेडिकल कालेज की मान्यता को लेकर चल रही मशक्कत में कालेज प्रशासन को राहत मिली है। नेशनल मेडिकल कमीशन (एनएमसी) ने 150 सीट के लिए अगले पांच वर्ष के लिए मान्यता दे दी है। 14 जुलाई को मान्यता का पत्र जारी हो गया। रतलाम में वर्ष 2018 में कालेज प्रारंभ हुआ था। डीन डा. जितेंद्र गुप्ता मान्यता के लिए दिल्ली गए । डीन ने दिल्ली में एनएमसी बोर्ड के समक्ष सभी तथ्यों को रखा और बताया कि वर्तमान में फैकल्टी की उपस्थिति 95 प्रतिशत तक है। इसके बाद एनएमसी ने मान्यता पत्र जारी कर दिया है।

28 जून को एनएमसी ने मान्यता निरस्ती का पत्र जारी कर दिया था। इसके बाद 150 सीटों के कालेज में पढ़ाई को लेकर भी उठापठक शुरू हो गई। दरअसल बायोमेट्रिक पंचिंग को लेकर डीन की ओर से जारी दिशा निर्देशों को फैकल्टी ने गंभीरता से नहीं लिया। जब मान्यता निरस्त होने की बात सामने आई तो सभी ने नियमित पंचिंग शुरू कर दी।

मेडिकल कालेज को पांच साल की मान्यता मिल गई है। एनएमसी ने हमारे द्वारा रखे तथ्यों को स्वीकार कर मान्यता का पत्र जारी कर दिया है।

-डा. जितेंद्र गुप्ता।

पर्यटन एवं संस्कृति विभाग के प्रमुख सचिव ने औबेदुल्लागंज में विद्यार्थियों से किया संवाद

रायसेन। औबेदुल्लागंज संवाददाता. प्रमुख सचिव पर्यटन तथा संस्कृति विभाग शिव शेखर शुक्ला तथा कलेक्टर अरविंद दुबे द्वारा स्कूल चलें हम अभियान अंतर्गत जिले के ओबेदुल्लागंज क्षेत्र के स्कूल, छात्रावास का भ्रमण किया गया। उन्होंने विद्यार्थियों से संवाद किया तथा उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं। प्रमुख सचिव शुक्ला ने विद्यार्थियों से संवाद करते हुए कहा कि वह पढ़ाई के दौरान लक्ष्य निर्धारित कर उस दिशा में संकल्प के साथ निरंतर आगे बढ़े। किसी भी प्रकार की परेशानी या कठिनाई आने पर शिक्षकों का मार्गदर्शन लें। उन्होंने मेधावी विद्यार्थियों को पुरुस्कार प्रदान कर सम्मानित भी किया। इसके पश्चात प्रमुख सचिव शुक्ला तथा कलेक्टर दुबे ने आशापुरी में स्व सहायता समूह की महिलाओं द्वारा बनाई जा रही सामग्रियों तथा उत्पादों की प्रदर्शनी का अवलोकन किया। प्रमुख सचिव द्वारा समूह की महिलाओं से आजीविका संबंधी गतिविधियों तथा समूह से जुड़ने के बाद जीवन में आए बदलाव के संबंध में संवाद करते हुए आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित किया गया। प्रमुख सचिव शुक्ला को कलेक्टर अरविंद दुबे द्वारा जिले में एनआरएलएम और आजीविका मिशन की गतिविधियों से अवगत कराया गया। निरीक्षण के दौरान संबंधित अधिकारी भी उपस्थित रहे।

विधायक दिनेश राय मुनमुन मुख्य आतिथ्य में किया गया गंगेरुआ दिघौरी मार्ग का भूमिपूजन

सिवनी- गत 17 जुलाई 2023 को सिवनी विधानसभा क्षेत्र के विधायक दिनेश राय मुनमुन के मुख्य आतिथ्य मे मार्ग का भूमिपूजन कार्यक्रम किया गया।

सिवनी विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत आने वाले ग्राम गंगेरुआ के शासकीय प्राथमिक शाला प्रांगण मे दोपहर 12-00 बजे से आयोजित मार्ग का भूमिपूजन कार्यक्रम विधायक दिनेश राय मुनमुन के मुख्य आतिथ्य मे किया गया। उक्त ग्राम मे आयोजित कार्यक्रम में सहभागिता निभाने पहुंचे श्री राय का ग्रामीण जनों द्वारा पटाखे फोड़कर व फूलमालाओं से भव्य स्वागत कर आगवानी की गयी। इसके पश्चात लगभग 04 करोड़ 30 लाख की लागत से निर्मित किये जाने वाले गंगेरुआ से कोठिया दिघौरी मार्ग का भूमिपूजन मंत्रोच्चार के साथ विधि विधान से विधायक दिनेश राय मुनमुन के शुभ हस्ते किया गया। तदुपरांत मंचीय कार्यक्रम में श्री राय सहित सभी अतिथियों का अंगवस्त्र व श्रीफल भेंटकर आत्मीय स्वागत किया गया। इस अवसर पर राकेश काकू बैस, रुपचंद मोहनानी, फागूलाल अड़माचे सरपंच बिहिरिया गंगेरूआ, श्रीमती रुखसाना बबलू रमजान कुरेशी उपसरपंच, बृजेश राजपूत विधायक प्रतिनिधि, धानसिंह धन्नू बघेल उपसरपंच बंडोल, पीडी यादव, विजय साहू, नीलू नरेश यादव, कृपाल ठाकुर, देवी सिंह ठाकुर, लोमेश शर्मा, नीरज दीक्षित, अनुज दीक्षित, महेश जंघेला सरपंच बांकी, सोनू साहू जुरतरा, सुखलाल जंघेला, दिनेश जंघेला, रामदास जवाहर सतनामी, जाहिद अंसारी, मोहम्मद फारुख ठेकेदार, पूनम तुरकर एसडीओ, सरिता जी उपयंत्री सहित बडी संख्या मे ग्राम वासियों विभागीय अधिकारियों व कर्मचारियों की उपस्थिति रही। उक्त कार्यक्रम के पूर्व मे प्रातः 11-00 बजे विधायक दिनेश राय ग्राम बंडोल की शासकीय माध्यमिक शाला पहुंचे। जहां पर आपने बच्चों से चर्चा कर प्रश्न किये तथा उनके साथ अपने अनुभवों को साझा किया।

मुख्यमंत्रीआज सिवनी पहुंचकर दलसागर स्थित टापू में राजा दलपत शाह की मूर्ति का करेंगे भूमिपूजन

सिवनी- मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान प्राप्त अधिकृत प्रवास कार्यक्रम अनुसार बुधवार 19 जुलाई को अपरान्ह 12.30 बजे भोपाल से हेलीकॉप्टर द्वारा प्रस्थान कर दोपहर 1.30 बजे ग्राम सुकतारा हैलीपेड पहुंचेंगे एवं 1.40 बजे हैलीपेड सुकतारा से कार द्वारा सड़क मार्ग से होते हुए छिंदवाड़ा चौक गणेश मंदिर सिवनी पहुंचेंगे। मुख्यमंत्री श्री चौहान दोपहर 2 से 3 बजे तक जिला मुख्यालय के विभिन्न क्षेत्रों में रोड शो कर जिले वासियों का अभिवादन स्वीकार करेंगें।

रोड शो के दौरान मुख्यमंत्री श्री चौहान छिंदवाड़ा चौक, मठ स्कूल, ढीमरी मोहल्ला चौक, दुर्गा चौक, नेहरू रोड, नगर पालिका चौराहा, बस स्टेंड से होते हुए दल सागर टापू पहुंचेंगे जहां मुख्यमंत्री श्री चौहान राजा दलपत शाह की मूर्ति का भूमि पूजन कर कचहरी चौंक से जय स्तंभ होते हुए दोपहर 3 बजे एमएलबी रोड स्थित कार्यक्रम स्थल पहुंचकर जिले वासियों को संबोधित करेंगे। उपरांत मुख्यमंत्री श्री चौहान कार्यक्रम स्थल से सांय 4.45 बजे हैलीपेड सुकतारा पहुंचेंगे तथा हैलीकॉप्टर से भोपाल के लिए प्रस्थान करेंगे।

पुत्र के जन्मदिन पर मेधावी छात्र-छात्राओं का सम्मान

छतरपुर। समाजसेवा के क्षेत्र में दिन-प्रतिदिन कोई न कोई करने वाले भाजपा के पूर्व जिला अध्यक्ष पुष्पेन्द्र प्रताप सिंह एवं पूर्व नगरपालिका अध्यक्ष अर्चना सिंह के द्वारा अपने पुत्र जयदित्य प्रताप सिंह के जन्म दिवस पर मोटे महावीर स्थित अटल सभागार में छात्र-छात्राओं का सम्मान समारोह आयोजित किया गया। साथ ही निःशुल्क नेत्र शिविर एवं स्वास्थ्य शिविर का भी आयोजन हुआ। इस मौके कक्षा 10वीं के उन छात्र-छात्राओं का सम्मान किया गया जिन्होंने 70 प्रतिशत अंक प्राप्त किए। श्री सिंह ने इस मौके पर कहा कि बच्चों में आत्मविश्वास बढ़ान और उन्हें सामाजिक कार्यों से जोड़ने के लिए इस तरह का आयोजन किया गया है। उन्होंने बताया कि अभी 10वीं तक के शहरी छात्र-छात्राओं का सम्मान किया गया। उसमें नम्बर 01 एवं नम्बर 02,

मॉडल स्कूल सहित गर्ल्स स्कूल शामिल है। उन्होंने बताया कि इसके बाद यह कार्यक्रम ग्रामीण क्षेत्रों में भी आयोजित किया जाएगा। इसके अलावा स्वास्थ्य एवं नेत्र शिविर का आयोजन किया गया। स्कूलों में भी स्वास्थ्य शिविर लगाने की बात कही गई। भाजपा के पूर्व जिला अध्यक्ष पुष्पेन्द्र प्रताप सिंह ने बताया कि प्रतिभावान बच्चों को निखारने के लिए अपने जो यह प्रयास शुरू किया है उससे बच्चें काफी लाभांवित होंगे और उन्हें अपनी प्रतिभा को निखारने का मौका मिलेगा। उन्होंने कहा कि 10वीं परीक्षा में टॉप आने वाले विद्यार्थियों की आधी फीस बालाजी फामेर्सी कॉलेज द्वारा वहन की जाएगी। द्य प्रदेश में बहुत से ऐसे छात्र-छात्राएं है जो उच्च शिक्षा प्राप्त तो करना चाहते है लेकिन आर्थिक रूप से कमज़ोर होने के कारण नहीं कर पाते है। इस परेशानी को देखते हुए राज्य सरकार ने इस मेधावी विद्यार्थी योजना को आरम्भ किया है इस योजना के ज़रिये राज्य के मेधावी विधार्थी को स्नातक स्तर पर उच्च शिक्षा प्राप्त करने के लिए सरकार द्वारा आर्थिक सहायता प्रदान करना।

राष्ट्रपति ने खरगोन जिले को किया भूमि सम्मान से सम्मानित

कलेक्टर के प्रतिनिधि के रूप में डीसी प्रताप अगासिया ने प्राप्त किया प्लेटिनम सम्मान

खरगोन । देश की राष्ट्रपति श्रीमती द्रोपति मुर्मू ने खरगोन जिले को भू- अभिलेखों के डिजिटलीकरण के लिए मंगलवार को नई दिल्ली के विज्ञान भवन भूमि सम्मान 2023 के प्लेटिनम अवार्ड से सम्मानित किया गया। सम्मान पाने पर मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने भी खरगोन कलेक्टर श्री वर्मा सहित प्रदेश के 14 अन्य कलेक्टर्स को बधाई दी है। प्रदेश के कृषि मंत्री और जिले के प्रभारी मंत्री श्री कमल पटेल ने भी फोन पर कलेक्टर श्री वर्मा को जिले को सम्मान दिलाने के लिए बधाई दी है। कलेक्टर व जिला प्रशासन के प्रतिनिधि के रूप में यह सम्मान डिप्टी कलेक्टर श्री प्रताप अगासिया ने प्राप्त किया।

उल्लेखनीय है कि डिजिटल इंडिया भूमि अभिलेख आधुनिकीकरण कार्यक्रम (डीआईएलआरएमपी) के अंतर्गत मुख्य घटकों के लिए संपूर्णता प्राप्त करने में खरगोन में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया गया। भूमि सम्मान योजना विश्वास और साझेदारी पर आधारित केंद्र, राज्य का एक अच्छा उदाहरण है। क्योंकि भूमि अभिलेखों के कंप्यूटरीकरण एवं डिजिटलीकरण की श्रेणी प्रणाली मुख्य रूप से राज्य और केंद्र शासित प्रदेशों की रिपोर्ट और इनपुट पर आधारित होती है इससे भूमि रिकॉर्ड और पंजीकरण की डिजिटलीकरण प्रक्रिया से भूमि विवादों से जुड़े लंबित अदालती मामलों को बड़े पैमाने पर कम करने में मदद मिलेगी इससे भूमि विवादों से जुड़े मुकदमे के कारण रुकी हुई परियोजनाओं की वजह से देश की अर्थव्यवस्था के सकल घरेलू उत्पाद से होने वाले नुकसान में भी कमी आएगी। साथ ही कृषि और किसान कल्याण, रसायन उर्वरक, सार्वजनिक वितरण प्रणाली (पीडीएस), पंचायती राज और वित्तीय संसाधन आदि केंद्र और राज्य सरकार के विभागों के कार्यक्रमों से संबंधित विभिन्न सेवाओं और फायदों की प्रभावशीलता और दक्षता को बढ़ाने में भूमि रिकॉर्ड से संबंधित जानकारी बहुत उपयोगी और प्रभावी हो सकती है। कलेक्टर श्री शिवराज सिंह वर्मा ने भूमि सम्मान से सम्मानित होना ऐतिहासिक उपलब्धि बताते हुए पूरे राजस्व विभाग को बधाई देते हुए क्रेडिट भी दिया है।

म.प्र. पुलिस आवास एवं अधोसंरचना विकास निगम
कार्यालय परियोजना यंत्री, संभाग सागर, भदभदा रोड, भोपाल
क्रमांक/563/तशा/मप्रपुहाका/पर्य/सागर/2023 दिनांक : 14.07.2023

प्रेस विज्ञप्ति

इस कार्यालय द्वारा भोपाल जिले में मरम्मत कार्य हेतु ऑनलाइन निविदा आमंत्रित की जाती है। निविदा क्रमांक 2023_MPPHC_291349_1 दिनांक 24.07.2023 समय 17:00 बजे तक खरीदे जा सकते हैं। विस्तृत निविदा सूचना एवं अन्य विवरण Portal : https://www.mptenders.gov.in पर देखे जा सकते हैं।
म.प्र. माध्यम/110844/2023 परियोजना यंत्री

कार्यालय भोपाल विकास प्राधिकरण
क्रमांक 784 ज.सं./भो.वि.प्रा./ 23 भोपाल, दिनांक 18/07/2023
आम सूचना
सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है, कि प्राधिकरण की साकेत नगर योजना में स्थित भवन क्रं. 18 सेक्टर 2 सी श्री एस.पी. सिंह छोंकर एवं श्रीमती किरन देवी के संयुक्त नाम पर अंकित है। संयुक्त आवंटी में से श्रीमती किरनदेवी का स्वर्गवास दिनांक 24.01.16 हो जाने के कारण आवंटी के वारिस श्री एम.पी.सिंह छोंकर श्री प्रदीप सिंह एवं श्री निपेन्द्र सिंह द्वारा आवेदन पत्र, शपथ पत्र, मृत्यु प्रमाण पत्र वसीयत एवं अन्य दस्तावेज प्रस्तुत कर भवन का नामांतरण अपने नाम पर चाहा गया है।उक्त के संबंध में किसी व्यक्ति/उत्तराधिकारी को कोई आपत्ति हो तो विज्ञप्ति प्रकाशित होने की दिनांक से 7 दिवस के अन्दर लिखित एवं साक्ष्य/दस्तावेजो के साथ के साथ इस कार्यालय को अपनी आपत्ति प्रस्तुत करें। उक्त समयावधि के पश्चात कोई भी दावा/ आपत्ति स्वीकार नहीं की जावेगी, एवं प्राधिकरण नियमानुसार कार्यवाही करने हेतु स्वतंत्र रहेगा।
राजस्व अधिकारी

कार्यालय नगर पालिक निगम भोपाल
वार्ड क्रं. 69 जोन क्रं. 09
सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि जोन कार्यालय क्रंङ 09 नगर निगम भोपाल के निम्न वार्ड कार्यालय 69 से प्राप्त आवेदन पत्रों को आधार पर नियमानुसार शुल्क जमा कराए जाने के पश्चात उनके नाम संपत्तिकर अभिलेखों में परिवर्तित किए जाना है। यदि किसी को भी इन लीज नामांतरण एवं नवीनीकरण पर कोई आपत्ति हो तो अभिलेखों के साथ जोन क्रं. 09 नगर निगम भोपाल में 15 दिवस के अंदर प्रस्तुत कर सकते है। उक्त निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त आपत्ति अमान्य कर दी जावेगी।

क्रं.	वार्ड क्रं.	आवेदक का नाम	पूर्व स्वामी का नाम	भूखण्ड का पता	खाता नं. संपत्ति आई.डी.
1	69	1. मोहम्मद इदरीस पुत्र श्री अब्दुल रेहमान, 2. मोहम्मद सिद्दीकी पुत्र श्री अब्दुल रेहमान	श्री सैय्यद ताहिर अली	436 अशोक बिहार कालोनी अशोका गार्ड भोपाल	

सू.क्रं. 684/023/024
जोनल अधिकारी
जोन क्रं. 09 नगर निगम, भोपाल

आज न्यूमार्केट में निगम किरायदारों को अनुबंध करवाने के लिए मिले नोटिसों के संबंध में ÷न्यूमार्केट व्यापारी संघ÷ के प्रतिनिधि मंडल ने पूर्व मंत्री श्री उमाशंकर गुप्ता से भेंट कर ज्ञापन सौंपा। व्यापारियों के अध्यक्ष प्रदीप गुप्ता ने उनसे इस विषय में मदद करने का निवेदन किया उन्होंने कहा कि चूंकि अपने अपने आवंटन के समय हम सभी प्रीमियम राशि जमा कर चुके हैं और अचल संपत्ति पर एक बार ही प्रीमियम लिया जा सकता है तो अब 30 वर्ष के अनुबंध हेतु निगम द्वारा दोबारा प्रीमियम की मांग अनुचित है, अतः बिना प्रीमियम राशि लिए(क्योंकि हम पहले ही दे चुके) केवल स्टाम्प ड्यूटी लेकर 30 वर्षों का अनुबंध होना चाहिए श्री उमाशंकर जी ने व्यापारियों का पक्ष सुनकर इस विषय में व्यापारियों के समर्थन में निगमायुक्त को पत्र भेजने का आश्वासन दिया है।

थकेला और पकेला ने पर्दे पर पेश किया मैजिक व लॉजिक

मुंबई, एजेंसी। तीन मिलनसार और कुख्यात भूतों - भूत बॉस, थकेला और पकेला का स्वागत करने के लिए हो जाईये तैयार, जो आपके पसंदीदा शो पाप-ओ-मीटर के नए एपिसोड्स में पाप का अंत करने आ रहे हैं। फन-ओ-क्लॉक की टिकटिक शुरू हो चुकी है और यह टीम अपनी शरारतों द्वारा सभी उपद्रवियों को डराने और मुसीबत में पड़े लोगों को अपने जादू से बचाने के लिए फिर से एकजुट हो गई है। तो फिर 'दोस्तों के दोस्त और दुश्मनों के घोस्ट' की मजेदार एवं दिल को छू लेने वाली हरकतें देखने के लिए समय नोट कर लीजिए। पार्क को पार्किंग लॉट में बदलने से बचाने से लेकर बर्फीले पहाड़ की चोटी से अजनबियों को गिरने से बचाने और समस्याओं को हल करने के लिए खाने की लड़ाई जैसी अनेक कोशिशें करते हुए देखिए इन प्रैंकस्टर्स को अपने मंत्र, 'चला करें पाप खत्म' के साथ।

नया ओटीटी प्लेटफॉर्म लॉन्च

मुंबई, एजेंसी। अभी हाल ही में एक नया ओटीटी प्लेटफॉर्म लॉन्च हुआ है क्यूट चनाजोर क्यूट, जो एक बेजोड़ कॉमेडी एक्सपीरियंस प्रदान कर रहा है। चनाजोर के सभी शोज में आपको नए चेहरे ही देखने को मिलेंगे। ये फ्रेश कलाकार हैं जो अभी तक किसी बड़े पर्दे पर या डिजिटल स्क्रीन पर नहीं गए हैं या ज्यादा फेमस नहीं हुए हैं, पर एक्टिंग की इनके अंदर कोई कमी नहीं है और ये किसी को भी अपने निराले अंदाज़ से गुदगुदाने का पूरा दम रखते हैं। चनाजोर पर एक शो है क्यूट भूतिया क्यूट और इसके कलाकार हैं प्रतीक शुक्ला, देव जोशी और कृपा मिश्रा। ये तीनों ही गुजराती थिएटर आर्टिस्ट्स हैं पर इस शो के संवाद और एक्टिंग ऐसी है कि आप हँसते हँसते लोटपोट हो जाएंगे। ठीक इसी प्रकार से क्यूट नहीं आज नहींक्यूट में संजीत धूरी, निहारिका शर्मा और भावेश प्रजापति ने काफी अच्छा काम किया है। क्यूटहम निकम्मा बनाते हैं क्यूट वेब सीरीज जो कि कानपुर के काकादेव में शूट हुई है । इस सीरीज में टेलीविजन के उभरते हुए कलाकार हरवीर सिंह, आशुतोष सेमवाल, अलीशा प्रवीण, रूचि त्रिपाठी, राकेश श्रीवास्तव, संजय चौधरी और प्रतीक सिंह ने काफी अच्छा काम किया है।

चॉयस इंटरनेशनल ने एक और तिमाही में किया उत्कृष्ट प्रदर्शन

मुंबई, एजेंसी। अखिल भारतीय स्तर पर परिचालन करने वाली, वित्तीय सेवा क्षेत्र की प्रमुख कंपनियों में से एक (सीआईएल, चॉयस या कंपनी) चॉयस इंटरनेशनल लिमिटेड (बीएसई-531358, एनएसई-चॉयसइन) ने 30 जून, 2023 को समाप्त होने वाली तिमाही और वर्ष के लिए अपने वित्तीय परिणाम की घोषणा की। चॉयस की तिमाही 139.3 करोड़ रुपये की आय के साथ समाप्त हुई जो वित्त वर्ष '23 की पहली तिमाही के मुकाबले 77प्रतिशत अधिक है। इस तिमाही के लिए हमारा समेकित एबिट्डा और कर पश्चात मुनाफा, क्रमशः 37.6 करोड़ रुपये और 21.3 करोड़ रुपये रहा। चॉयस के ब्रोकिंग कारोबार का प्रदर्शन मज़बूत रहा और इस तिमाही में कंपनी ने 41,000 नए डीमैट खाते जोड़े हैं, जिन्हें मिलकर कुल डीमैट खातों की संख्या 72.1 लाख हो गई।म्यूचुअल फंड कारोबार के लिए एयूएम सालाना स्तर पर 28प्रतिशत की बढ़ोतरी के साथ 405.4 करोड़ रुपये रहा। चॉयस इंश्योरेंस ब्रोकिंग तिमाही-दर-तिमाही लगातार बढ़ोतरी दर्ज कर रही है और वित्त वर्ष 2023-24 की पहली तिमाही में, इस कारोबार ने कुल 33.8 करोड़ रुपये का प्रीमियम हासिल किया, जो साल-दर-साल आधार पर 186प्रतिशत की बढ़ोतरी है।

मैक्सिविज़न आई हॉस्पिटल ने क्वाड्रिया कैपिटल से 1300 करोड़ रुपये तक जुटाए

हैदराबाद, एजेंसी। एशिया की सबसे बड़ी स्वास्थ्य चिकित्सा-केंद्रित निजी इक्विटी फर्मों में से एक, क्वाड्रिया कैपिटल (क्वाड्रिया) ने आज भारत के अग्रणी और सबसे तेजी से बढ़ते निजी नेत्र चिकित्सा क्लीनिक मैक्सिविजन आई हॉस्पिटल (मैक्सिविजन) में 1,300 करोड़ रुपये तक के निवेश की घोषणा की। क्वाड्रिया अल्पांश हिस्सेदारी के लिए लगभग 600 करोड़ रुपये का प्रारंभिक निवेश करेगा तथा अतिरिक्त हिस्सेदारी के लिए 700 करोड़ रुपये तक का और निवेश करेगा, जो नेत्र चिकित्सा सेवाओं के क्षेत्र में सबसे बड़े निवेशों में से एक होगा।

5 वर्षों में 13.5 करोड़ भारतीय बहुआयामी गरीबी से मुक्त हुए

नई दिल्ली,। नीति आयोग के ÷राष्ट्रीय बहुआयामी गरीबी सूचकांकः एक प्रगति संबंधी समीक्षा 2023÷ के अनुसार वर्ष 2015-16 से 2019-21 की अवधि के दौरान रिकॉर्ड 13.5 करोड़ लोग बहुआयामी गरीबी से मुक्त हुए। सुमन बेरी, उपाध्यक्ष, नीति आयोग ने नीति आयोग के सदस्य डॉ. वी.के.पॉल, डॉ. अरविंद विरमानी और बी.वी.आर. सुब्रमण्यम, सीईओ, नीति आयोग की उपस्थिति में सोमवार को रिपोर्ट जारी की।

नवीनतम राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण [एनएफएचएस-5 (2019-21)] के आधार पर राष्ट्रीय बहुआयामी गरीबी सूचकांक (एमपीआई) का यह दूसरा संस्करण दोनों सर्वेक्षणों, एनएफएचएस-4 (2015-16) और एनएफएचएस-5 (2019-21) के बीच बहुआयामी गरीबी को कम करने में भारत की प्रगति को दर्शाता है। इसे नवम्बर 2021 में लॉन्च किए गए भारत के एमपीआई की बेसलाइन रिपोर्ट के आधार पर तैयार किया गया है। अपनाई गई व्यापक कार्य पद्धति वैश्विक कार्य पद्धति के अनुरूप है।

राष्ट्रीय एमपीआई स्वास्थ्य, शिक्षा और जीवन स्तर के तीन समान रूप से भारित आयामों में एक साथ अभावों को मापता है - जो 12 एसडीजी-संरेखित संकेतकों द्वारा दर्शाया गया है। इनमें पोषण, बाल और किशोर मृत्यु दर, मातृ स्वास्थ्य, स्कूली शिक्षा के वर्ष, स्कूल में उपस्थिति, रसोई गैस, स्वच्छता, पेयजल, बिजली, आवास, परिसंपत्ति और बैंक खाते शामिल हैं, सभी में उल्लेखनीय सुधार देखे गए हैं।

रिपोर्ट के अनुसार, भारत में बहुआयामी गरीबों की संख्या जो वर्ष 2015-16 में 24.85त्न थी गिरकर वर्ष 2019-2021 में 14.96त्न हो गई जिसमें 9.89त्न अंकों की उल्लेखनीय गिरावट देखी गई है। इस अवधि के दौरान शहरी क्षेत्रों में गरीबी 8.65 प्रतिशत से गिरकर 5.27 प्रतिशत हो गई, इसके मुकाबले ग्रामीण क्षेत्रों की गरीबी तीव्रतम गति से 32.59 प्रतिशत से घटकर 19.28 प्रतिशत हो गई है। उत्तर प्रदेश में 3.43 करोड़ लोग बहुआयामी गरीबी से मुक्त हुए जो कि गरीबों की संख्या में सबसे बड़ी गिरावट है। 36 राज्यों और संघ राज्य क्षेत्रों और 707 प्रशासनिक जिलों के लिए बहुआयामी गरीबी संबंधी अनुमान प्रदान करने वाली रिपोर्ट से पता चलता है कि बहुआयामी गरीबों के अनुपात में सबसे तीव्र कमी उत्तर प्रदेश, बिहार, मध्य प्रदेश, ओडिशा और राजस्थान राज्यों में हुई है।

एमपीआई मूल्य 0.117 से लगभग आधा होकर 0.066 हो गया है और वर्ष 2015-16 से 2019-21 के बीच गरीबी की तीव्रता 47त्न से घटकर 44त्न हो गई है, जिसके फलस्वरूप भारत 2030 की निर्धारित समय सीमा से काफी पहले एसडीजी लक्ष्य 1.2 (बहुआयामी गरीबी को कम से कम आधा कम करने का लक्ष्य) को हासिल करने के पथ पर अग्रसर है। इससे सतत और सबका विकास सुनिश्चित करने और वर्ष 2030 तक गरीबी उन्मूलन पर सरकार का रणनीतिक फोकस और एसडीजी के प्रति उसकी प्रतिबद्धता का पालन परिलक्षित होता है।

स्वच्छता, पोषण, रसोई गैस, वित्तीय समावेशन, पेयजल और बिजली तक पहुंच में सुधार पर सरकार के समर्पित फोकस से इन क्षेत्रों में महत्वपूर्ण प्रगति हुई है। बहुआयामी गरीबी सूचकांक (एमपीआई) के सभी 12 मापदंडों में उल्लेखनीय सुधार हुआ है। पोषण अभियान और एनीमिया मुक्त भारत जैसे प्रमुख कार्यक्रमों ने स्वास्थ्य में अभावों को कम करने में योगदान प्रदान किया है, जबकि स्वच्छ भारत मिशन (एसबीएम) और जल जीवन मिशन (जेजेएम) जैसी पहलों ने देशभर में स्वच्छता संबंधी सुधार किया है। स्वच्छता अभावों में इन प्रयासों के प्रभाव के परिणामस्वरूप तेजी से और स्पष्ट रूप से 21.8त्न अंकों का सुधार हुआ है। प्रधानमंत्री उज्जवला योजना (पीएमयूवाई) के माध्यम से सब्सिडी वाले रसोई गैस के प्रावधान ने जीवन को सकारात्मक रूप से बदल दिया है, और रसोई गैस की कमी में 14.6त्न अंकों का सुधार हुआ है। सौभाग्य, प्रधानमंत्री आवास योजना (पीएमएवाई), प्रधानमंत्री जनधन योजना (पीएमजेडीवाई) और समग्र शिक्षा जैसी पहलों ने भी बहुआयामी गरीबी को कम करने में प्रमुख भूमिका निभाई है। विशेष रूप से बिजली के लिए अत्यन्त कम अभाव दर, बैंक खातों तक पहुंच तथा पेयजल सुविधा के माध्यम से उल्लेखनीय प्रगति प्राप्त करना नागरिकों के जीवन को बेहतर बनाने तथा सभी के लिए एक उज्ज्वल भविष्य बनाने के लिए सरकार की अटूट प्रतिबद्धता को दर्शाती है। आपस में अत्यधिक जुड़े हुए विभिन्न प्रकार के कार्यक्रमों और पहलों के लगातार कार्यान्वयन से कई संकेतकों में होने वाले अभावों में उल्लेखनीय कमी आई है।

खबर छपने पर तिलमिलाए विधायक ने जिले के दो पत्रकारों के खिलाफ पाँच थानों में कार्यकर्ताओं से दिलवाए आवेदन

आम आदमी पार्टी व काँग्रेस पार्टी ने पत्रकारों की स्वंतत्रता को कुचलने का षड्यंत्र बताते हुए दिया ज्ञापन

बाड़ी । दैनिक सर्च स्टोरी के रायसेन जिला संवाददाता हीरेन्द्र कुशवाहा और बाड़ी के सर्च स्टोरी के संवाददाता विनोद साहू के खिलाफ जिले के पाँच थानों में आवेदन दिए ।

जबकि सर्च स्टोरी में सत्ता और उनसे जुडे लोगों की मनमानी की खबरें प्राथमिकता से छापी जाती हैं । एक दिन पहले ही सर्च स्टोरी सुरेंद्र पटवा की खबर छपी थी । जिससे विधायक सुरेंद्र तिलमिला गये और उन्होंने अपने कार्यकर्ताओं से जिले के उमरावगंज, मड़ीदीप , औबेदुल्लागंज, सुल्तानपुर व बाड़ी थाने में पत्रकारों के खिलाफ आवेदन दिया जिससे जिले में राजनीतिक हलचल मच गई और सुरेन्द्र पटवा के लेनदेन की लिस्ट सोसल मीडिया पर तैरने लगी ।

आम आदमी पार्टी के बाद काँग्रेस पार्टी ने दिया जिले के थानों में आवदेन और एफआईआर रद्द करने की माँग । भाजपा नेताओं द्वारा लोकतंत्र के चौथे स्तंभ पर जबरन कार्यवाही कराने के दबाव में दर्ज एफआईआर रद्द करने की माँग करते हुए सोमवार को मंड़ीदीप के आम आदमी पार्टी के प्रदेश संयुक्त सचिव ओबीसी प्रकोष्ठ मनीष कुमार मालवीय ने आपने साथियों के साथ मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के नाम एक ज्ञापन मंडीदीप थाना प्रभारी को सौंपते हुए एफआईआर निरस्त करने की माँग की ।

मंगलवार को भोजपुर काँग्रेस कमेटी ने बाड़ी थाने में दिया ज्ञापन

मंगलवार को भोजपुर विधानसभा के कार्यकर्ताओं के साथ ब्लॉक काँग्रेस कमेटी ने मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज जी व रायसेन पुलिस अधीक्षक के नाम एक ज्ञापन बाड़ी थाना प्रभारी कपिल गुप्ता को सौपते हुए कहा कि पत्रकारों का काम हैं जनहित के मुद्दों और सत्ताधारी नेताओं के खिलाफ उनकी मनमानी की खबरें छापना , ऐसे में पत्रकारों को परेशान करने से लोकतंत्र की गरिमा व जनहित की खबरों पर लगाम लगाने की नेताओं की मंशा पर विराम लगना चाहिए। ज्ञापन देने में मुख्य रुप से मध्यप्रदेश काँग्रेस महा सचिव ताराचंद साहू , यूथ कांग्रेस के महासचिव युद्धवीर सिंह , मनु सरदार व रजनीश जैन औबेदुल्लागंज , ब्लॉक काँग्रेस कमेटी के अध्यक्ष मनीष ठाकुर, शोयब खान, आकाश पचौरी विपिन भाई गोविंद सिंह ठाकुर, सोनू ठाकुर व जसवंत सिंह मालवीय, अजय कुंडू सहित दर्जनों काँग्रेसी कार्यकर्ता उपस्थित रहे ।

भारत में नई बीएमडब्ल्यू एक्स5 लॉन्च

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत में नई बीएमडब्ल्यू एक्स5 को लॉन्च किया गया। बीएमडब्ल्यू ग्रुप प्लांट चेन्नई में स्थानीय स्तर पर बनाई गई यह कार सभी बीएमडब्ल्यू इंडिया डीलरशिप्स में पेट्रोल और डीजल वैरिएंट्स, दोनों में उपलब्ध है।

डिजाइन में लक्षित बदलावों, स्टेट-ऑफ-द-आर्ट उपकरण, माइल्ड-हाइब्रिड टेक्नोलॉजी, उन्नत इंजन्स और डिजिटल टेक्नोलॉजी में स्पष्ट प्रगति लग्जरी स्पोर्ट्स एक्टिविटी व्हीकल श्रेणी में इस कामयाब बीएमडब्ल्यू मॉडल के विकास में अगले चरण के संकेत हैं।

विक्रम पावाह, प्रेसिडेंट, बीएमडब्ल्यू ग्रुप इंडिया ने कहा कि, जब आप नई बीएमडब्ल्यू एक्स5 ड्राइव कर रहे होते हैं, तब आपका आत्मविश्वास सभी सीमाओं को पार कर जाता है। श्रेणी में सबसे दमदार कार, नई बीएमडब्ल्यू एक्स5 सबसे अलग और शानदार है। सड़क पर प्रभावी उपस्थिति दिखाते हुए, इसका आत्मविश्वासपूर्ण कद एक स्थायी प्रभाव छोड़ता है। नया शिल्प से बना इसका आरामदायक अंदरूनी हिस्सा स्टेट-ऑफ-द-आर्ट टेक्नोलॉजी से भरपूर है, जो इसे बेमिसाल सुन्दरता प्रदान करती है और यह नई बीएमडब्ल्यू एक्स5 हमेशा की तरह सुविधाजनक और सम्मोहक लगती है। इसमें श्रेणी में वैश्विक मार्केट लीडर के रूप में इसकी स्थिति को मजबूत करने के लिए जरूरी सभी चीजें हैं। नई बीएमडब्ल्यू एक्स5 न केवल उच्च मानदंडो की माँग करती है बल्कि उन पर खरी भी उतरती है, जिसकी बदौलत सफर के हर मील के साथ इसे आपका सम्मान मिलता है।

इनवॉइस बनाने के समय प्रचलित कीमत लागू होंगी। एक्स-शोरूम प्राइस में यथा प्रयोज्य कम्पेन्सेशन सेस सहित शामिल है लेकिन इसमें रोड टैक्स, टैक्स कलेक्टेड ऐट सोर्सए आरटीओ स्टैटूटरी टैक्सेस/फीस, अन्य लोकल टैक्स सेस लेवीज और इन्श्योरेन्स सम्मिलित नहीं हैं। कीमत/विकल्पों में किसी पूर्व सूचना के बिना परिवर्तन हो सकता है। अधिक जानकारी के लिए ऑथराइज्ड बीएमडब्ल्यू डीलर से संपर्क करें। न्यू बीएमडब्ल्यू एक्स5 निम्नलिखित मैटेलिक पेंट्स में उपलब्ध हैः ब्रूक्लिन ग्रे, कार्बन ब्लैक, मिनरल वाइट, स्काईस्क्रैपर ग्रे, टैंजेनाइट ब्लू और ब्लैक सफायर। न्यू बीएमडब्ल्यू एक्स5 में निम्नलिखित संयोजनों के साथ बीएमडब्ल्यू इंडिविजुअल एक्सटेंडेड लेदर ट्रिम 'मेरिनो अपहोल्स्ट्री उपलब्ध है - ड स्पोर्ट वैरिएंट पर टाट्यूफे । ब्लैक ऐंड आइवरी वाइट । ब्लैक। गलाइन वैरिएंट में स्टैंडर्ड के रूप में डेकर स्टिचिंग और कॉग्नैक शेड के साथ छिद्रयुक्त सेन्सेफिन अपहोल्स्ट्री की विशेषता है।

बीएमडब्ल्यू सर्विस इन्क्लुसिव और बीएमडब्ल्यू सर्विस इन्क्लुसिव प्लस नई बीएमडब्ल्यू एक्स5 के साथ विकल्प के रूप में उपलब्ध हैं। इन सेवा पैकेजों में 3 लते ध् 40ए000 ाडे से लेकर 10 लते ध् 2ए00ए000 ाडे तक योजनाओं के विकल्प के साथ कंडीशन बेस्ड सर्विस और मेंटिनेन्स वर्क शामिल हैं।

भोपाल उत्सव मेला समिति द्वारा स्कूलों में छात्र-छात्रा कल्याण कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे है।

The Managing Director
MPIDC Arera Hills,
Bhopal,

Subject: Suggestions for EDB (Ease of Doing Business) Conclave on 04.08.2023

Dear Sir,

I hope this letter finds you in good health and high spirits. I am writing to share some suggestions for the upcoming Ease of Doing Business (EDB) Conclave scheduled for 04.08.2023. As a past chairman of CII and a concerned stakeholder in the industrial development of Madhya Pradesh, I believe these recommendations can significantly enhance the effectiveness and outcome of the conclave.

The primary objective of the EDB Conclave should be to foster a result-oriented environment and provide actionable solutions for industrial growth in the state. To achieve this, I propose the following:

1. Streamlined Conclave Format: To ensure the conclave's efficiency, I suggest eliminating lengthy inauguration formalities and PowerPoint presentations by different agencies. Instead, let the business sessions begin immediately, focusing on department-wise discussions. At the conclusion of each session, there should be a provision for final decisions to be made by the respective departments involved. This will help avoid the common scenario where conferences merely collect suggestions without any subsequent action by the authorities.

2. Prioritization of Departments: Inviting all departments without considering their decision-making abilities may lead to delays and inefficiencies. It is crucial to prioritize the departments that play a major role in industrial development and can make immediate decisions. This will enable a swift resolution of issues and contribute to the overall success of the conclave.

Now, allow me to highlight some specific concerns and recommendations related to certain departments:

1. Local Self Govt and Urban Development: The process of obtaining map approvals in municipal areas governed by industrial zones is excessively complicated, involving over 45 steps. Moreover, the imposition of property tax and trade license fees by municipal bodies is burdensome for industries. I propose simplifying the map approval system and addressing the issue of property tax and trade license fees to make it more conducive for industrial growth.

2. Labour Department and License Renewal: The fee structure and validity period for license renewals are concerning for industries. Considering that the Honourable Chief Minister has already announced a ten-year validity for all licenses and certificates, it is crucial for the Labour Department to begin issuing ten-year licenses with reduced fees. Additionally, the state's fee for the Factory license is the highest in the country, it increase 30% every three year and I urge a review of this to promote a competitive business environment.

3. Building Cess from Factories: The imposition of building cess on factories, given their significant role in employment generation and revenue contribution, should be reevaluated. Either the assessment system should be abolished, or it should be charged based on the expenditure shown in the balance sheet to provide more reasonable and fair terms for the industrial sector.

4. Food and Drugs Administrations (FDA): Certificates like GLP (Good Laboratory Practice) should have a longer validity, ideally for five years, to reduce administrative burdens for industries.

Additionally, I suggest dedicating a separate one-hour session to address FDA-related issues, enabling detailed discussions and problem-solving.

5 Obtaining Fire NOC (No Objection Certificate) for business establishments, factories, hotels, and educational institutions located outside municipal limits. The current process involving multiple departments lacks coordination, leading to significant delays and uncertainty for applicants. I humbly request your attention to this matter and propose measures to streamline and expedite the Fire NOC issuance process.

Currently, the process of obtaining a Fire NOC involves coordination among five departments, including the collector, SDM, Patwari, Revenue Inspector, PHE (Public Health Engineering) Department, and Panchayat & Urban Development Department. Such a complicated and fragmented system often results in excessive waiting periods and no defined time limits for completion, causing frustration and hindrance for businesses and institutions in planning their operations.

To address this issue, I propose the following solutions:

(i) Centralized Application System: Establish a centralized application system for Fire NOC issuance, accessible online, or through a dedicated office. This centralized system will enable applicants to submit their applications and necessary documents in one place, eliminating the need for manual transfer among different departments.

(ii) Interdepartmental Coordination: Implement a robust interdepartmental coordination mechanism, where all concerned departments collaborate efficiently to process Fire NOC applications

(iii) Time-Bound Approvals: Set clear time limits for each department involved in the Fire NOC issuance process. By defining specific timelines for processing applications at each stage, we can ensure accountability and prompt decision-making.

(iv) Simplified Documentation: Standardize and simplify the required documentation for Fire NOC applications. Clear guidelines should be provided to applicants, and unnecessary paperwork should be eliminated to expedite the process.

I sincerely hope that you will consider these suggestions and incorporate them into the planning and execution of the EDB Conclave. By adopting these measures, we can ensure a more productive and outcome-oriented event that truly contributes to the growth of industries in Madhya Pradesh.

Thank you for your time and attention to these matters. I am looking forward to witnessing the positive impact of these changes during the conclave.

Warm regards,
Dr. R. S. Goswami
Past Chairman, CII
President FMPCCI

भारी से बहुत भारी बारिश होने की संभावना

छिंदवाड़ा। भोपाल द्वारा जारी मौसम पूर्वानुमान से प्राप्त जानकारी के अनुसार अगले 120 घंटो के दौरान (19 से 23 जुलाई 2023) घने बादल रहने एवं दिनांक 19.07.2023 एवं 23.07.2023 को भारी से बहुत भारी बारिश और दिनांक 20.07.2023-22.07.2023 को भारी से मध्यम बारिश एवं गरज के साथ बिजली चमकने की संभावना है । अधिकतम तापमान 29-32 डिग्री सेन्टीग्रेट एवं न्यूनतम तापमान 21-22 डिग्री. सेन्टीग्रेट के मध्य रहने की संभावना है । अधिकतम सापेक्षित आर्द्रता 91-95 प्रतिशत एवं न्यूनतम सापेक्षित आर्द्रता 70-83 प्रतिशत रहने की संभावना है । आने वाले दिनों में हवा पश्चिम दिशा में बहने एवं 12-16 कि. मी. प्रति घंटे की गति से चलने की संभावना है ।

युवा मुख्यमंत्री सीखो कमाओ-योजना का लाभ उठायें

छिंदवाड़ा। भाजपा जिला अध्यक्ष विवेक बंटी साहू के निर्देशानुसार भाजपा नगर युवा मोर्चा के कार्यकर्ता विभिन्न कोचिंग संस्थानों में पहुंचे और मुख्यमंत्री सीखों कमाओं-योजना की जानकारी दी । इस अवसर पर भाजपा नगर युवा मोर्चा अध्यक्ष बिट्टू विवेक मंडराह ने बताया कि प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान द्वारा युवाओं के भविष्य संवारने के लिए मुख्यमंत्री सीखो कमाओ योजना में युवाओं को विभिन्न क्षेत्रों में प्रशिक्षण दिलवाया जाएगा। मुख्यमंत्री सीखो कमाओ योजना के माध्यम से मध्य प्रदेश सरकार प्रदेश के युवाओं को उनके कौशल और प्रशिक्षण का संवर्धन करने में मदद कर रही है ताकि वे अच्छेरोजगार के अवसरों का लाभ उठा सकें। इस योजना के तहत स्टाइपेंड 12 वी क्लास पास युवाओं को 8000 रुपये, आईटीआई पास किए हुए युवाओं को 8500 की राशि, डिप्लोमा पास करने वाले छात्रों को 9000 की राशि एवं उससे अधिक शिक्षा रखने वाले विद्यार्थी को 10000 की राशि प्रदान किया जाएगा । इस अवसर पर मुख्य रूप से रवि मालवी, रुपेश कैथवास, आकाश डोले, संकेत पांडे, राजा साहू, नितिन राऊत, शुभम बेले सहित युवा मोर्चा के कार्यकर्ता उपस्थित हुए ।

जैन मुनि की निर्मम हत्या के विरोध

छिंदवाड़ा। कर्नाटक बेलगावी जिले में जैन मुनि कामकुमार नंदी जी की हत्या कर दी गई, और मृत शरीर को कई भागों में काटकर बोरबेल में फेंक दिया, इससे संपूर्ण विश्व के जैन समाज में आक्रोष व्याप्त है । इस घटना के विरोध में सकल जैन समाज द्वारा कल दिनांक 20 जुलाई दिन गुरूवार को शांति पूर्वक आक्रोष रैली निकालकर राष्ट्रपति, राज्यपाल, प्रधानमंत्री एवं गृहमंत्री सहित कर्नाटक प्रदेश के मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौपेंगा । उक्ताशय की जानकारी गोला पूरब समाज अध्यक्ष सुजीत जैन, महामंत्री पंकज पाटनी ने देते हुये बताया कि इस रैली में समर्थन के लिये सकल जैन समाज ने सभी धार्मिक और सामाजिक एवं राजनैतिक संगठनों से अपील की है । रैली दिनांक 20 जुलाई 2023 दिन गुरूवार को प्रातः 10 बजे स्थानीय तारण तरण भवन, छोटी बाजार से प्रारंभ होकर मेन रोड, अहिंसा स्थली, फब्बारा चैक, जेल तिराहा, सत्कार तिराहा से कलेक्ट्रेट कार्यालय पहुँचकर ज्ञापन सौंपा जायेगा । उन्होनें पुनः समस्त सामाजिक बंधुओं एवं सभी धार्मिक, सामाजिक एवं राजनैतिक संगठनों से अपील की है, इस अवसर पर अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर सरकार पर दोषियों के विरूद्ध त्वरित कार्यवाही करने दबाव बनाने हेतु सहयोग करें ।

प्रदेश सरकार द्वारा स्वीकृत निस्तारी तालाबों को लोकार्पण किया

जुन्नारदेव। विधानसभा के पूर्व प्रत्याशी आशीष ठाकुर पंद्राम एवं पूर्व विधायक नत्थनशाह कवरेती के मुख्य आतिथ्य में भाजपानीत प्रदेश सरकार के द्वारा चलाए जा रहे गौरव पर्व का कार्यक्रम ग्राम पंचायत बिछुआ खुर्द में संपन्न हुआ। इस अवसर पर नेता द्वय आशीष ठाकुर पंद्राम एवम नत्थनशाह कवरेती ने ग्रामीणों के बीच प्रदेश सरकार द्वारा चलाई जा रही जनकल्यानकारी योजनाओं को जनता के बीच रखा एवं प्रदेश सरकार द्वारा स्वीकृत निस्तारी तालाबों को लोकार्पण किया। गौरव पर्व आयोजन में मुख्य रूप से जुन्नारदेव विधानसभा पूर्व प्रत्याशी आशीष ठाकुर पंद्राम, पूर्व विधायक नत्थनशाह कवरेती , ग्राम सरपंच राकेश टेकाम, उपसरपंच मंजीत नर्रे, वरिष्ठ भाजपा नेता आलोक श्रीवास्तव,सूरज चौधरी, अनुराग यादव , आदि उपस्थित रहे।।

अतिथि शिक्षकों के भरोसे चल रहे काराघाट के स्कूल

छिंदवाड़ा। पांढुर्ना विकासखंड की ग्राम पंचायत काराघाट कामठी मैं शिक्षा विभाग द्वारा संचालित मिडिल स्कूल हाई स्कूल और हायर सेकेंडरी स्कूल विगत 3 वर्षों से अतिथि शिक्षकों के भरोसे चल रहा है बच्चों को भविष्य देखते हुए ग्राम पंचायत काराकाट काम की जय पदाधिकारियों और ग्रामीणों ने छिंदवाड़ा कलेक्ट्रेट पहुंचकर नियमित शिक्षकों की पदस्थापना हेतु कलेक्टर से जनसुनवाई में गुहार लगाई ग्रामीणों का कहना है कि हमारे ग्राम काराघाट कामठी में कक्षा 6वीं से 12वी तक स्कुल संचालित है किंतु विगत 3 वर्षों से इस संस्था में एक भी नियमित शिक्षक पदस्थ नहीं है । हमारे बच्चों का भविष्य अंधकार में है। शीघ्र ही शिक्षको की नियुक्ति कि जाये या इस संस्था को बंद करा दिया जाये क्योकि इस संस्था मे एक शिक्षक न होने के कारण विगत 3 वर्षों से रिजल्ट खराब है इस प्रकार कि स्थिति में बच्चों को स्कुल भेजना या नहीं भेजना एक बराबर होगा।ग्रामीणों की मांग है कि शा.उ.मा.वि. काराघाट कामठी में विषयवार शिक्षकों की पदपुर्ति किये जाने कि कृपा करेंगे तो अति दया होगी ग्रामीणों ने बताया कि छठवीं से बारहवीं तक के स्कूलों में विद्यार्थियों की संख्या 350 है दूसरे ग्राम में पदस्थ प्राथमिक शिक्षक को प्रभारी प्राचार्य बनाया गया है 3 वर्षों से सभी कक्षाएं अतिथि शिक्षकों के भरोसे चल रही है इस अवसर पर सरपंच ग्राम पंचायत काराघाट, कामठी, उपसरपंच भगवानसा उइके, प्रेमसिंग, बसन्त डोगर (पंच), राधे श्याम गोयते बाजेराव देशमुख , सहित सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित थे।

बच्चों को टी सी दिलाने के आवेदन भी आते है कलेक्टर के पास

जनसुनवाई कलेक्ट्रेट में सुनी गई 163 आवेदकों की समस्याएं

छिन्दवाड़ा। राज्य शासन के जनसुनवाई कार्यक्रम के अंतर्गत प्रति सप्ताह मंगलवार को आम नागरिकों की समस्याओं की सुनवाई की जाती है और संबंधित विभाग के अधिकारियों से इन समस्याओं का त्वरित निराकरण कराया जाता है । कलेक्टर श्रीमती शीतला पटले ने जनसुनवाई कार्यक्रम के अंतर्गत कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित जनसुनवाई में 163 आवेदकों की समस्यायें सुनी। इस दौरान जिले के शहरी और ग्रामीण, दूरस्थ अंचलों से आये आवेदकों ने सामूहिक और व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होकर अपनी समस्याओं के निराकरण के लिये आवेदन प्रस्तुत किये। जनसुनवाई में मुख्य रूप से अनुकंपा नियुक्ति दिलाने, सीमाकंन व बंटवारा करने, प्रधानमंत्री आवास योजना की राशि दिलाने, भूमि का कब्जा दिलाने व आवासीय पट्टा प्रदाय करने, अवैध कब्जा हटाने, ट्रांसफार्मर का लोड बढ़ाने, पुलिया निर्माण करने, प्रसूति सहायता राशि दिलाने, आर्थिक सहायता दिलाने आदि से संबंधित आवेदन प्राप्त हुये। जनसुनवाई के दौरान आवेदकों के बैठने की व्यवस्था भी की गई थी ।

कलेक्टर श्रीमती पटले ने विभिन्न आवेदनों में तत्काल प्रकरण नोट कराते हुए तत्परता के साथ निराकरण करने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिये। उन्होंने कई प्रकरणों को समय सीमा की बैठक में समीक्षा के लिये भी चिन्हांकित किया। जनसुनवाई कार्यक्रम में ग्राम बीजकवाड़ा के कारेलाल उईके व श्रीमती आनंदी उईके ने वृध्दावस्था पेंशन दिलाने, तामिया के श्री बालाराम दास ने समयमान वेतनमान का लाभ दिलाने, ग्राम जमुनिया के श्री राहुल शेंडे ने अनुकम्पा नियुक्ति दिलाने, चांद के सुदामा उईके ने स्कूल से बच्चों की टी.सी.दिलाने, ग्राम खैरवाड़ा की श्रीमती भागवती बाई ने भूमि से अवैध कब्जा हटाने, ग्राम बांकामुकासा के श्री अनिल मालवीय ने बैंक से बीमा राशि दिलाने, ग्राम गौरपानी की कुमारी सीमा धुर्वे ने अनुकम्पा नियुक्ति दिलाने, ग्राम हीरावाड़ी की श्रीमती लता पारधे ने घरेलू विद्युत कनेक्शन की राशि माफ करने, ग्राम बिंदरई के ग्रामवासियों ने रोहनाकला से बिंदरई मार्ग पर पुलिया निर्माण कराने, ग्राम मेघदौन के ओमप्रकाश सोनी ने संबल योजना के अंतर्गत अनुग्रह सहायता राशि दिलाने, छिंदवाड़ा नगर की श्रीमती दुर्गा करानिया ने प्रधानमंत्री आवास योजना की राशि दिलाने, कुमारी नेहा बागड़े ने अवैध निर्माण कार्य और अतिक्रमण हटाने, श्रीमती ज्योति सिंह ने बच्चे की 8वीं की टी.सी. और मार्कशीट दिलाने व श्री भारत पवार ने गरीबी रेखा की सर्वे सूची में नाम दर्ज कराने, तामिया की श्रीमती सुकबती डेहरिया ने पुत्र का आकस्मिक निधन होने पर आर्थिक सहायता दिलाने आदि के आवेदन प्रस्तुत किये। इस दौरान कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्री पार्थ जैसवाल, अपर कलेक्टर श्री ओ.पी.सनोडिया, एसडीएम छिंदवाड़ा अतुल सिंह व डिप्टी कलेक्टर सुधीर जैन सहित विभिन्न विभागों के जिला स्तरीय और संबंधित अधिकारियों द्वारा भी आवेदनों पर सुनवाई की गई, जबकि अन्य सभी खंड स्तरीय अधिकारी वीसी के माध्यम से शामिल हुये।

खापाकला, सुसरई एवं पुलपुलढोह में 90 लाख रूपये के विकास कार्यों का किया लोकार्पण

भाजपा जिलाध्यक्ष की उपस्थिति में हुआ लाडली बहना योजना का सम्मेलन

छिंदवाड़ा। प्रदेश के यशस्वी शिवराज सिंह चौहान के निर्देश पर पूरे मध्यप्रदेश में 16 जुलाई से 14 अगस्त तक विकास पर्व मनाया जाएगा जिसमें 2 लाख करोड़ के विकास कार्यो के भूमिपूजन एवं लोकार्पण किया जाएगा इसी कड़ी में छिंदवाड़ा विधानसभा में भाजपा जिलाध्यक्ष ने छिंदवाड़ा ग्रामीण के ग्राम खापाकला, सुसरई एवं पुलपुलढोह पंचायत में 90 लाख रूपये के विकास कार्यो का भूमिपूजन किया । ग्राम खापाकला, सुसरई एवं पुलपुलढोह में लाडली बहना योजना का सम्मान कार्यक्रम भाजपा महिला मोर्चा जिलाध्यक्ष श्रीमती गरिमा दामोदर, ग्रामीण मंडल अध्यक्ष श्रीमती लीला बजोलिया, महामंत्री फुलेश सूर्यवंशी, सोनकुमारी उईके एवं भाजपा छिंदवाड़ा ग्रामीण की बहने एवं लाभार्थी लाडली बहनों की उपस्थिति तथा भाजपा जिलाध्यक्ष की अध्यक्षता में कार्यक्रम हुआ । लाडली बहना सम्मेलन में उपस्थित बहनों को संबोधित करते हुए श्री साहू ने कहा कि यह भारतीय जनता पार्टी की सरकार में बहनों को 1000 रूपये प्रतिमाह मिल रहे है जो कि आगामी समय में शिवराज सरकार बढ़ाकर 3000 रूपये प्रतिमाह तक देगी। भाजपा सरकार ने बहनों को ध्यान में रखते हुए लाडली लक्ष्मी योजना, लाडली बहना योजना सहित अन्य योजनाओं के माध्यम से उन्हें सशक्त बनाने का काम कर रही है। उक्त कार्यक्रमों में प्रमुख रूप से भाजपा नेता राजू नरोटे, दिनेशकांत मालवीय, भाजपा छिंदवाड़ा ग्रामीण मंडल अध्यक्ष संतकुमार यदुवंशी भाजपा नेता बलवान चौरिया, घनानन्द पटेल, जीत पटेल, रमाकांत पटेल, भगवंत पटेल, सूर्यभान पटेल, जुगल यादव, रविन्द्र सरेयाम, ओमप्रकाश यादव, धर्मेन्द्र चौधरी, मनीष साहू, मनोहर शिवहरे, शिवनंदन पटेल, राधेश्याम पटेल, नेरसिंह पटेल, मंत्री लक्ष्मी साहू, जया विश्वकर्मा, अभिलाषा चौरे, प्रतिभा कपाले, ज्योति यादव, शोभा रघुवंशी, मंजू सराठे, अभिलाषा चौरे, सुनीता सोनी सहित बड़ी संख्या में क्षेत्रवासी एवं लाभार्थी लाडली बहने उपस्थित रही ।

वन जन कला शिविर का आयोजन 18 से 25जुलाई तक

छिदंवाड़ा/तामिया। महाकवि कालिदास की रचनाओं पर केन्द्रित जनजातीय लोकशैली पर आधारित चित्रांकन वनजन कला शिविर श्रावण शुक्ल प्रतिपदा से सप्तमी, सं. 2080 (18 से 25 जुलाई, 2023) का शुभारंभ मोटल तामिया में हुआ। इस शिविर में कालीदास संस्कृत अकादमी उज्जैन संस्कृति विभाग उज्जैन की उपनिदेशक डॉ योगेश्वरी फिरोजिया 2022 में पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविद के हस्ते पद्मश्री सम्मान प्राप्त गोंड़ कला की चित्रकार श्रीमती दुर्गा व्याम,भोपाल,शिखर सम्मान प्राप्त नर्मदाप्रसाद तेकाम,शिखर सम्मान प्राप्त सुश्री अन्देश केरकेट्टा, भोपाल,अंर्तराष्ट्रीय स्तर पर गोंड़ चित्रकला को ले जाने वाले जनगढ़ सिंह श्याम की धर्मपत्नी श्रीमति नंदखुशिया श्याम भोपाल,सुश्री रोशनी व्याम, भोपाल सुश्री ज्योति उईक पाटनगढ़ शजुनेश गमांगों, गुनुपुर, रायगढ़ ओडिसा बिनायो गमांगो,धर्मांगो साबर,जोगी सबर, कोदान्दा सबर ओडिसाजैसे कलाकार शिविर में प्रशिक्षण देंगे। मोटल तामिया छिन्दवाड़ा (मप्र) में संस्कृति विभाग एंव कालिदास संस्कृत अकादमी म.प्र. संस्कृति परिषद्, उज्जैन का प्रतिष्ठापूर्ण आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ जनपद अध्यक्ष श्रीमती तुलसा ईश्वर परतेती, उपाध्यक्ष सुधीर अहके,जनपद सदस्य पार्वती डेहरिया, शकुंतला मर्सकोले,जगदीश उइके, ग्राम पंचायत तामिया उप सरपंच दुर्गाप्रसाद बल्लू सोनी, ट्राइब्स स्केप एंव पीटीआईसी प्रमुख पवन श्रीवास्तव, पातालकोट की रसोई प्रमुख श्रीमति तुलसा श्रीवास्तव, समाजसेवी संजय धुर्वे, मो.एजाज, आकाश मंडराह, नितिन दत्ता की उपस्थिति में हुआ।

निस्तारी तालाब का लोकार्पण

परासिया। विधानसभा के ग्राम पंचायत झुर्रेमाल में मध्यप्रदेश विकास पर्व 2023 अमृत सरोवर योजना के अंतर्गत निस्तारी तालाब निर्माण कार्य का लोकार्पण कार्यक्रम झुर्रेमाल के मेहरा कोलानाला में सम्पन्न हुआ। जिसकी लागत 16.45 लाख रुपये है।जिससे किसानो को सिंचाई में भरपुर लाभ मिलेगा।लोकार्पण समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में पूर्व विधायक ताराचंद बाबरिया शामिल हुए। कार्यक्रम में मंडल अध्यक्ष देवी पाल,जनपद सदस्य शान्ति उइके, मायावारी सरपंच रिंकू डेहरिया, डॉ. अरुण राव, राजकुमार सिंह(पिंटु),अजय प्रताप शाही(उपसरपंच),जय पटेल, दीपक धुर्वे, नरेश चंद्रवंशी, यश कैथवास,मनोज निषाद,निरंजन तिवारी,राहुल मालवी,अर्जुन चंद्रवंशी, आँगनवाड़ी कार्यकर्ता तथा ग्रामीण उपस्थित थे।

नागपुर में नितिन गडकरी से मिला रेल विकास मंच

सेवाग्राम को छिंदवाड़ा से एवं छिंदवाड़ा-ईतवारी को अजनी तक बढाये जाने की मांग

छिंदवाड़ा। रेल विकास मंच छिंदवाड़ा का प्रतिनिधी मंडल रेल संबंधी समस्याओं एवं सुझावों के लिए केन्द्रीय सड़क मंत्री नितिन गड़करी से नागपुर में मिला। प्रतिनिधी मंडल में संयोजक डॉ. पी.एस.भाटिया, अरूण कुमार जैन, देवेन्द्र चौहान, अशोक साहू, चन्द्रकान्त शाह(मल्लू)जितेन्द्र कुमार वटाविया, ईश्वर हटवार एवं गजेन्द्र खरसे शामिल थे। प्रतिनिधी मंडल ने सेवाग्राम एक्सप्रेस को छिंदवाड़ा से चलाने की है, जो वर्तमान में नागपुर से मुम्बई चलती है और दिनभर नागपुर के यार्ड में खड़ी रहती है। छिंदवाड़ा-ईतवारी पैसेन्जर को नागपुर मुख्य स्टेशन एवं अंजनी रेल्वे स्टेशन तक बढाये जाने की मांग की है। अजंनी तक रेल जाने से रोगियों के लिए यह ट्रेन फायदे मंद होगी। रेल विकास मंच ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को पत्र लिखकर मांग की है छिंदवाड़ा में पिट लाईन (वाशिंग स्टेशन)बनाया जावे। जिससे नागपुर-आमला-जबलपुर में खड़ी होने वाली ट्रेनों की सफाई छिंदवाड़ा में हो सके।

अभी तक 465.5 मि.मी. औसत वर्षा दर्ज

छिन्दवाड़ा। जिले की औसत वर्षा 1059 मि.मी. है तथा जिले में अभी तक 465.5 मि.मी.औसत वर्षा दर्ज की गई है, जबकि गत वर्ष इस अवधि तक 677.4 मि.मी.औसत वर्षा दर्ज की गई थी। जिले में 18 जुलाई को प्रातः 8 बजे समाप्त 24 घंटों के दौरान 11 मि.मी.औसत वर्षा दर्ज की गई है। अधीक्षक भू-अभिलेख ने बताया कि 18 जुलाई को प्रातः 8 बजे समाप्त 24 घंटों के दौरान तहसील छिंदवाड़ा में 1.6, मोहखेड़ में 0.3, तामिया में 10, अमरवाड़ा में 2, हर्रई में 17.4, पांढुर्णा में 13.4 बिछुआ में एक, परासिया में 45.1, जुन्नारदेव में 27.2, चांद में 0.4 और उमरेठ में 24.8 मि.मी. वर्षा दर्ज की गई है।

मारपीट के आरोपी को 3 माह का कारावास एवं जुर्माना

अमरवाड़ा। न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी अमरवाड़ा श्रीमान परमानंद सनोडिया के न्यायालय द्वारा प्रकरण क्र. 430/2018 थाना अमरवाड़ा के अपराध क्रमांक 547/2018 के आरोपी सुनील पिता आशाराम डेहरिया उम्र 53 वर्ष निवासी ग्राम - पेठदेवरी थाना अमरवाड़ा आरोपीको धारा 323 भा.द.वि. में 3 माह का साधारण कारावास रू. 100 अर्थदंड़ से दण्डित किया गया। प्रकरण में म.प्र.राज्य की ओर से सहायक जिला लोक अभियोजन अधिकारी कुलदीप सिंह बैस के द्वारा पैरवी की गई।

घटना का संक्षिप्त विवरण इस प्रकार है- कि दिनांक 06/11/2018 को करीब 2ः00 बजे दिन में प्रार्थी भैंस चराने के लिए खेत गई थी। भैंस खेत में चर रही थी उसी समय बगल खेत वाला सुनील डेहरिया उसके खेत की तरफ से बुरी बुरी मां- बहन की गंदी गंदी गालियां देते हुए प्रार्थी के तरफ आया और कहने लगा हमारे खेत में भैंस क्यों चरा रही है तो प्रार्थी ने उसके खेत में भैंस नहीं जाना कहीं तो गाली देते हुए लाठी से बाएं हाथ की भुजा, दाहिने हाथ की भुजा और सिर में मारा चोट आई। प्रार्थी को मारपीट करते हुए सुनील डहेरिया कह रहा था कि अगर दोबारा खेत में मवेशी लाएगी तो जान से खत्म कर देगा। प्रार्थी वही गिर गई थी, फिर प्रार्थी ने उसके पति को आवाज देकर चिल्लाई तो प्रार्थी का पति घर से दौड़ते हुए आया। प्रार्थी की उक्त रिपोर्ट पर थाना अमरवाड़ा मे अपराध पंजीबद्ध कर, अनुसंधान पश्चात माननीय न्यायालय के समक्ष अभियोग पत्र प्रस्तुत किया गया। अभियोजन की ओर से प्रस्तुत साक्ष्य एवं तर्कों से सहमत होकर माननीय न्यायालय ने आरोपी को दोषसिद्ध पाकर उपरोक्त दंड से दंडित किया।

एन एस यु आई ने मुख्यमंत्री शिवराज सिंह का पुतला दहन कर पटवारी भर्ती घोटाले का विरोध किया

सौसर। युवा बेरोजगार के साथ निरंतर हो रहे अन्याय व्यापम घोटाले एव हाल में हुये पटवारी भर्ती की जाच एव दोषीयों पर कार्यवाही नहीं होने पर सौसर एनएसयुआई ने मुख्यमंत्री का पुतला दहन कर विरोध प्रदर्शन किया जिला अध्यक्ष अजय सिंह ठाकुर के नेतृत्व में ब्लॉक कांग्रेस कार्यालय से तहसील मुख्यालय तक रैली निकालकर राज्यपाल के नाम तहसील दार को ज्ञापन सौंपा विधानसभा अध्यक्ष जीम्मी टाकभवरे, ब्लॉक अध्यक्ष प्रशांत धुर्वे के एन एस यु आई के कार्यकर्ता उपस्थिति थे ब्लॉक अध्यक्ष केशव बोढे कार्य अध्यक्ष संदीप भकने कार्य अध्यक्ष अतुल जुननकर अनिल ठाकरे नामदेव इवनाति उत्तम कारोकार आशु फसाटे विलास बुले शाहीद सिद्दकी जिला एन एस यु आई पदाधिकारी नितिन डेहरिया , इमरान अली, समर्थ मैद, पीयूष शर्मा , राहुल खवसे, राजा कलस्कर मोन्टु लाडसे, नोमान खान, वृषभ जिचकार, ईमरान खान,जुबेर अली, हिमांशु डांगे, जुबेर शाह, रितिक सालोटकर, गणेश गौतम, आशीष गोखे, मथन पाटील, रूपेश दातारकर, सौरभ तिरस्कर, अतुल तवले आदि।

सी एम इंटर्नशिप साक्षात्कार की प्रक्रिया, आज 3 विकास खंडों में होंगे साक्षात्कार

छिन्दवाड़ा। सीएम इंटर्नशिप (मुख्यमंत्री जनसेवा मित्र) के अंतर्गत भरे गए आवेदनों में आवेदकों के लिये आज से विकासखंडवार जनपद पंचायत छिन्दवाड़ा के सभागार में साक्षात्कार की प्रक्रिया जारी है तथा 19 जुलाई को विकासखंड परासिया के आवेदकों का प्रातः 9 बजे, हर्रई के आवेदकों का दोपहर 12 बजे व बिछुआ के आवेदकों का दोपहर 3 बजे से साक्षात्कार होगा । साक्षात्कार के लिये चयनित प्रतिभागी लिंक के माध्यम से अपना नाम देख सकते है। इसके अलावा जनसंपर्क छिन्दवाड़ा के सोशल मीडिया पेज के माध्यम से भी देख सकते है। साक्षात्कार के लिये चयनित प्रतिभागियों को उनके मोबाईल नंबर पर भी सूचित किया जा रहा है । सीएम फैलो श्री गौरव कुमार जैन ने बताया कि मुख्यमंत्री युवा इंटर्नशिप योजना 2023 के अंतर्गत मुख्यमंत्री जन सेवा मित्र की चयन प्रक्रिया का प्रथम चरण पूर्ण हो गया है तथा द्वितीय चरण में साक्षात्कार की प्रक्रिया 17 से 20 जुलाई तक आयोजित की जा रही है ।

निःशुल्क उच्च शिक्षा के साथ ही रोजगार के द्वार भी खोले

कमलनाथ एवं नकुलनाथ की एक और सार्थक पहल

छिन्दवाड़ा। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष व पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ एवं जिले के सांसद नकुलनाथ की निःशुल्क शिक्षा और रोजगारोन्मुखी यात्रा से जिले के छात्र-छात्रायें निरंतर लाभांवित होकर अपने भविष्य को सुरक्षित व परिवार को आर्थिक रूप से मजबूत कर रहे हैं। प्राथमिक शिक्षा अर्जित करने वाले बच्चों की फीस अदा करने के साथ ही जरूरतमंद विद्यार्थियों को निःशुल्क उच्च शिक्षा नेताद्वय के प्रयासों से प्राप्त हो रही है साथ ही उनके लिये रोजगार के अवसर भी समय-समय पर उपलब्ध कराये जा रहे हैं। कमलनाथ व नकुलनाथ के प्रयासों से अब अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति वर्ग के विद्यार्थियों के लिये निःशुल्क शिक्षा के साथ ही रोजगार के द्वार भी खोले जा रहे हैं।

कमलनाथ एवं नकुलनाथ के अथक प्रयासों से जिले के जरूरतमंद एवं होनहार विद्यार्थियों को प्रदेश के नामी संस्थान रैनेसॉ यूनिवर्सिटी इंदौर, सेज यूनिवर्सिटी भोपाल से निःशुल्क उच्च शिक्षा प्रदान की जा रही है। अब 30 विद्यार्थियों को निःशुल्क उच्च शिक्षा के साथ-साथ रोजगार भी प्रदान किये जावेंगे। इस सम्बंध में जानकारी देते हुये कार्यक्रम समन्वयक श्रीमती कीर्ति सोनी ने ने बताया कि जिले के विद्यार्थियों को अपना कॅरियर बनाने के लिये एक बड़ा अवसर प्राप्त होने जा रहा है। अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति वर्ग के 12 वीं अथवा स्नातक 60 प्रतिशत अंकों के साथ 2021, 2022 अथवा 2023 में उत्तीर्ण विद्यार्थियों को टेक्नोक्रेट ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूट (टीआईटी), भोपाल से निःशुल्क बीटेक, बीई, कम्प्यूटर साइंस, मेकेनिकल इंजीनियरिंग, सिविल इंजीनियरिंग, इलेक्ट्रिक एवं इलेक्ट्रॉनिक्स, ऑर्टिफिटियल इंजीनियरिंग एवं एमसीए, एमबीए आदि विषयों में प्रवेश दिया जावेगा। प्रशिक्षण पश्चात नियमित विद्यार्थियों को देश एवं विदेश की नामी कंपनियों में रोजगार भी कॉलेज द्वारा दिलवाया जायेगा।

यहां करें आवेदन– पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिये इच्छुक विद्यार्थी सादे कागज पर राजीव भवन में कक्षा बारहवीं अथवा स्नातक की अंकसूची, परिचय पत्र एवं पासपोर्ट फोटो के साथ 28 जुलाई तक आवेदन कर सकते हैं। आवेदित विद्यार्थियों को गूगल लिंक के माध्यम से ऑनलाइन फॉर्म भरना अनिवार्य होगा। लिंक राजीव भवन अथवा सोनी कम्प्यूटर एजुकेशन से प्राप्त की जा सकती है। 29 जुलाई को दोपहर 12 बजे राजीव भवन में आयोजित कार्यक्रम में चयन प्रक्रिया एवं अन्य जानकारियां प्रदान की जावेगी।

छिंदवाड़ा को संभाग और पांढुर्ना को जिला बनाने की घोषणा कर सकते है मुख्यमंत्री ?

पांढुर्ना के 25 हजार लोगों ने सौंपा था ज्ञापन

गोविन्द चौरसिया

छिंदवाड़ा। हाल ही में मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान का जिले के पांढुर्ना विधानसभा क्षेत्र में प्रस्तावित दौरा है, चुनाव के पहले वे पांढुर्ना को जिला एवं छिंदवाड़ा को संभाग बनाने की घोषणा कर सकते हैं।

पांढुर्ना को जिला एवं छिंदवाड़ा को संभाग बनाये जाने की मांग बहुत पुरानी है, ये मांगे हमेशा चुनाव के समय ही उठती है। पांढुर्ना महाराष्ट्र से लगा है, जहां संतरा, कपास एवं मूंगफल्ली प्रमुख उपज है, यह धनाड्य क्षेत्र है एवं यहां के लोग बहुत जागरूक है, जो कभी कभी नेताओं की भी नहीं मानते, पहले यह सामान्य विधानसभा क्षेत्र था बाद में अनुसूचित जनजाति (आदिवासी)विधानसभा हो गया, जिससे नेताओं के अरमान दफन हो गये।

इस क्षेत्र से कांग्रेस के तेज तर्रार नेता माधव लाल दुबे प्रतिनिधित्व करते थे, वे मंत्री भी रहे, किन्तु अर्जुनसिंह एवं कमलनाथ से नहीं पटने के कारण उन्होने कांग्रेस छोड़ दी थी। बताया जाता है पांढुर्ना को जिला बनाया जाने के लिए सौंसर को भी जोड़ा जायेगा। पांढुर्ना एवं सौंसर को जोड़ कर जिला बनाया जाता है तो यह क्षेत्र काफी उत्पादक जिला होगा, यहां कन्हान एवं जाम नदी के अलावा खनिज भी है। देखना है कि मुख्यमंत्री छिंदवाड़ा कब आते है और पांढुर्ना को जिला एवं छिंदवाड़ा को संभाग बनाने की घोषणा करते है अथवा नहीं। भाजपा यदि घोषणा करती है तो इसका फायदा चुनाव में मिलेगा, कई संगठन अब पांढुर्ना जिला बनाने के लिए आन्दोलन भी कर रहे है।

पांढुर्ना को जिला बनाने की मांग तेज- हम फाउंडेशन ने निकाली मौन सत्याग्रह रैली, SDM को सौंपा ज्ञापन

मध्य प्रदेश में कुछ माह बाद विधानसभा के चुनाव होने है, ऐसे में पांढुर्ना को जिला बनाने की मांग एक बार फिर जोर पकड़ने लगी है। हम फाउंडेशन की ओर से आज पांढुर्ना को जिला बनाने की मांग को लेकर मौन सत्याग्रह कर रैली निकाल एसडीएम को ज्ञापन सौपा गया। जिसमे बताया गया कि छिंदवाड़ा जिले में पांढुर्ना एक अति महत्वपूर्ण तहसील है और पूर्व में जिले की सबसे अधिक विकसित तहसील थी ,परंतु राजनितिक षडयंत्र का शिकार होने से आज यह सबसे पिछड़ी तहसील हो गयी है। जहां न पेयजल के लिए जलाशय है, न सिंचाई की पर्याप्त व्यवस्था है, ना ही औद्योगिक एवं व्यावसायिक विकास हुआ है। इसे जिला का दर्जा दिया जाए ताकि यहां विकास कार्य हो सके।

कमलनाथ के गढ़ में भाजपा का प्लान, छिंदवाड़ा में ही घेरने की तैयारी

हम फाउंडेशन के लोगों का कहना है कि मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने पांढुर्णा को जिला बनाने की दो बार सभा मंच से घोषणा की थी जो कि आज तक पूरी नहीं हुई है। क्षेत्र के विभिन्न संगठनों द्वारा इस बात को आपके ध्यान में लाने का प्रयास किया गया। इसी कड़ी में हम फाउंडेशन ने क्षेत्र में हस्ताक्षर अभियान चलाकर 25000 लोगों के हस्ताक्षर युक्त ज्ञापन आपको भोपाल आकर सौंपा तथा निवेदन किया कि आप इस ओर प्राथमिकता के तौर पर ध्यान देकर जिले की कार्यवाही को आगे बढ़ाए। जिसके बाद मुख्यमंत्री द्वारा आश्वासन भी दिया गया था कि, शासन द्वारा पांढुर्णा को जिला बनाये जाने की जल्द से जल्द कार्यवाही करेंगे।

पुलिस घर-घर पहुंचकर लोगों को साइबर अपराधों के बारे में करेगी जागरूक, छात्रों की लेगी मदद

भोपाल। राजधानी में फ्राड लोन एप के चंगुल में फंसने के कारण एक परिवार द्वारा खुदकुशी करने के बाद पुलिस ने एक बार फिर से साइबर अपराधों के प्रति लोगों को जागरूक करने की जोर-शोर से तैयारी कर ली है। अब पुलिस का पूरा फोकस घर-घर तक पहुंचकर लोगों को साइबर अपराध से बचाव के तौर-तरीकों के बारे में जागरूक करने पर है। इसके लिए पुलिस ने शहर के कालेज छात्रों को इंटर्नशिप कराने की तैयारी कर ली है। जल्द ही इस मामले में पुलिस रूपरेखा जारी करेगी।

इन युवा छात्रों को भोपाल साइबर पुलिस अधिकारी पहले प्रशिक्षित करेंगे। वह उनको साइबर अपराध और उसके बदलते स्वरूप को लेकर पूरी बारीकियां समझाएंगे और उसके बाद उनको साइबर अपराध के बचाव के तौर-तरीकों के प्रचार-प्रसार के लिए लोगों के बीच भेजेंगे।

दरअसल बढ़ते डिजिटल लेन-देन के बाद आनलाइन धोखाधड़ी के लगातार सामने आ रहे प्रकरणों को देखते हुए साइबर अपराध को लेकर लोगों को ज्यादा से ज्यादा जागरूक करने का प्रयास पुलिस कर रही है। इसको लेकर एडवाइजरी जारी की जाती है और लगातार लोगों को एक साल मोबाइल संदेश पर भेजकर इन आनलाइन ठगों से बचाव की जानकारी देती रहती है। इसके बाद भी लोग नासमझी में इन आनलाइन ठगों के जाल में फंस जाते हैं। इससे निपटने के लिए पुलिस आयुक्त हरिनारायणाचारी मिश्र ने यह नई योजना तैयार की है। इसमें शहर के चार निजी और शासकीय कालेजों का चुनाव कर उनके छात्रों को इंटर्न करने के लिए बुलाएंगे और करीब 35 दिन की ट्रेनिंग देकर साइबर अपराधों के बारे में प्रशिक्षित करेंगे और बाद में साइबर पुलिस के साथ मिलकर लोगों को जागरूक करेंगे।

नुक्कड़ नाटक से लेकर सीधे संवाद भी होगा

पुलिस आयुक्त हरिनारायणाचारी मिश्र ने बताया कि ये छात्र प्रशिक्षण के बाद लोगों के बीच संवाद करने के लिए पुलिसकर्मियों के साथ मिलकर काम करेंगे। इसके लिए लोगों से डोर-टु-डोर संपर्क करने की तैयारी है। इसके अलावा नुक्कड नाटक समेत कुछ सामाजिक गतिविधियां भी करेंगे।

बाइक सवार पुलिसकर्मी को टक्कर मारकर ऊपर से निकल गई बस, मौत

भोपाल। अरेरा हिल्स इलाके में मंगलवार सुबह साढ़े ग्यारह बजे राजभवन के पास एक तेज रफ्तार फीडर बस ने बाइक सवार पुलिसकर्मी को पीछे से टक्कर मार दी। इसके बाद भी बस रुकी नहीं और सड़क पर गिरे पुलिस कर्मी को रौंदते हुए निकल गई। गंभीर रूप से घायल पुलिसकर्मी को पास के निजी अस्पताल ले जाया गया, जहां डाक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। हादसे के बाद चालक ने बस लेकर भागने की कोशिश की, लेकिन पुलिस ने पीछा कर उसे पकड़ लिया।

अरेरा हिल्स थाना प्रभारी आरके सिंह ने बताया कि सुरेंद्र सिंह विष?ट (50) 25वीं बटालियन स्थित शासकीय पुलिस आवास में रहते थे और पुलिस आयुक्त कार्यालय में लिपिक थे। मंगलवार सुबह करीब साढ़े 11 बजे वह घर से बाइक लेकर कमिश्नर कार्यालय जा रहे थे। राजभवन के पास एक तेज रफ्तार फीडर बस ने उनकी बाइक को पीछे से टक्कर मार दी। टक्कर लगते ही सुरेंद्र सिंह बाइक समेत सड़क पर गिर गए। बस का पहिया उनकी कमर पर से होकर गुजर गया। टीआइ आरके सिंह ने बताया कि वह मूलत~ गढ़वाल के रहने वाले थे। वह यहां अपनी पत्नी के साथ रहते थे। पुलिस विभाग में उन्हें अनुकंपा नियुक्ति मिली थी।

कार को ओवरटेक कर रहा था बस चालक

टीआइ आरके सिंह ने बताया कि सुरेंद्र सिंह को टक्कर मारने के बाद चालक बस लेकर भाग निकला था, उसे आगे जाकर पुलिस पकड़ लिया गया। कटियार ट्रेवल्स की यह बस भोपाल-मंडीदीप-औबेदुल्लागंज के बीच चलती है। शुरुआती पूछताछ में पता चला कि एक कार को ओवरटेक करते समय बस की रफ्तार अधिक थी और उसने बाइक को टक्कर मारी थी। पुलिस ने चालक के खिलाफ केस दर्ज कर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है।

काटजू अस्पताल के अधीक्षक व डाक्टर के बीच विवाद, जबरन रिलीव नहीं करने का आरोप

भोपाल। राजधानी के कैलाश नाथ काटजू अस्पताल में मंगलवार को अधीक्षक कर्नल प्रवीण कुमार सिंह और डा. जरीना खान के बीच विवाद हो गया। अस?पताल में स?वास?थ?य अधिकारी डा. जरीना खान का आरोप है कि 13 जुलाई को तबादला होने के बाद भी उन्हें अब तक रिलीव नहीं किया जा रहा है। शासन ने उनका तबादला काटजू अस्पताल

से बैरागढ़ में स?थित सिविल अस्पताल कर दिया है। लेकिन अधीक्षक द्वारा उन?हें रिलीव करने के लिए काटजू अस्पताल के चक्कर लगवाएं जा रहे हैं।

डा. जरीना खान ने यह भी आरोप लगाया कि अस्पताल अधीक्षक की प्रताड़ना के चलते ही उन?होंने यहां से तबादला लिया है। उनका कहना है कि पूर्व में अस्पताल की महिला डाक्टरों ने सीएमएचओ को ज्ञापन सौंप कर अधीक्षक की मनमानियों से अवगत कराया था। इस संदर्भ में राष?ट्रीय स?वास?थ?य मिशन (एनएचएम) की डायरेक?टर प्रियंका दास के दफ्तर में और सीएम हेल्पलाइन में भी शिकायत की है।

वहीं इस संदर्भ में अस्पताल के अधीक्षक कर्नल प्रवीण सिंह का कहना है कि उन्हें डा. जरीना खान के तबादले का आदेश सोमवार को प्राप्त हुआ है। रिलीव करने से पहले की कुछ प्रक्रियाएं होती हैं, जो चल रही हैं। उन्हें 21 जुलाई तक रिलीव कर दिया जाएगा।

खंडवा में अजनाल नदी में बाढ़, गांवों में पानी भरा, मकान गिरे, विदिशा में बेतवा उफनी

भोपाल। मध्यप्रदेश के 27 जिलों में आज भारी बारिश के आसार हैं। इन जिलों में 4 इंच तक पानी गिर सकता है। आगर-मालवा के लिए अति भारी बारिश का अलर्ट है। यहां 8 इंच तक पानी गिर सकता है। 20 जुलाई से एक और नया सिस्टम एक्टिव हो रहा है। यह प्रदेश को 26 जुलाई तक भिगोएगा।

मौसम विशेषज्ञों के मुताबिक, वर्तमान में मानसून ट्रफ लाइन बीकानेर (राजस्थान), शिवपुरी, मंडला होते हुए बंगाल तक गुजर रही है। दो साइक्लोनिक सर्कुलेशन सिस्टम एक्टिव हैं। दो दिन तक पूर्वी मध्यप्रदेश में बारिश की कमी रहेगी, लेकिन नॉर्थ - वेस्ट बंगाल के ऊपर एक और साइक्लोनिक सर्कुलेशन बन रहा है। खंडवा के पुनासा में रातभर हुई तेज बारिश से अजनाल उफना गई है। नदी से सटे गांवों में बाढ़ के हालात हैं। सनावद-महेश्वर को जोड़ने वाली रोड डूब गई है। गुर्जरखेड़ी, आवलियां, रिछफल, कालियाखेड़ी, नवलगांव में कई

कच्चे मकान ढह गए। मवेशी और खेतों में लगी कपास की फसल बह गई। राजस्व विभाग और होमगार्ड का दल मौके पर राहत और बचाव कार्य में जुटा हुआ है। पुनासा एसडीएम चंदरसिंह सोलंकी का कहना है कि राजस्व और पुलिस का अमला अजनाल के गांवों का दौरा कर रहा है।

विदिशा रेहटी बांध के दो गेट खोलने से बेतवा में बाढ़

विदिशा में मंगलवार को रेहटी बांध के दो गेट खोले गए। सोमवार को भी एक गेट खोलकर पानी छोड़ा गया था। आज त्योंदा के बघरु बांध के गेट खुल सकते हैं। बेतवा में पानी का जलस्तर बढ़ गया है। प्राचीन चरणतीर्थ मंदिर पानी से घिर गए। मंदिर पर पहुंचने वाला छोटा पुल पहले ही पानी में डूब चुका है। माधवगंज? क्रमांक 2 स्कूल पानी से लबालब हो गया। इधर गुना के फतेहगढ़ इलाके में स्टेट हाईवे-46 पर मगरोड़ा नदी उफान पर आ गई। पानी पुल पर बहने लगा। स्टेट हाईवे 46 गुना जिले को राजस्थान से जोड़ता? है। यह मार्ग कोटा तक जाता है। मंगलवार दोपहर 1 घंटे की तेज बारिश से नदी में बहाव तेज हो गया। देर रात पुल से पानी तो उतर गया, लेकिन बहाव अभी भी तेज है।

पश्चिमी हिस्से में 22 प्रतिशत बारिश ज्यादा

मौसम वैज्ञानिकों के अनुसार, प्रदेश में 1 जून से अब तक 26 प्रतिशत बारिश ज्यादा हो चुकी है। पूर्वी मध्यप्रदेश में औसत से 10 प्रतिशत अधिक हुई है। पश्चिमी मध्यप्रदेश में औसत से 22 प्रतिशत अधिक बारिश हो चुकी है। सिवनी में सबसे ज्यादा 23 इंच के करीब बारिश हुई है। खरगोन में सबसे कम 6 इंच बारिश दर्ज की गई है। नरसिंहपुर, अनूपपुर, छिंदवाड़ा, डिंडोरी, जबलपुर, मंडला, सागर, इंदौर, नर्मदापुरम, रायसेन, रतलाम, सीहोर और विदिशा में जून से अब तक 16 इंच से ज्यादा और छतरपुर, रीवा, सतना, सीधी, सिंगरौली, टीकमगढ़, अलीराजपुर, अशोकनगर, बड़वानी, दतिया, ग्वालियर, झाबुआ, खंडवा, खरगोन, मंदसौर, मुरैना में 16 इंच से कम बारिश हुई है।

उज्जैन नगर निगम के अपर आयुक्त नागर से भगवान बोले-नाले पर नहीं रहूंगा

उज्जैन। आज केडी गेट -इमली चौराहा चौड़ीकरण के लिए धार्मिक स्थलों को तोड़ने के लिए जेसीबी की परेड कराए जाने की संभावना है। यह जानकारी चौड़ीकरण के प्रभारी अपार आयुक्त आदित्य नागर ने देते हुए बताया कि कलेक्टर से परमिशन लेकर 12 जेसीबी मशीन एक साथ मार्ग पर निकलेंगी। कहां कितना धार्मिक स्थल तोड़ना है इसका चिन्हाकंन और रिहर्सल करेंगी। नगर निगम आयुक्त रौशन सिंह से इस संबंध में बात हो चुकी है। उन्होंने बताया कि भगवान उनके सपने में आए थे और बोले थे कि नाली पर अब नहीं रह पाऊंगा। इसकी जानकारी पिछले दिनों उन्होंने धार्मिक संगठनों के साथ हुई बैठक में भी दी थी। उन्होंने कहा कि चौड़ीकरण में धार्मिक स्थलों को बाधा नहीं बनने दिया जाएगा एक साथ सभी धार्मिक स्थलों को तोड़ा जाए सभी को समय सीमा

में अपना अतिक्रमण खुद हटाने का समय दे दिया गया है। पहले सड़क को बनाया जाएगा इसके आसपास नाली बनाने का काम भी शुरू कर दिया जाए ताकि समय सीमा में चौड़ीकरण का काम पूरा हो सके। उन्होंने बताया कि केडी गेट से इमली चौराहे के बीच कई स्थानों पर भगवान नाले पर हैं जबकि मेरे सपने में भगवान आए थे और कहा था कि अब मैं नाली पर नहीं रहूंगा, इसलिए हम उन्हें नाली से हटाकर अच्छे धार्मिक स्थल पर शिफ्ट करने की योजना बना रहे हैं जहां भगवान की प्रतिमाएं शिफ्ट की जाना है उस मंदिर के संचालकों से बात हो चुकी।

वहीं इस मामले में लोक निर्माण विभाग के प्रभारी शिवेंद्र तिवारी का कहना है कि सभी धार्मिक स्थल संचालकों और साधु संतों से इस संबंध में बात हो चुकी है जल्द ही धार्मिक स्थलों के मामले में फैसला ले लिया जाएगा। महापौर मुकेश टटवाल ने 10 लोगों की कमेटी बनाई है। कांग्रेस के पार्षदों को भी इस कमेटी में सदस्य बनाया गया है। परंतु वे बैठक में शामिल नहीं हुए।

यूजीसी ने सभी उच्च शिक्षण संस्थानों को फी रिफंड पॉलिसी का पालन करने के लिए कहा

भोपाल। छात्रों द्वारा कॉलेज से अपना एडमिशन निरस्त करवाने पर या दाखिला नहीं लेने पर संबंधित कॉलेज को उनकी पूरी फीस लौटाना होगी। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) ने इस संबंध में सभी विश्वविद्यालयों और कॉलेजों के प्रमुख के लिए गाइडलाइन जारी कर दी है। यूजीसी ने उच्च शिक्षण

संस्थानों को शैक्षणिक वर्ष 2023-24 के लिए फी रिफंड पॉलिसी का पालन करने के लिए कहा है। इसके तहत 30 सितंबर तक दाखिला वापस लेने वाले छात्रों की पूरी फीस कॉलेज वापस करेगा, वहीं 31 अक्टूबर तक एडमिशन वापस लेने वाले छात्रों की 1000 रुपए कटौती के साथ फीस लौटाई जाएगी। गौरतलब है कि बहुत से छात्र सीयूईटी का रिजल्ट घोषित होने के बाद विवि में यूजी, पीजी सहित अन्य कोर्स में प्रवेश लेंगे। इसके पूर्व कई छात्र कॉलेजों में प्रवेश ले भी चुके हैं। ऐसे में पहले से लिए गए एडमिशन की फीस को लेकर समस्या आती है।

ओरिजनल सर्टिफिकेट नहीं रख सकेंगे- छात्रों को अपने प्रवेश को एक संस्थान से दूसरे संस्थान में स्थानांतरित करने में सुविधा प्रदान करने के लिए यूजीसी द्वारा फीस वापसी और मूल प्रमाणपत्रों को न रखने का प्रावधान किया गया है। इसके अलावा यूजीसी ने शैक्षणिक वर्ष 2023-24 में प्रवेश वापस लेने वाले छात्रों की किसी भी शिकायत का निवारण करने के लिए उच्च शिक्षण संस्थानों को भी निर्देशित किया है।

विधायक पीसी शर्मा ने आज शासकीय कमला नेहरू कन्या विद्यालय में छात्राओं को संबोधित किया।

महिला पेंशनरों ने अपनी मांगों को लेकर आज रोशनपुरा चौराहे पर प्रदर्शन किया।

डेढ़ करोड़ ठगी मामले में एफआइआर के बाद भी आनलाइन ठग फरियादी को बार-बार कर रहा फोन

भोपाल। राजधानी में इन दिनों साइबर धोखाधड़ी के लगातार मामले सामने आ रहे हैं। लोगों की हालत यह है कि रोजाना ऐसे अनचाहे फोन आने के बाद लोग उनके जाल में फंसकर अपने पसीने की कमाई को गंवा रहे हैं। अब हालात यह है कि एक बार इन आरोपितों के चंगुल में फंसने के बाद भी यह पीछा आसानी से नहीं छोड़ते हैं। ऐसा ही एक मामले में भेल के एक सेवानिवृत्त अधिकारी के साथ एक बहुराष्ट्रीय कंपनी में दोबारा से नौकरी दिलाने के नाम पर डेढ़ करोड़ रुपये हड़पने के बाद भी साइबर ठग उसका पीछा छोड़ने को तैयार नहीं है। आरोपितों पर एफआइआर दर्ज होने के बाद भी वह दिन में बार-बार फोन कर परेशान कर रहे हैं।

इस मामले में को लेकर पीडित ने पुलिस आयुक्त हरिनारायणाचारी मिश्र से मुलाकात कर शिकायती आवेदन दिया। इस पर उन्होंने साइबर क्राइम पुलिस और अयोध्या नगर पुलिस को मामले की जानकारी मांगी और आगे कार्रवाई के निर्देश जारी किए हैं।

मूलत~ कोलकाता, पश्चिम बंगाल के रहने वाले 65 वर्षीय अभिजीत सिन्हा भेल कारखाने से सेवानिवृत्त हैं। वह भोपाल में मिनाल रेजीडेंसी में रहते हैं। सेवानिवृत्त होने के बाद अपने लिए नौकरी की तलाश कर रहे थे। इसके लिए वह अलग-अलग वेबसाइट पर अपना बायोडाटा अपलोड करते रहते थे। इसी दौरान 29 अक्टूबर 2022 को उनके पास एक फोन आया। फोन करने वाले शख्स ने उनसे नौकरी से संबंधित बात की और उसके बाद उनसे चर्चा के बाद उन्होंने काफी के कारोबार से जुड़ी एक मल्टीनेशनल कंपनी में नौकरी का प्रस्ताव दिया1 उनके हामी भरने पर वह उनसे तमाम तरह से वहां से रुपये मांगने लगा और वह उसके झांसे में आ गए। उन्होंने कई किश्तों में उसे जून 2023 तक करीब डेढ़ करोड़ रुपये दे दिए। इसके बाद जब नौकरी नहीं मिली तो उन्होंने उससे रकम वापस मांगी। इस पर उसने उनसे कहा कि वह उनकी पूरी रकम को नौकरी ज्वाइन के समय वापस कर देगा। लेकिन उसने उसके बाद से मोबाइल बंद कर लिया। आठ जुलाई को अयोध्या नगर पुलिस इस मामले में एफआइआर दर्ज कर चुकी है।

पीड़ित से डेढ़ करोड़ की राशि हड़पने के बाद भी यह साइबर ठग अभिजीत सिन?हा के पीछे लगे हैं। उसे फोन कर और रुपये वापस करने की बात कर उससे और रुपये मांगते हैं। इस कारण वह मानसिक रूप से परेशान हो गए हैं। मंगलवार को उन्होंने पुलिस आयुक्त से मुलाकात कर पूरे मामले को लेकर शिकायत की।

उद्यानिकी विभाग के स्थाई एवं अस्थाई कर्मचारियों ने प्रदर्शन कर दिया धरना

- **आयुक्त उद्यानिकी विभाग को 7 सूत्रीय ज्ञापन सौंपा**

भोपाल। मध्यप्रदेश कर्मचारी मंच के बैनर तले आज उद्यानिकी विभाग के अस्थाई एवं स्थाई कर्मचारियों ने अपनी 7 सूत्रीय मांगों के समर्थन में आयुक्त कार्यालय विंध्याचल भवन पर धरना दिया तथा रैली निकालकर आयुक्त उद्यानिकी विभाग को 7 सूत्रीय न्यायोचित मांगों को ज्ञापन सौंपा आयुक्त ने मांगों पर शीघ्र कार्रवाई करने का आश्वासन दिया है धरने का नेतृत्व मध्यप्रदेश कर्मचारी मंच के प्रांत अध्यक्ष अशोक पांडे ने किया प्रदर्शन में मांगीलाल चौरे अशोक कहार सुखमन धुर्वे भाई जी कुशवाह गुलाब सिंह मस कोले गोविंद कुशवाहा मुकेश केवट रमेश मेहरा चंदा संतोरे आदि सैकड़ों कर्मचारी शामिल थे।

मध्यप्रदेश कर्मचारी मंच के प्रांत अध्यक्ष अशोक पांडे ने जारी प्रेस विज्ञप्ति को बताया है कि उद्यानिकी विभाग के कर्मचारियों का शोषण किया जा रहा है उनको बेगार प्रथा में लगाया गया है स्थाई कर्मचारियों एवं अस्थाई कर्मचारियों को शासनादेशों का लाभ नहीं दिया जा रहा है जिस कारण उद्यानिकी विभाग में कार्यरत स्थाई एवं अस्थाई कर्मचारियों में भयंकर असंतोष व्याप्त है आज कर्मचारियों ने आयुक्त को ज्ञापन सौंपकर मांग करी है कि उद्यानिकी विभाग के स्थाई कर्मियों को 2022 में दिए गए 9त्न एवं 7त्न महंगाई भत्ते का लाभ एरियर सहित दिया जाए उद्यानिकी विभाग के स्थाई एवं अस्थाई कर्मचारियों को 1 तारीख से 5 तारीख के बीच वेतन अवश्य रूप से भुगतान किया जाए उद्यानिकी विभाग के स्थाई एवं अस्थाई कर्मचारियों की वरिष्ठता सूची बनाई जाए उद्यानिकी विभाग के स्थाई कर्मियों की सर्विस बुक बनाई जाए उद्यानिकी विभाग की स्थाई कर्मियों एवं अस्थाई कर्मचारियों को अवकाश सुविधा का लाभ दिया जाए उद्यानिकी विभाग में स्थाई कर्मचारियों एवं अस्थाई कर्मचारियों को वेतन भुगतान करने में मास्टर रोल प्रथा बंद की जाए एवं प्रमाणक पर भुगतान किया जाए उद्यानिकी विभाग से शोषण एवं बेगार प्रथा समाप्त की जाए।

दैनिक साध्य प्रकाश
दैनिक सांध्य प्रकाश के 52 वर्ष पूर्ण होने पर
हार्दिक बधाई व शुभकामनाएं
अमरेन्द्र सिह
समाज सेवी
पप्पू पटेल
उपाध्यक्ष
जनपद पंचायत, नैनपुर, जिला मंडला